दैनिक
विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2016/68363

उज्जैन
सोमवार, 07 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल पक्ष–12
वर्ष : 10 | अंक : 168
कुल पृष्ठ : 12

टीम इंडिया ने किया बर्मिंघम किला फतेह... 10

ॐ

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स समिट में हुए शामिल, ब्राजील के राष्ट्रपति ने किया ग्रेंड वेलकम

दुनिया की दो-तिहाई आबादी को आज तक उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलाः मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इंटरनेशनल गवर्नेंस स्ट्रक्चर में व्यापक सुधार की ज़रूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के निर्णयों में ग्लोबल साउथ की भागीदारी बढ़ाना अब जरूरी हो गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि 20वीं सदी में बनी वैश्विक संस्थाओं में दुनिया की दो-तिहाई आबादी को आज तक उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। उन्होंने इसे केवल प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं बताया, बल्कि इसे इन संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता से भी जोड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल साउथ के बिना ये संस्थाएं ऐसे हैं जैसे मोबाइल फोन में सिम कार्ड तो है, लेकिन नेटवर्क नहीं है।

ग्लोबल साउथ को सिर्फ प्रतीकात्मक समर्थन मिला

प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ को लगातार हाशिए पर रखे जाने पर प्रकाश डाला और कहा कि चाहे विकास की बात हो, संसाधनों के वितरण की बात हो या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट फाइनेंस, सतत विकास और टेक्नोलॉजी तक पहुंच जैसे मुद्दों पर ग्लोबल साउथ को नाममात्र के अलावा कुछ नहीं मिला है। शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब दुनिया में हर हफ्ते एआई और तकनीक अपडेट हो रहे हैं, तब यह अस्वीकार्य है कि ग्लोबल इंस्टीट्यूशंस 80 वर्षों से बिना अपडेट के चल रही हैं. 20वीं सदी के टाइपराइटर से 21वीं सदी का सॉफ्टवेयर को नहीं चलाया जा सकता।

भारत को मिल सकता है कूटनीतिक लाभ

इस बार की बैठक में भारत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का केंद्र बिंदु रहने वाला है। चीन और रूस के शीर्ष नेताओं की गैरमौजूदगी से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रमुख मंच मिलने की संभावना है। मोदी ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनेसियो लूला डा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। ब्राजील ने पीएम मोदी के सम्मान में स्टेट विजिट का भी आयोजन रखा है, जो कि 8–9 जुलाई को ब्रासिलिया में होगा।

ब्राजील में भी ऑपरेशन सिंदूर की गूंज

अर्जेंटीना से ब्राजील पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए ब्राजील ने विशेष इंतजाम किए थे। होटल नासिनॉल में भारतीय प्रवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। ऑपरेशन सिंदूर को दर्शाने वाला विशेष प्रस्तुति दी गई। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर गीत सौगंध मेरी मिट्टी की देश नहीं झुकने दूंगा चलाए गए और कुछ लोग नृत्य करते नजर आए। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को देख प्रधानमंत्री मोदी मुस्कराते दिखे।

संक्षिप्त समाचार

अब तक बाबा बर्फानी के 50 हजार से ज्यादा भक्तों ने किए दर्शन

जम्मू, (हि.स.)। लगातार बारिश के बीच, 7,200 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था रविवार को तड़के दक्षिण कश्मीर हिमालय में अमरनाथ मंदिर के लिए यहां आधार शिविर से रवाना हुआ। 3 जुलाई को शुरू हुई 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा ने रविवार को 50,000 का आंकड़ा पार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि 1,587 महिलाओं और 30 बच्चों सहित 7,208 तीर्थयात्रियों का पांचवां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 3 :35 बजे से 4 :15 बजे के बीच भगवती नगर आधार शिविर से दो अलग-अलग काफिलों में रवाना हुआ।

मतदाता सूची को लेकर राजद और महुआ पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के चुनाव आयोग के निर्देश को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस फैसले को चुनौती दी है। वहीं मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) वाले चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की नेता और सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। महुआ मोइत्रा ने भारत निर्वाचन आयोग के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

ब्रिटिश फाइटर जेट एफ-35 को ठीक करने यूके से पहुंची टीम

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। ब्रिटिश फाइटर जेट एफ-35 को ठीक करने ब्रिटेन से 25 इंजीनियरों की टीम रविवार को भारत पहुंच गई है। टीम तय करेगी कि विमान की मरम्मत यहीं हो सकती है या वापस यूके भेजना होगा। पहले ब्रिटेन की इस टीम को 2 जुलाई को आना था। फाइटर जेट 14 जून की रात केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट 13 दिन से एयरपोर्ट पर ही खड़ा है। 918 करोड़ रुपए का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के एसएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। इसे दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है।

एक देश एक विधान कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के योगदान का किया स्मरण

डॉ.मुखर्जी ने कभी असंगत व्यवस्थाओं से समझौता नहीं किया: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे सच्चे नेता थे, जिन्होंने लोकतंत्र सेनानी के रूप में कोलकाता और पश्चिम बंगाल को बचाने का कार्य भी किया।

उन्होंने राष्ट्रवादी संगठन जनसंघ की स्थापना तो की ही तत्कालीन केंद्र सरकार से स्वयं को अलग करते हुए निर्दलीय रूप से निर्वाचन का निर्णय लिया। शिक्षा के क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद ऐसी अनेक चुनौतियों का उन्होंने सामना किया जो राष्ट्रभक्त ही किया करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ .यादव ने कहा कि डॉ.मुखर्जी ने कभी असंगत व्यवस्थाओं से समझौता नहीं किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम की हिंसा का उत्तर आपरेशन सिंदूर के माध्यम से दिया। स्वतंत्रता के बाद सर्वप्रथम डॉ. मुखर्जी ने ऐसी व्यवस्थाओं का विरोध किया था जो राष्ट्र हित में नहीं थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के जीवन लक्ष्य को पूर्ण करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। पूरे राष्ट्र ने एक स्वर से कश्मीर से धारा 370 हटाने का समर्थन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में संस्कृति विभाग द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वी जयंती के अवसर पर में एक देश एक विधान विषय पर आयोजित वैचारिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. मुखर्जी कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रबल विरोधी थे

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 370 का विरोध करते हुए संसद में भाषण दिया था। वे कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रबल विरोधी थे। उनका मानना था कि कश्मीर हमारे लिए केवल एक भू-भाग नहीं अपितु भारत की आत्मा है। डॉ. अम्बेडकर का भी यही विचार था। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि भारत की एकता से कोई समझौता नहीं बल्कि संकल्प है। कश्मीर के मुद्दे पर भारतीय जनसंघ ने सत्याग्रह भी किया। डॉ.मुखर्जी 11 मई 1953 को परमिट सिस्टम का उल्लंघन कर कश्मीर पहुंचे वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विषम परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका स्वर्गवास हो गया। यह उनका बलिदान था।

डॉ. मुखर्जी ने बताया राष्ट्र के लिए कैसी हो हमारी दृष्टि

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवासियों को यह बताया कि राष्ट्र के लिए हमारी दृष्टि कैसी होनी चाहिए। आज भारत दुनिया का बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के समय हुई त्रुटियों को याद रखने की आवश्यकता है। डॉ. मुखर्जी जैसे महापुरूषों के योगदान का इसलिए निरंतर स्मरण करना जरूरी है।

देश की अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि धरती पर बमुश्किल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसा महापुरूष पैदा होता है। नेहरूजी से मतभेदों के चलते डॉ. मुखर्जी ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। डॉ. मुखर्जी प्रखर देशभक्त थे। उन्होंने देश की अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, रविंद्र यति आदि उपस्थित थे। प्रमुख सचिव संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने आभार व्यक्त किया।

देश को 2 पार्टी सिस्टम से मिलेगी आजादी

मस्क ने बनाई अमेरिका पार्टी अब ट्रंप को देंगे सीधी टक्कर

वॉशिंगटन। अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम अमेरिका पार्टी रखा है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी।

उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके। इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पब्लिक पोल भी किया था। मस्क ने अपने पोस्ट में कहा कि आप में 66 प्रतिशत लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4 प्रतिशत लोगों ने हां और 34.6 प्रतिशत ने नहीं में वोट दिया। अपनी घोषणा में मस्क ने वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा, जब बात बर्बादी और भ्रष्टाचार से हमारे देश को दिवालिया बनाने की आती है तो हम एक-पार्टी सिस्टम में जी रहे हैं, लोकतंत्र में नहीं। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका पार्टी का गठन आपके खोए हुए स्वतंत्रता को वापस लाने के लिए किया गया है।

बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर भिड़े थे मस्क और ट्रम्प

मस्क और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच 5 जून को टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसके बाद मस्क ने ट्रम्प सरकार से खुद को अलग कर लिया था। ट्रम्प का कहना था, जब हमने अनिवार्य तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के कानून में कटौती करने की बात कही तो मस्क को दिक्कत होने लगी। मैं इलॉन से बहुत निराश हूं। मैंने उनकी बहुत मदद की है। इसके बाद मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रम्प को एहसान फरामोश बताते हुए लगातार कई ट्वीट किए। मस्क ने कहा, मैं नहीं होता तो ट्रम्प चुनाव हार जाते। उन्होंने ट्रम्प पर महाभियोग चलाने तक की बात कही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को लिखी चिट्ठी

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से तुरंत खाली कराए बंगला

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बंगला खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इसके मुताबिक पूर्व सीजेआई रिटायर होने के बाद भी इस बंगले में रह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पत्र में लिखा है कि उन्हें जितने समय के लिए अनुमति दी गई थी, वह समय सीमा पूरी हो चुकी है। साथ ही पत्र में बंगला खाली कराके इसे कोर्ट के हाउसिंग पूल को लौटाने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह पत्र एक जुलाई को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। इसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर पांच तत्काल खाली कराया जाए। यह बंगला आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आवास है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्र में लिखा गया है कि बिना किसी देरी के डॉक्टर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से बंगला नंबर पांच खाली कराया जाए। उन्हें इस बंगले में रहने की अनुमति का विस्तारित समय सीमा 21 मई 2025 को खत्म हो चुकी है। इसके अलावा 2022 नियमों के नियम 3 बी के तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो चुकी है।

तकनीक और लोगों के हित को बनाएं सहकारी क्षेत्र की कार्य संस्कृति : शाह

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सहकारिता क्षेत्र के नेताओं से अपील की कि वह पारदर्शिता, तकनीक का उपयोग और सदस्यों के हित को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाएं, ताकि सफलता हासिल की जा सके। शाह आणंद में अमूल डेयरी परिसर में सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, पारदर्शिता, तकनीक और सदस्यों (किसानों और सहकारी संस्थाओं) को प्राथमिकता देना आवश्यक है। तकनीक के बिना सहकारिता की समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा, अपने कार्य के केंद्र में लोगों के हितों को रखना भी बहुत जरूरी है। शाह ने सहकारिता से इन तीन सिद्धांतों को अपनी कार्य संस्कृति में आत्मसात करने और जम्मू-कश्मीर से कामाख्या (असम का एक मंदिर) और देश के हर गांव तक फैलाने का आह्वान किया।

सहकारिता से समृद्धि मंत्र के साथ सहकारिता मंत्रालय की नींव रखी थी

मंत्री ने कहा कि चार साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारिता से समृद्धि के मंत्र के साथ सहकारिता मंत्रालय की नींव रखी थी, जिससे इस प्रणाली को नया जीवन मिला। उन्होंने बताया कि इन चार वर्षों में केंद्र सरकार ने इन पांच पी के आधार पर 60 से अधिक पहलें शुरू की हैं। शाह ने बताया कि पहले 'पी' (पीपुल्स) का अर्थ है कि इन पहलों का प्राथमिक लाभ देश की जनता को मिलेगा। दूसरे 'पी' (पीएसी) का मतलब है कि पीएसी के माध्यम से हम प्राथमिक सहकारी मंडलों को मजबूत कर रहे हैं। तीसरे 'पी' (प्लेटफॉर्म) का मतलब है कि इन प्लेटफॉर्म के अंतर्गत हमने विभिन्न सहकारी गतिविधियों की शुरुआत की है। चौथे पी (पॉलिसी) का मतलब नीति है और पांचवें पी का मतलब है कि न केवल किसी एक व्यक्ति बल्कि पूरे समाज की समृद्धि, गरीबों, श्रमिकों और किसानों की समृद्धि है।

मणिपुर में उग्रवादी संगठनों की बड़ी साजिश का खुलासा

म्यांमार से भारत आ रहे हथियार, शांति प्रक्रिया पर खड़े हुए सवाल

इंफाल/नई दिल्ली, एजेंसी

मणिपुर में सुरक्षा एजेंसियों ने म्यांमार से हथियारों की तस्करी से जुड़ी एक बड़ी साजिश का भंडाफोड़ किया है, जिसका असर पूरे देश में हो सकता है। जांच एक ऐसे मामले पर केंद्रित है जिसमें प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पी) के कुछ सदस्यों पर म्यांमार से हथियार मंगवाकर उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में बेचने का आरोप है। इस मामले में पुलिस ने बीते जून के आखिरी हफ्ते में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें सबसे अहम नाम सिनम सोमेन्द्रो मैतेई उर्फ रिचर्ड का है, जो खुद को यूएनएलएफ-पी का लेफ्टिनेंट कर्नल और प्रोजेक्ट सेक्रेटरी बताता है। रिचर्ड की गिरफ्तारी इस संगठन की शांति प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रही है। 1995 में पहली बार यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम) के तहत गिरफ्तार।

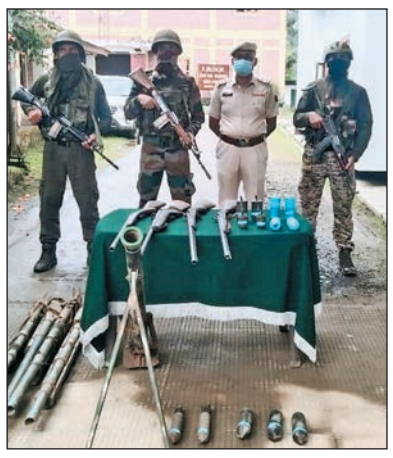

शांति समझौते की मंशा पर सवाल

यूएनएलएफ-पी ने 2023 में हथियार डालने और हिंसा छोड़ने का वादा किया था। लेकिन अब यह स्पष्ट हो रहा है कि कुछ सदस्य शांति प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यह समझौता सिर्फ कार्रवाई से बचने की चाल हो सकती है। यूएनएलएफ-पी के कुछ सदस्य 2024 में भी हिंसक घटनाओं में शामिल पाए गए हैं और सुरक्षा बलों से हथियार तक लूटे गए हैं।

शांति वार्ता के बावजूद हथियार नहीं जमा किए

यूएनएलएफ-पी ने नवंबर 2023 में सरकार से संघर्षविराम समझौता किया था। लेकिन इसके बाद से न तो संगठन ने अपने हथियार जमा किए हैं, न ही अपने सदस्यों की सूची दी है। इसके उलट कुछ सदस्य अब भी उगाही और अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जा रहे हैं। 24 जून को इंफाल क्षेत्र में हथियारों की तस्करी से जुड़े एक गिरोह की जानकारी मिली। इसके आधार पर लोंचनबा नोंगथोंबम नामक गन हाउस के मालिक को हिरासत में लिया गया। उससे मिली जानकारी से रिचर्ड की भूमिका उजागर हुई।

कैसे हो रही थी तस्करी?

हथियार म्यांमार से भारत लाए जा रहे थे, खासकर मणिपुर की ढीली सीमा का फायदा उठाकर। फिर इन्हें फर्जी दस्तावेजों और कुछ रजिस्टर्ड गन हाउसों की मदद से भारत के अलग-अलग हिस्सों में बेचा जा रहा था। एक ऐसा मामला पंजाब में भी पकड़ा गया है। जांच देश के अन्य हिस्सों में भी की जा रही है। भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 10 के तहत बिना अनुमति विदेशी हथियार लाना और बेचना एक गंभीर अपराध है। केवल अंतरराष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को खास अनुमति से विदेशी हथियार लाने की छूट होती है। रिचर्ड के घर छापेमारी में चार अमेरिकी हथियार, एक ऑस्ट्रियाई रिवॉल्वर, एक भारतीय पिस्तौल, कई गोलियां, वायरलेस सेट और महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए।

संक्षिप्त समाचार

भविष्य निधि खातों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जागरूकता शिविर आज से 11 जुलाई तक

भोपाल, निप्र। शासकीय कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए महालेखाकार लेखा एवं हकदारी द्वितीय द्वारा 07 जुलाई से 11 जुलाई 2025 तक सामान्य भविष्य निधि जागरूकता कैम्प का आयोजन यू.एन.डी.पी हॉल विंध्यांचल भवन तृतीय तल भोपाल में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 07 जुलाई से 11 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय में जीपीएफ श्रेणी के अंतर्गत आने वाले शासकीय सेवकों के जी.पी.एफ से संबंधित शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री विक्रम छिरौल्या ने बताया कि आयुक्त कोष एवं लेखा के निर्देश पर कलेक्टर जिला भोपाल के मार्गदर्शन में जिन शासकीय सेवकों के जी.पी.एफ राशि में गुमशुदा कटौत्रा है उनका त्वरित निराकरण वांछित चालान व्हाउचर्स के साथ सामान्य भविष्य निधि कैम्प में उपस्थित होने पर किया जायेगा। इसके अतिरिक्त जी.पी.एफ खातें में नाम, जन्मतिथि, जी.पी.एफ खाते में माईनस बैलेस, शासकीय सेवक का एम्प्लाई कोड जी.पी.एफ खाते से लिंक न होना, मोबाईल न. जी.पी.एफ खाते से लिंक न होना अथवा अन्य त्रुटि होने की स्थिति में उपयुक्त प्रमाणित दस्तावेज के साथ सामान्य भविष्य निधि अदालत में उपस्थित होने पर सुधार संबंधी कार्य किया जाएगा।

मप्र सरकार का वर्ष का तीसरा रोड शो आज लुधियाना में,

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे उद्योग जगत से सीधा संवाद

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से देश के बड़े शहरों में शो का आयोजन किया जा रहा है। बेंगलुरु और सूरत के सफल रोड शो के बाद अब मध्य प्रदेश के निवेश संवादों की कड़ी में तीसरा रोड शो 07 जुलाई को लुधियाना में होगा। मुख्यमंत्री पूरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे और उद्योगजगत की हस्तियों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने रविवार को बताया कि देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में शुमार लुधियाना में यह आयोजन टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग और आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश साझेदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लुधियाना में यह रोड शो मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, नीतिगत स्थिरता और निवेश-अनुकूल वातावरण को देश के अग्रणी उद्योग समूहों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रभावी मंच बनेगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री लुधियाना स्थित वर्धमान टेक्सटाइल और दीपक फास्टनर जैसे प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे। ये यात्रा उत्पादन प्रक्रियाओं, तकनीकी दक्षता और प्रबंधन प्रणाली की समझ को गहरा करने के साथ-साथ इन समूहों के साथ संभावित

निवेश के बिंदुओं पर चर्चा का अवसर भी प्रदान करेगी।मुख्यमंत्री उद्योगों की कार्य संस्कृति और नवाचार क्षमताओं को जानने के साथ मध्य प्रदेश में व्यवहारिक सहयोग के रास्ते भी तलाशेंगे। लुधियाना के प्रमुख उद्यमियों और औद्योगिक समूहों के पदाधिकारियों के साथ व्यक्तिगत बैठकों में भी भाग लेंगे। इन संवादों में उद्योग प्रतिनिधियों से संभावित निवेश प्रस्तावों, साझेदारी के क्षेत्रों और आवश्यक सरकारी सहयोग जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। इन बैठकों का उद्देश्य व्यावहारिक और परिणाममूलक संवाद के माध्यम से दीर्घकालिक औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एक विशेष सत्र में लुधियाना के उद्योगपतियों को राज्य की नवीन औद्योगिक नीति, निवेश को प्रोत्साहन देने वाली योजनाओं, पीएम मित्र पार्क, टेक्सटाइल ओडीओपी, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और लॉजिस्टिक्स-सक्षम क्लस्टर्स की जानकारी देंगे। यह इंटरएक्टिव सेशन संभावित निवेशकों के लिए मध्य प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य की गहराई से समझ का अवसर होगा।

दिन के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ट्राइडेंट ग्रुप के मुख्यालय में आयोजित हाई-टी इंटरएक्शन में भाग लेंगे। कुल मिलाकर यह रोड शो सिर्फ एक निवेश कार्यक्रम नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश की बदलती औद्योगिक सोच, सक्षम नेतृत्व और दीर्घकालिक विकास के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की प्रभावशाली प्रस्तुति है। लुधियाना जैसे औद्योगिक केंद्र से संवाद और सहयोग स्थापित कर प्रदेश व्यवहारिक समन्वय और साझे विकास की दिशा में नए कदम रख रहा है।

एक पेड़ मां के नाम! फंदा गांव में जागृत हिंदू मंच ने बोया पर्यावरण प्रेम का बीज

विनय उजाला

सीहोर, निप्र। जिन्होंने जीवन दिया, उनके नाम जीवन देना हमारा धर्म है। इसी भावनात्मक सोच को साकार करते हुए ग्राम फंदा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अभियान का नेतृत्व जागृत हिंदू मंच, सीहोर के जिला अध्यक्ष विपुल बंसल ने किया, जबकि मंच के संरक्षक डॉ. दुर्गेश केसवानी भी विशेष रूप से इस पावन कार्य में शामिल हुए। आयोजन में गांव के बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल बन गया। जिला अध्यक्ष विपुल बंसल ने इस अभियान को मातृभक्ति और प्रकृति प्रेम का संगम बताया। उन्होंने कहा, मां सिर्फ जन्म नहीं देती, संस्कार भी देती है। आज जब पर्यावरण संकट के दौर से गुजर रहा है, तब मां के नाम एक पेड़ लगाना सिर्फ सम्मान नहीं, कर्तव्य भी है। यह छोटा सा कार्य हमारी अगली पीढ़ियों के लिए ऑक्सीजन का अमूल्य उपहार होगा। हमारा लक्ष्य है कि जिले के हर गांव में यह मुहिम पहुंचे और हजारों वृक्ष लगाए जाएं।

जागृत हिंदू मंच के संरक्षक डॉ. दुर्गेश केसवानी ने अभियान को 'संस्कारों से भरी हरित क्रांति' करार दिया। उन्होंने कहा, आज की भागती दुनिया में अगर हम मां और प्रकृति—दोनों को याद करते हुए एक पौधा लगाएं, तो समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा फैलती है। यह केवल पौधा नहीं, एक संस्कार है, जो हर घर को जोड़ता है। मैं चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में यह एक जनआंदोलन बने, जिसमें हर व्यक्ति मां के चरणों में वृक्ष अर्पित करे। इस अवसर पर सर्वश्री नरेंद्र कुमार मोटवानी, विपुल बंसल, अनिल मोटवानी, धीरज केसवानी, प्रशांत कुमार, भव्य मोटवानी, सक्षम कुमार, जितेंद्र कुशवाहा, जितेंद्र कुमार मोहन अहिरवार सहित अनेक लोगों उपस्थित थे

समाज और सहभागिता

इस आयोजन में बच्चों को पेड़ के महत्व पर लघु भाषण देने का अवसर दिया गया। महिलाओं ने 'वृक्ष रक्षा सूत्र' बांधकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। युवाओं ने पौधों को गोद लेने का संकल्प लिया और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी उठाई।

भविष्य की योजना

जागृत हिंदू मंच आने वाले दिनों में जिले के अन्य गांवों में भी यह अभियान चलाएगा। इसके तहत वृक्षारोपण के साथ-साथ पर्यावरण जागरूकता शिविर और पर्यावरण शिक्षण कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएंगी।

भोपाल में युवक की संदिग्ध हालात में मौत, पिता ने तीन युवकों पर लगाया हत्या करने का आरोप

भोपाल, (हि.स.)। राजधानी भोपाल के सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र में एक युवक की शनिवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।मुंह से झांग और उल्टियां होने पर परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक के पिता ने तीन युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि बेटे ने आखिरी बार बातचीत में उन्हें तीन युवकों द्वारा पीटने, गलत काम करने और जबरन सल्फॉस की गोलियां खिलाने की बात कही थी। पुलिस ने मामले में फिलहाल मर्ग कायम किया है। रविवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के मुताबिक सलमान खान(23) पुत्र कल्लू खान निवासी ईटखेड़ी आम का कारोबार करता था। उसके पिता कल्लू के मुताबिक सलमान शनिवार शाम को सूखी सेवनिया में आम की गाड़ी को खाली करने के बाद कैरेट रखने गया था। वहां से लौटते समय राजा नाम के युवक ने अपने दो साथियों के साथ सलमान को सूखी सेवनिया पर ही रोक लिया और बिना कारण उसके साथ मारपीट कर दी। बेटा जान बचाने के लिए पास की एक दुकान में घुस गया। वहां उसके साथ मारपीट की गई। जबरन उसके मुंह में सल्फॉस की गोलियां ठूंस दीं और एक कॉलेज के पास छोड़कर भाग गए। बेटा किसी तरह अपनी बाइक से घर पहुंचा और अंदर आते ही गिर गया। उसके मुंह से झाग आ रहा था। पूछताछ करने पर उसने बताया कि राजा और उसके दो साथियों ने उसके साथ मारपीट की है। परिजनों ने बताया कि सलमान जब घर पहुंचा तो उसके पास मोबाइल फोन नहीं था। उसने आरोपियों द्वारा उसका मोबाइल फोन तोड़ने और वीडियो बनाने की बात भी कही थी। इस दौरान उसे उल्टियां होने लगी तब परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पिता का कहना है कि बेटे ने आखिरी बातचीत में यह भी बताया था कि राजा और उसके साथियों ने उसके साथ गलत किया है। मुंह दिखाने के लायक भी नहीं छोड़ा है। पिता का कहना है मेरे बेटे की हत्या की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपियों से उनकी कोई रंजिश नहीं है। बेटे ने अकारण हमले की बात कही थी। मामले की जांच कर रहे एसआई इंदल सिंह ने बताया कि मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की है। परिजनों के कथन दर्ज किए गए हैं, रविवार दोपहर पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश में प्रशासनिक अंधेरगर्दी का नया कारनामा

गृह विभाग में बिना ड्यूटी 12 साल तक मिलता रहा वेतन

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश पुलिस विभाग से घोर लापरवाही और भ्रष्टाचार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक आरक्षक को पिछले 12 सालों तक बिना एक दिन ड्यूटी किए 28 लाख रुपए से ज्यादा वेतन मिलता रहा, और किसी को भनक तक नहीं लगी!

जानकारी के अनुसार विदिशा निवासी एक आरक्षक की वर्ष 2011 में भोपाल पुलिस लाइन में नियुक्ति हुई थी। भर्ती के बाद उसे बुनियादी प्रशिक्षण के लिए सागर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र भेजा गया था, लेकिन यह आरक्षक न तो प्रशिक्षण केंद्र गया और न ही कभी ड्यूटी पर लौटा। इसके बजाय वह अपने घर विदिशा जाकर बैठ गया।

लापरवाही की इंतिहा, कागजों में सब फिट

कागजों में वह लगातार पुलिस लाइन में तैनात दिखाया जाता रहा। प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारियों ने भी भोपाल को सूचित नहीं किया कि वह वहां पहुंचा ही नहीं। नतीजा यह हुआ कि भोपाल लाइन में बैठे अफसरों ने उसकी उपस्थिति की कभी जांच ही नहीं की और हर महीने वेतन खाते में जाता रहा। करीब 144 महीनों में उसके खाते में 28 लाख से अधिक रुपए जमा हो गए।

डीसीपी मुख्यालय श्रद्धा तिवारी के मुताबिक, 'मामले का खुलासा होते ही विभागीय जांच शुरू कर दी गई थी। एसीपी अंकिता खातरकर की अध्यक्षता में टीम 10 महीने से जांच कर रही है। रिपोर्ट तैयार होते ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। न सिर्फ आरक्षक बल्कि दोषियों की पूरी चैन बनाकर कार्रवाई की जाएगी। यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े करती है। इतने सालों तक सिस्टम में किसी ने रिकॉर्ड्स की जांच क्यों नहीं की?

आखिर किसकी मिलीभगत से फर्जी हाजिरी लगती रही ?

साल 2023 में 10 साल बाद खुला राज

वर्ष 2023 में जब उसी बैच के आरक्षकों के समयमान वेतनमान का प्रस्ताव आया तो पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए। तब पता चला कि साहब तो 12 साल से गायब हैं! बुलाने पर उसने मानसिक बीमारी का हवाला देकर मेडिकल दस्तावेज पेश कर दिए।

खुलासा होते ही बहाल भी, 10 माह से चल रही जांच

मामला उजागर होने पर पहले आरक्षक को सस्पेंड किया गया, लेकिन फिर उसे नेहरू नगर पुलिस लाइन में ही बहाल कर दिया गया। अब वह ड्यूटी पर तैनात भी है।

नारी शक्ति का परिवार, समाज और देश को महत्वपूर्ण योगदान

जोन स्तरीय विशाल निरंकारी महिला संत समागम संपन्न

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद से? निरंकारी मिशन के जोन भोपाल 24 ए, की मंडीदीप ब्रांच में शनिवार को कानपुर (उत्तर प्रदेश) से पधारी बहन शिखा ढींगरा जी की हुजूरी में विशाल निरंकारी महिला संत समागम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पूरे भोपाल जोन से हजारों की संख्या में श्रद्धालु बहनें, महिला संत समागम में पहुंची और इसका भरपूर आनंद प्राप्त किया। समागम के दौरान विभिन्न श्रद्धालु बहनों ने गीत, संगीत, कविता, विचार आदि के माध्यम से सतगुरु माता जी का मानवता और प्यार मिल वर्तन का संदेश दिया। इस दौरान मंच संचालन भी बहन द्वारा ही किया गया ।समागम में बहन शिखा जी ने कहा कि जहां समाज और देश को नारी शक्ति ने एक मां के रूप में, एक बहन के रूप में, एक पत्नी के रूप में, एक बेटी के रूप में परिवारों को संभाला है और समाज के अनेकों अनेक क्षेत्रों में नारी शक्ति ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं राष्ट्र और देश की विभिन्न रूपों में भी विभिन्न नारियों ने सेवा की है ठीक इसी प्रकार निरंकारी मिशन भी मातृशक्ति को हमेशा आगे करता आया है, निरंकारी मिशन में जगत माता बुद्धवंती जी, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर जी, माता सविंदर जी और वर्तमान में माता सुदीक्षा जी भी निरंकारी मिशन की शिक्षाओं को और पूरी मानवता को एकसूत्र में बांधते हुए समाज और देश की सेवा कर रही हैं।

प्रचारक बहन ने कहा कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज अक्सर अपने प्रवचनों में कहते हैं कि भक्त कुछ क्षणों का भक्त नहीं बल्कि हर समय का भक्त होता है। संसार की दृष्टि से जो जीवन जीया जा सकता है, वह तभी धन्य है, जब मनुष्य जहाँ भी जाए, संसार उसे उसके अच्छे कर्मों के कारण पहचाने।

समागम में बहन ने पवित्र अवतार वाणी के शब्द पर विचार व्यक्त करते हुए फरमाया की सभी एक ही ईश्वर की संतान है। चाहे कोई किसी भी धर्म, जाति का हो सभी से प्रेम करना चाहिए। ईश्वर की कोई जाति नही और आत्मा की भी कोई जाति नही होती है।

सागर संभाग में शिक्षा में सुधार के लिए मनीष वर्मा हमेशा याद रहेंगे

सयुक्त संचालक मनीष वर्मा के बिदाई समारोह में कर्मचारी और उपस्थित साथी हुवे भावुक

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। हर आयोजन में एक प्रयोजन छुपा होता है। सार्वजनिक उत्सव और आयोजन हमेशा कुछ सीखने सिखाने के अवसर प्रदान करते हैं।

कल सागर की अशोक बिहार कालोनी में जिला संस्थान अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के हाल में सागर संभाग से नर्मदा पुरम स्थानांतरित हुए डॉ मनीष वर्मा की विदाई के सम्मान समारोह में सहभागिता निभाने का आमंत्रण मुझे प्राप्त हुआ तो हम जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दमोह में पदस्थ स्टेनो प्रकाश रैकवार एवं बसंत शर्मा के साथ समारोह में सहभागी हुए। सभी सहभागियों ने अपने उद्बोधन में डॉ मनीष वर्मा की कार्यप्रणाली में शिक्षा सुधार के लिए समर्पित स्वभाव की चर्चा की कार्यक्रम का संचालन कर रहे सहायक संचालक डॉ आशुतोष गोस्वामी ने डॉ मनीष वर्मा के उद्बोधन के पहले उनकी धर्मपत्नी को उद्बोधन के लिए आमंत्रित किया तो उन्होंने बड़े सहज अंदाज से डॉ मनीष वर्मा की संगिनी होने पर गर्व प्रकट किया। कार्यक्रम में अंतिम उद्बोधन डॉ मनीष वर्मा ने दिया साथ ही यह स्वीकार किया कि उनका चयन आर्मी आफीसर के रूप

में जब हुआ तो माता पिता एवं परिवार के कारण नहीं जा पाये।

मप्र लोकसेवा आयोग की प्रवेश एवं मुख्य परीक्षा में डिप्टी कलेक्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु मौखिक परीक्षा में जब उनसे पूछा गया कि डिप्टी कलेक्टर क्यों बनना चाहते हो? उसका सही उत्तर नहीं दे पाए तब उन्होंने शिक्षा विभाग को चुना तथा शिक्षक से लेकर प्राचार्य जिला शिक्षा अधिकारी तथा संयुक्त संचालक के रूप में अपनी सेवाएं दी। कल हम सब ने जाना कि आदमी पद से नहीं पद से आदमी बड़ा होता है।

उन्होंने मिशन सिन्दूर की चर्चा करते हुए भारतीय सेना की टाइमिंग तथा शौर्य की प्रशंसा की।

उन्होंने बताया कि समय का हर क्षण कितना कीमती होता है इस कार्यक्रम में सहभागिता निभाने वाले समाजसेवी राणा साहब ने उनके व्यक्तित्व और कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। कल के सफल आयोजन के लिए संभाग कार्यालय के स्टाफ का आभार और धन्यवाद...हम आशा करते हैं कि डॉ मनीष वर्मा बहुत जल्दी शिक्षा विभाग में प्रदेश का नेतृत्व करेंगे।

सम्माननीय संयुक्त संचालक डॉक्टर मनीष वर्मा सर

सादर प्रणाम,

लोक शिक्षण सागर संभाग सागर के संयुक्त संचालक के रूप में कार्य करने के दौरान आपके मार्गदर्शन में मिलकर कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ,आपके कार्य करने के तरीके, शिक्षा सुधारों के प्रति गहरी आस्था, अनुशासन व ईमानदारी से बेहद प्रभावित हुआ हूं आपका कार्यकाल सागर संभाग के पूर्व के संयुक्त संचालक एवं आने वाले भविष्य के संयुक्त संचालकों में अपनी विशिष्ट पहचान हमेशा बनाए रखेगा। आपकी प्रेरणा से हर समय सक्रिय रहकर मैंने आपका साथ देने का प्रयास किया है इसके बावजूद भी कहीं कोई गलती या चूक हो गई हो तो माफ करने की कृपा करें मैं निरंतर आपके पद चिन्हों पर चलकर आपके विचारों, आपकी भावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगा। एक नए संभाग नए स्थान पर नई चुनौतियों का उसी जोश उत्साह व निडरता के साथ सामना करने के लिए बहुत-बहुत बधाई शुभकामनाएं आने वाला समय आपका हो आपके व्यक्तित्व से नर्मदा पुरम संभाग के लोग भी प्रभावित हो। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप स्वस्थ व प्रसन्न रहकर नर्मदा पुरम में भी इसी तरह अपने ज्ञान का प्रकाश पुंज बिखरते रहे।

मोहन राय सहायक परियोजना समन्वयक सेकेंडरी एजुकेशन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दमोह

संक्षिप्त समाचार

देवशयनी एकादशी के पावन पर्व पर वृक्षारोपण का लिया संकल्प

उज्जैन,निप्र। श्री वल्लभ वैष्णव मंडल युवा मंडल महिला मंडल एवं श्री लक्ष्मी नृसिंह समिति के तत्वाधान में आज देवशयनी एकादशी के पावन पर्व पर वृक्षारोपण का संकल्प लिया गया एवं पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली गई। लक्ष्मी नर्सिंग सेवा समिति के प्रमुख राकेश कोठारी ने इस अवसर पर बताया कि समिति द्वारा हर अमावस्या पर भंडारा सयोजक रितेश पोरवाल के नेतृत्व में किया जाता है तथा गोशाला का संचालन राजेश माहेश्वरी के मार्गदर्शन में किया जाता है। ग्रीष्म कालीन तेराकी शिविर में प्रतिदिन बच्चों को तेराकी का प्रशिक्षण सुधीर शाह, गोलू खंडेलवाल, कुंदन दिसावल, राकेश जैन द्वारा दिया जाता है। राकेश कोठारी ने सभी साथियों से निवेदन किया है कि जिस पौधे को हम लोग लगा रहे है, उसकी देखभाल भी नियमित करें। कार्यक्रम का संचालन वल्लभ वैष्णव मंडल के विट्ठल नागर एवं श्री लक्ष्मी नृसिंह समिति के राकेश कोठारी द्वारा किया गया एवं आभार सचिव अमर दिसावल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शोभा श्याम माहेश्वरी जो पेड़ वाले बाबा के नाम से जाने जाते हैं वे भी उपस्थित थे एवं साथ ही समिति सदस्य पिंटू नागर, अशोक पोरवाल, अभिषेक व्यास आदि उपस्थित थे।

पोरवाल युवा संगठन में अब मिलेगा युवाओं को मौका

नागदा,निप्र। पोरवाल युवा संगठन में अब सक्रिय नई युवा पीढ़ी को आगे लाकर समाज के संगठन को मजबूत बनाया जायेगा। यह बात एम जी रोड स्थित श्री बद्री विशाल मंदिर में अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन की राष्ट्रीय एवम प्रदेश इकाई की बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मंच से कही। बैठक में समाज हित के कई आवश्यक मुद्दो पर भी चर्चा कर निर्णय लिया। जिला एवम स्थानीय स्तर पर संगठन में नए युवाओं को मौका देगे साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने में युवा टीम का सहयोग लेगे। मंचासिंन युवा संगठन के संस्थापक राजेन्द्र संघवी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद डबकरा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक मजावदिया, वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र उदिया, महासभा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चक, राष्ट्रिय महामंत्री जगदीश काला, प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र काला, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पवन शाह, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष व सभी राष्ट्रीय व प्रदेश इकाई के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन दिनेश सेठिया ने किया। अतिथियों का स्वागत राजेश मिनावदा, आशीष मण्डावल, धर्मेन्द्र पोरवाल, अर्पित पोरवाल, संदीप मेहता, हेमन्त पोरवाल सहित युवा संगठन के सभी साथीगण ने किया। आभार टी टी पोरवाल ने माना।

शिकायत अकेले में, तारीफ़ सबके सामने

नागदा जं. (निप्र)। बीजेएस नागदा द्वारा ''इम्पावर्मेन्ट ऑफ कपल प्रोग्राम'' का सफल आयोजन एक निजी होटल में किया गया। जिसमें शहर के दंपत्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूना से पधारे इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रफुल्ल पारख ने बताया कि वैवाहिक जीवन एक दूसरे का साथ देने को होता है न कि लड़ाई झगड़ा के लिये। यदि पति पत्नी मे एक दूसरे के बीच यदि कुछ बात हो भी जाय तो उसे भूल कर आगे बढ़ना सीखिए। इस रिश्ते मे जीवन साथी का हमेशा एक दूजे का साथ देना चाहिये कभी हँसी मज़ाक, तो कभी शरारत के साथ इस रिश्तो को चलायमान करते रहिये। फिर देखिये यह रिश्ते कितने सुखमय ओर आनंदमय् चलेगा और यदि हम रिश्तो मे गांठ बांद लेते है तो जीवन के विकास मे गांठ बंद जाति है। कभी रिश्तो को टूटने नही दे। कैसे भी हो रिश्तो को सुलजाय, समजाए, रिश्तो को हमेसा शांति से मौज मस्ती मे आनंद के साथ एक दूसरे का कंधे से कंधा मिला कर एक दूसरे का साथ दे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा शादी एक संस्था है, जो निश्चित नियमों पर आधारित होती है। दांपत्य जीवन में संवाद की गुणवत्ता ही जीवन की गुणवत्ता तय करती है। उन्होंने यह भी बताया कि बेहतर वैवाहिक जीवन के लिए तीन सूत्र बेहद ज़रूरी हैं। रुकें, सोचें और फिर बोलें। साथ ही, उन्होंने एक प्रेरणादायक बात कही शिकायत हमेशा अकेले में करें, लेकिन तारीफ़ सबके सामने करें। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बीजेएस मध्यप्रदेश अध्यक्ष साशा जैन, पंकज मारू, श्रीमती अर्चना कर्णावट, डॉ अंजुली कांठेड़, श्रीमती बिंदु कांठेड़ एवं एस एम सिसोदिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संयोजन अंकुर जैन, अभिषेक जैन और रिनल अनुज कांठेड़ ने किया। पधारे हुवे सभी अथितियों का आभार विभोर चोपडा ने मना। सम्पूर्ण जानकारी की जानकारी बीजेएस नागदा अध्यक्ष अनमोल जैन ने दी।

मुखर्जी की जयंती पर किया पुण्य स्मरण और वृक्षारोपण

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी महामानव थे : डॉ. महेंद्र सिंह

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी महामानव थे उन्होंने अपने पूरे जीवन काल में देश के लिए जो किया उसे हम आज सदियों तक याद कर रहे हैं। 124 साल बाद भी यदि किसी मनुष्य को उसकी अच्छाई करने के लिए याद किया जाता है तो यह उसके जीवन के सदगुण है। श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने पूरे जीवन में देश के लिए ही काम किया है।

यह बात भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा संगठन के प्रदेश के प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहीं। आपने बताया 16 वीं शताब्दी से लेकर आजादी तक और आजादी के बाद भी भारत में संघर्ष कभी खत्म ही नहीं हुआ। 18 वी सदी में स्वामी विवेकानंद हुए, उन्होंने युवा पीढ़ी को जागृति का संदेश दिया। इतना ही नहीं उन्होंने जब विदेश में अपना उद्बोधन दिया तो पूरे विदेश के लोग उनके पीछे चल दिए थे। उन्होंने कहा था कि 21वी सदी भारत के युवाओं की होगी। इसके बाद 6 जुलाई 1901 में पश्चिम बंगाल में एक बच्चे ने जन्म लिया बच्चा शुरू से ही प्रतिभावान था 30 वर्ष की उम्र में यह युवा होकर कोलकाता यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर बना और दो बार वाइस चांसलर बनने के बाद हिंदू महासभा के लिए चुनाव लड़कर आजादी के समय सांसद के रूप में भारत की संसद में गैर कांग्रेसी के रूप में सदस्य बन कर पहुंचा। वह कोई और नहीं श्यामाप्रसाद मुखर्जी थे। उन्होंने परिस्थितियों से समझौता नहीं किया। उस समय कांग्रेस के नेताओं ने लियाकत समझौता किया तो उन्होंने तत्काल सरकार से इस्तीफा दे दिया और वह गुरु गोलवलकर जी से मिले और उन्होंने कहा मैं ऐसा राजनीतिक दल बनाना चाहता हूं जो राष्ट्र के लिए राष्ट्र के हित में काम करें फिर जनसंघ की स्थापना हुई। डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने नए राजनीतिक दल के सफर की शुरुआत की। लेकिन कांग्रेस के नेता लगातार नए-नए षड्यंत्र कर रहे थे और कश्मीर में दो निशान दो विधान दो प्रधान चल रहे थे। इसका पंडित मुखर्जी ने विरोध किया और इस दौरान वे बिना परमिट पठानकोट से जम्मू कश्मीर पहुंचे। यहां पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और नजर बंद करके एक जगह रखा गया। जहां जिस इंजेक्शन की उन्हें जरूरत नहीं थी वह इंजेक्शन उन्हें जबरदस्ती लगाया गया। जिससे अर्धरात्रि में उनका निधन हो गया। हमारी भारतीय जनता पार्टी के दोनों दिग्गज पितृ पुरुषों पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ मुखर्जी को षड्यंत्र पूर्वक हत्या कर दी गई। लेकिन उनके विचार और प्रेरणा लेकर हम कार्य कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ने धारा 370, व 35ए हटाकर डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार किया है। कार्यक्रम को संसदीय बोर्ड सदस्य सत्यनारायण जटिया, सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद उमेशनाथ, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम सभापति कलावती यादव, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने भी संबोधित कर डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महापौर मुकेश टटवाल, जगदीश अग्रवाल, वीरेंद्र कावड़िया, इकबालसिंह गांधी, विवेक जोशी, सोनू गहलोत, सत्यनारायण खोईवाल, मुकेश यादव, आनन्दसिंह खींची, उमेश सेंगर, दिनेश जाटवा, राकेश पंड्या, अनिल शिंदे, प्रमिला यादव सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश पांचाल ने किया।

भाजपा नगर द्वारा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्रसिंह ने वार्ड 42 में अल्कापुरी कॉलोनी स्थित बगीचे में डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद वृक्षारोपण किया गया।

डॉ. मुखर्जी की शिक्षा व योगदान को किया याद

विनय उजाला

नागदा,निप्र। भाजपा नगर मंडल एवं बिरलाग्राम मंडल के सामूहिक तत्वावधान में 6 जुलाई को महिदपुर रोड नागदा में स्थित स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में एक पेड़ मां के नाम आयोजन कर 101 से अधिक पौधे लगाए। डॉ. श्यामा प्रसाद जी मुखर्जी की जयंती पर उनके प्रति सम्मान व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर मंडल अध्यक्ष विजय पटेल एवं बिरलाग्राम मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन की अगवानी में जन संघ के संस्थापक शिक्षाविद डॉक्टर श्यामा प्रसाद जी मुखर्जी, मा सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विधायक डॉक्टर तेज बहादुर सिंह चौहान, उज्जैन ग्रामीण

मंडल जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओपी गेहलोत, जिला महामंत्री धर्मेश जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गोपाल यादव, सांसद प्रति निधि ओ.पी. गेहलोत, सुबोध स्वामी, बबीता रघुवंशी मंचासीन रहे। विधायक डॉक्टर चौहान एवं ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने आगंतुक पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं नगर के प्रबुद्धगण को संबोधित कर बताया कि भाजपा द्वारा पूरे देश में हरियाली के संदेश को व्यापक बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम को हरियाली के लिए प्रेरणास्पद बताया और धरती को हरा-भरा रखने का संदेश दिया। महान शिक्षाविद, चिन्तक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी और आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। बताया कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 का विरोध किया और इसके खिलाफ संघर्ष किया। उनका नार एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंग आज भी प्रसिद्ध है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, सदस्य, कार्यकर्ता, नगरवासी, नगर महिला मंडल पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। वृहद स्तर पर कॉलेज परिसर में पौधा रोपण कर 101 से अधिक पौधे लगाए, सभी ने अपने पौधे के साथ में फोटो लिया तथा जन जागृति के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

डॉ. मुखर्जी की जन्मजयंती पर किया पौधारोपण

विनय उजाला

तराना,निप्र। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल तराना द्वारा भाजपा के पितृ पुरुष, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामाप्रसाद जी मुखर्जी की 125 वी जन्मजयंती श्रद्धा गौरव व प्रेरणा के भावों के साथ स्थानिय श्री तिलभांडेश्वर मंदिर प्रांगण की वाटिका में पौधरोपण कर के मनाई। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता ललित सोमानी ने कार्यकर्ताओं को बताते हुवे कहाकि श्री मुखर्जी ने स्वतंत्रता के पश्चात देश को राष्ट्रवादी नीतियों लोकतंत्र की रक्षा के लिए भारतीय जनसंघ की स्थापना की।वे एक महान शिक्षाविद ओर स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने जम्मू कश्मीर को अलग दर्जा देने के विरोध में नेहरू सरकार के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। आज उनके इस सपने को प्रधामनंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने धारा 370 को खत्म कर जम्मू कश्मीर को मुख्यधारा में लाने का काम किया। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि विजय जायसवाल, पूर्व पार्षद नरेंद्र बिलड़ा, अजय वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सर्वप्रथम डॉ मुखर्जी के चित्र पर मंदिर महंत जी ने माल्यार्पण किया गया एवं मंदिर की वन वाटिका में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर मंदिर पुजारी अखिलेश चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष आकाश बोड़ाना, सुभाष जोशी, पार्षद महेश जोशी, दिनेश कुमावत, विनोद कारपेंटर, दीपक सोमानी, मनोहर बैरागी, अर्पित बेकारिया, लोकेश ठाकुर, डॉ आर खान, सत्यनारायण पाटीदार, पीयूष कलोसिया, कृष्ण परमार, करण पाटीदार, गणेश परिहार, अनिरुद्ध नागर, सत्यनारायण वर्मा सहित भाजपा कार्यकर्तागण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री नरेंद्र सोलंकी ने किया अंत मे आभार मंडल अध्यक्ष आकाश बोड़ाना ने माना। जानकारी भाजपा मीडिया प्रभारी सचिन बोड़ाना ने दी।

आज 3 हजार शिक्षक और कर्मचारी निकालेंगे मौन रैली

ई अटेंडेंस व्यवस्था को स्थगित करने हेतु देंगे मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। रविवार को ई अटेंडेंस संघर्ष मोर्चा द्वारा प्रेस क्लब पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था (ई-अटेंडेंस) के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया गया। मोर्चा ने स्पष्ट किया कि यह प्रणाली कर्मचारी/शिक्षकों की गरिमा, व्यावसायिक स्वतंत्रता और कार्य की प्रकृति के खिलाफ है।

मोर्चा के पदाधिकारी जिला संयोजक मनोहर गिरी, एवं अध्यक्षीय मंडल के ओपी यादव, डॉ. कैलाश बारोह, शेख मोहम्मद हनीफ, प्रेमप्रकाश पंड्या ने बताया कि अधिकारियों द्वारा शिक्षकों पर अनावश्यक निगरानी थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जो शिक्षा व्यवस्था के मूलभूत ढांचे को प्रभावित करता है।

शिक्षकों की भूमिका केवल उपस्थिति दर्ज करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारा का मानना है कि ई-अटेंडेंस प्रणाली शिक्षकों के शैक्षणिक कार्यों से ध्यान भटकाने वाली है।

कई ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी नेटवर्क और तकनीकी समस्याएं हैं, जिससे सही ढंग से उपस्थिति दर्ज कर पाना संभव नहीं है। शिक्षकों पर निगरानी का यह तरीका अमानवीय हैं यह व्यवस्था उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाती है। ई अटेंडेंस संघर्ष मोर्चा ने मांग की है कि इस प्रणाली को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की मांग मुख्यमंत्री से की जा रही हैं।

इसी मांग को लेकर आज 7 जुलाई 2025 को शाम 4 बजे से कालिदास अकादमी कोठी रोड़ से जिले भर के 3 हजार शिक्षक कर्मचारी मौन रैली व हाथ में तख्तियां लेकर 5 बजे कोठी पैलेस पहुंचकर सीएम के नाम जिलाधीश महोदय को ज्ञापन दिया जायेगा। मोर्चा ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे प्रदेश स्तरीय चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

श्री श्वे. मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ में चातुर्मासिक प्रवेश आज

नागदा,निप्र। त्रिस्तुत्रिक सम्प्रदाय के पुण्यसम्राट आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयंतसेनसूरीश्वरजी मसा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीम ?द्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजीमसा एवं श्रीम ?द्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी मसा के शिष्य प्रशिष्य मुनिश्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी मसा एवं मुनिश्री पवित्ररत्नविजयजी मसा आदि मुनि मंडल का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश सोमवार सुबह 9 बजे जन्मेजय मार्ग स्थित लाभार्थी परिवार के निवास से होगा। मंगल प्रवेश के दौरान स्थानीय महिला एवं बहू मंडल कलश लेकर, बालिका मंडल डांडिया रास कर, नवयुवकों की टोली जयकारों का गुन्जाए कर व स्थानीय श्रावक श्राविकाएँ चावल की गवली कर मुनिमंडल की अगवानी करेगे। प्रवेश का चल समारोह मार्ग को तोरण द्वार, रंगोली सजाया जाएगा। प्रवेश का चल समारोह जन्मेजय मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग, स्टेशन चौराह, जवाहर मार्ग, महावीर मार्ग, रामसहाय मार्ग, सुभाष मार्ग, थाना चौराह होते हुए महात्मा गांधी मार्ग स्थित बद्रीविशाल धर्मशाला में धर्मसभा के रूप में परिवर्तित होगा।

मवेशियों को गोशाला से छुड़वाने पर पांच हजार रुपए देने होंगे

विनय उजाला

नागदा जंक्शन,निप्र। अनुभाग की शासकीय और अशासकीय गौशालाओं की बैठक रविवार को एसडीएम ब्रजेश सक्सेना ने आहुत की। एसडीएम के अनुसार बारिश को दृष्टिगत रखते हुए शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में पालतु एवं आवारा मवेशियों को नियंत्रित करने के लिए अब सतत रुप से कार्यवाही की जाएगी। नागदा अनुभाग की शासकीय एवं अशासकीय गोशाला में वर्तमान क्षमता से 15 प्रतिशत अधिक गाय को रखा जाएगा। इसके लिए बैठक में गोशाला संचालकों को निर्देशित किया है। जिसके तहत शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में घुमने वाले आवारा एवं पालतु पशुओं के लिए तीन दिन तक समझाईश दी जाएगी। इसके बाद भी व्यवस्था में सहयोग नहीं करने वाले पशु पालकों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। जिसके प्रथम फेज में पालतु पशुओं को नगरपालिका के वाहनों से गोशाला में पहुचाया जाएगा। इसके लिए पशु पालकों को एक हजार रुपए गाय को परिवाहन करने, पांच हजार रुपए गोशाला से गाय छुड़ाने के लिए जुर्माना देना होगा। सांड की गिनती लगाने के लिए बिरलाग्राम ओव्हरब्रिज के समीप टंकी वाले क्षेत्र में बंद किया जाएगा।

मोहर्रम जुलूस में प्रतिबंधित मार्ग पर पहुंची भीड़

बैरिकेड्स गिरने से 2 पुलिसकर्मी हुए घायल

विनय उजाला

उज्जैन। शनिवार-रविवार की रात निकले मोहर्रम के जुलूस में शामिल लोग प्रतिबंधित मार्ग की तरफ जाने लगे। इस दौरान भीड़ ने पुलिस द्वारा की गई बेरिकेडिंग भी तोड़ दी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को बल का प्रयोग भी करना पड़ा। बताया जा रहा है की जुलूस में शामिल लोग प्रतिबंधित मार्ग पर जाने से रोकने के दौरान दो पुलिस कर्मियों को चोट भी आई है।

बताया जा रहा है की एसपी प्रदीप शर्मा ने जुलूस के लिए पिछले 10 दिन से आयोजकों के साथ कंट्रोल रूम और थाना स्तर पर बैठक आयोजित कर निर्धारित मार्ग पर ही जाने की बात की गई थी।

इसके लिए आयोजकों ने बैठक के मिनिट्स पर हस्ताक्षर भी किए थे। लेकिन कुछ लोगों ने प्रतिबंधित मार्ग पर जाने का प्रयास किया। इस दौरान भीड़ ने पुलिस द्वारा व्यवस्था के लिए लगाए गए बैरिकेड्स भी तोड़ दिए। जिससे दो पुलिसकर्मियों को बैरिकेड्स गिरने से चोट आई है। भीड़ को वहां से हटाने के लिए पुलिस को हल्का बल का प्रयोग करना पड़ा। मामले में पुलिस ने आयोजक इरफान खान के खिलाफ जीवाजीगंज थाने पर एफआईआर दर्ज की है। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया जाएगा। पुलिस ने आयोजक के खिलाफ गलत दिशा में जाना, लोक सेवक के आदेश का पालन नहीं करने, लोक सेवक का काम रोकने सहित चार धाराएं 191,192, 132 और 128 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। बतादें की जुलूस की सुरक्षा के लिए 650 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। इसके साथ ही पुलिस ने ड्रोन कैमरों से भी पुरे मार्ग की निगरानी की है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, सागर संभाग-उज्जैन
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03)
भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्रं.-03/एन.एच.एम./उ.सं./2025-26/428 — भोपाल, दिनांक : 02/07/2025

:: निविदा सूचना ::

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-इन्दौर की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से www.mptenders.govin (Department of Directorate of Health Services 02 एवं 3 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एसओआर 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

:: ई-निविदा अल्प आमंत्रण सूचना क्रमांक-03/2025-26 (प्रथम एवं द्वितीय आमंत्रण) ::

सरल क्रमांक	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	संस्था की संख्या	अनुमानित लागत राशि रू. लाख में
1	2025_DHS_434682	आगर मालवा, एवं उज्जैन	सुसनेर, रतलाम एवं महिदपुर	3	127.11
2	2025_DHS_434685	भोपाल	भोपाल	1	22.91
3	2025_DHS_434686	भोपाल	भोपाल	1	15.29
4	2025_DHS_434687	भोपाल	भोपाल	1	6.75

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट (https://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दिनांक 07.07.2025 प्रात: 10.30 से दिनांक 21.07.2025 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट (https://www.mptenders.gov.in) पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5. उपरोक्त निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

जी-15227/25

''बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल''

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग-इन्दौर

सम्पादकीय

शाब्दिक जोड़ घटाव पर विवाद

लोकतंत्र में संविधान किसी देश की आत्मा का दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज एक-एक शब्द सरकार के लिए अपनी जनता के साथ व्यवहार के तौर-तरीके तय करने वाला होता है।भारत में संविधान को अत्यंत पवित्र माना जाता है, और इसकी प्रस्तावना तक में कोई शाब्दिक जोड़ घटाव पर भी विवाद हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मानें तो संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया।उपराष्ट्रपति ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में इस कार्य को संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात और नासूर की संज्ञा दी। ज्ञात हो कि 1976 में कांग्रेस सरकार ने प्रस्तावना में 42वें संविधान (संशोधन) के जरिए समाजवादी', धर्मनिरपेक्ष' और अखंडता' शब्द जोड़े थे।उपराष्ट्रपति के अनुसार जोड़े गए शब्द उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं। यह सनातन की भावना का अपमान है। उपराष्ट्रपति के अनुसार, भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया।भारत में यह काम तब किया गया जब विपक्ष के प्रमुख नेता जेल में थे और इसका कोई औचित्य नहीं था। सबसे अहम बात जो उन्होंने की वह यह कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। धनखड़ की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेता दत्तात्रेय होसबोले ने इसी हफ्ते संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवादी' और धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा का आह्वान किया है।आरएसएस का कहना है कि ये शब्द कभी भी अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। होसबोले के बयान से राजनीतिक विवाद की स्थिति पैदा हो गई है। संघ का तर्क है कि होसबोले का मंतव्य संविधान की मूल भावना' को बहाल करने के बारे में है।यहां सवाल उठता है कि 42वें संविधान संशोधन के लगभग 59 साल बाद इस बारे में विवाद का क्या मतलब है? संविधान की प्रस्तावना इसकी मूल भावना को कतई कमजोर नहीं कर सकती। देखा जाए तो सरकार जनता की भलाई के रास्ते पर ही तो चलती है।कोई राजनीतिक विचारधारा इन शब्दों से सहमत हो या न हो लेकिन काम तो इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर ही करती है। वर्तमान भाजपा गठबंधन सरकार की नीति भी तो सबकी भलाई और उन्नति ही है। यह वक्त विवाद खड़ा करने नहीं अपितु संविधान पर ईमानदारी से अमल करने का है। जिन शब्दों के जोडने से आज तक कुछ नहीं बिगड़ा, वो हटाए जाने की सूरत में काफी कुछ बिगाड़ सकते हैं।

दैनिक विनय उजाला सुविचार

चीटियां तादाद में कितनी भी हो,
गन्ना घसीट कर नहीं ले जा सकती।
- राजेश उदावत, इंदौर

जो लोग आपकी सही बात का भी
गलत मतलब निकालते हैं उनको
सफाई देने में अपना वक्त बर्बाद मत कीजिए।
- के.पी. जाट, भोपाल

अनुभव का निर्माण नहीं हो सकता...
इसे समय देकर ही पाया जा सकता है...
- पूर्णिमा पंडित, इंदौर

समय का कैसा मोड़ है, दिन रात की
ऐसी दौड़ है, खुश रहने का वक्त नहीं,
बस खुश दिखने की होड़ है।
- ताहिर अली, भोपाल

यकीन तो सबको झूठ पर ही होता हैं...
सच बोलने वाले को तो हर
बात साबित करनी पड़ती हैं...
- रश्मि तिवारी, इंदौर

चुगली की धार इतनी तेज होती है कि
खून के रिस्तो को भी काट कर रख देती है।
- सोमनाथ तिवारी, माण्डव

क्या खो गया हमारा

हमारी नकारात्मक सोच और लालच ही हमें...
एहसास दिलाते हैं जैसे हमने सब खोया ही है !!

ईश प्रति कृतज्ञ भाव होना चाहिए हम सभी का...
खोया नहीं है हमने कुछ भी केवल यहाँ पाया ही है !!

वैसे कुछ न खोने की एक विधि है कुछ भी न पाना...
मिलने पर इंसान को खोने के भय का साया ही है !!

सब ऐश्वर्य, धन, सम्पन्नता, आनन्द प्राप्त किये हमने...
जबकि अब तक कौन सा ऐसा कल्पतरू बोया ही है !!

दुनिया में लेते ही गए उऋण होने का सोचा तक नहीं...
पाप के भागी बन रहे और लगा कलंक धोया ही नहीं !!

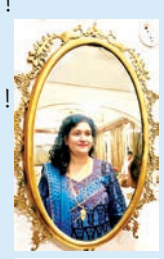

हँसता रह सफ़र ए ज़ीस्त में अकेला चलता चला जा...
मत सोच कि यहाँ आने के बाद तू कभी रोया ही नहीं !!

मेरे हाथ मेरे पीछे अनन्त तक चाहे जितने ले जाऊँ...
पर देखती हूँ तेरा दिया अभी भी मैंने ढोया ही नहीं !!

मुझ पर असीम अनुकम्पा तेरी कि मुझ कुपात्र को...
दिया इतना सागर भर किंतु मैंने पात्र डुबोया ही नहीं !!

दैनिक विनय उजाला
- डॉ नीलू शुक्ला समीर, भोपाल, मध्यप्रदेश

जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के हर शहर में अभाव है। भारत का आज कोई भी एक ऐसा शहर नहीं है, जो पूरा का पूरा साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से बजबजा रहे हैं।

शहरों की बढ़ती जनसंख्या ने जीवन को खौफनाक बना दिया है

शैलेंद्र सिंह

भारत में तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने जिंदगी के लिए आर्थिक अवसर तो पैदा किए हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि जीवन की क्वालिटी बिल्कुल गिर गई है। अगर और साफ शब्दों में कहें तो बढ़ते शहरीकरण ने शहरी जीवन को नरक बना दिया है। ये पूरी दुनिया की समस्या नहीं है। ये भारत और भारत के जैसे दूसरे विकासशील देशों की ही है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप में बांग्लादेश और पाकिस्तान भी शामिल है। आजादी के बाद देश में तेजी से शहरीकरण बढ़ा है और इस दौरान शहर देश के आर्थिक अवसरों का केंद्र बनकर भी उभरे हैं। लेकिन भारत में शहरों के तरफ गांवों से बहुत तेज पलायन हुआ है, जिसने शहरों में जीवन जीने की स्थितियों को बहुत गहरे तक प्रभावित किया है। नागरिक सुविधाओं का देश के हर शहर में अभाव है। भारत का आज कोई भी एक ऐसा शहर नहीं है, जो पूरा का पूरा साफ-सुथरा, खुला-खुला और नागरिक सुविधाओं से भरपूर हो। हर शहर में कुछ इलाके तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन सभी शहरों के ज्यादातर हिस्से सुविधाओं की नजर से समस्याओं से बजबजा रहे हैं। चाहे मुंबई हो, दिल्ली हो, बंग्लुरु हो या हैदराबाद। देश और दुनिया के ये बड़े बड़े शहर आज बड़ी बड़ी उपलब्धियों के गढ़ तो हैं, लेकिन इन बड़े शहरों में बहुसंख्यक लोग भीषण परेशानियों के बीच रह रहे हैं। आइये इस जनसंख्या दिवस पर सिलसिलेवार ढंग से समझते हैं कि शहरों में बढ़ी जनसंख्या के कारण किस किस तरह की परेशानियां पैदा हुई हैं।

अनियोजित शहरीकरण

भारत में सन 80 के दशक से इतना तेज शहरीकरण हुआ है कि देश का कोई भी शहर अपनी बढ़ने वाली जनसंख्या को ध्यान में रखकर नगर नियोजन का काम नहीं कर पा रहा। हर शहर अगले 10 सालों तक जितनी जनसंख्या का अनुमान लगाकर चलता है, जनसंख्या हमेशा उससे दो से तीन गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि भारत के सभी बड़े शहर अनियोजित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां तक कि कानपुर, लुधियाना, भोपाल, अमृतसर, कोल्हापुर और राजकोट जैसे मझौले शहर भी जनसंख्या के दबाव से इस कदर चरमरा गये हैं कि इनकी आधारभूत संरचना के मुकाबले कई गुना ज्यादा इन पर जनसंख्या का दबाव है। दिल्ली, मुंबई और बंग्लुरु जैसे महानगर लाख प्रयासों के बावजूद पिछले कई दशकों में अपने शहर की झुग्गी बस्तियां नहीं खत्म कर सके और न ही इन झुग्गी बस्तियों को साफ पानी, सीवर या बिजली की सुविधा दे सके हैं।

बढ़ते ट्रैफिक से थमे शहर

आवास और बिजली पानी की समस्या तो है ही, ये सभी शहर आज सबसे बड़ी जिस समस्या से जूझ रहे हैं, वह है-सड़कों पर वाहनों की बेतहाशा वृद्धि। बंग्लुरु और मुंबई जैसे शहर तो सचमुच आज अंधाधुंध बढ़े वाहनों के कारण थम से गये हैं। बंग्लुरु में पीक आवर्स में सड़कों में यातायात बिल्कुल रेंगता है। 10 किलोमीटर की दूरी अकसर लोग कार से डेढ़ से दो घंटे में तय कर पाते हैं। बंग्लुरु शहर तो आजकल सिलिकॉन वैली से ज्यादा अपने भारी ट्रैफिक के लिए मशहूर हो रहा है। यहां की सड़कें बिल्कुल चोक्ड हो गई हैं, उन पर क्षमता से 300 फीसदी से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। बंग्लुरु की आज सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक की है। जहां तक बात देश की वित्तीय राजधानी मुंबई की है तो यहां तो 80 के दशक से ही लोगों ने यह स्वीकार कर लिया था कि पीक आवर्स में कहीं पर समय से पहुंच पाना संभव नहीं है। यही कारण है कि मुंबई में मध्यवर्ग ही नहीं उच्चवर्ग भी एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए लोकल ट्रेन का इस्तेमाल करता है। मुंबई में पीक आवर्स में सड़क यातायात की रफ्तार 5 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटा होती है और अगर एक बार आप जाम में फंस जाएं तो कोई उपाय नहीं है कि उससे निकल सकें। इन दोनो शहरों में तो एम्बुलेंस के लिए भी सड़कों में जगह बनानी अब बहुत मुश्किल हो गई है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बाकी सभी शहर भारी वाहनों की समस्या से परेशान नहीं हैं। कमोवेश सभी शहरों का यही हाल है। यही वजह है कि आज हर एक घंटे में भारत के सिर्फ शहरों में 150 से लेकर 180 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं।

नागरिक सुविधाओं का अभाव और पर्यावरण संकट

देश में बड़े शहर तेजी से फैल रहे हैं, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, कचरा प्रबंधन, सीवर और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं हर किसी के लिए नहीं हैं। सिर्फ कुछ लोगों के लिए ही हैं। शहरों की कुछ कालोनियों में ही नियमित रूप से साफ पानी आता है, सड़कें सीधी और चौड़ी हैं, स्कूल, अस्पताल आदि की सुविधाएं हैं, कचरे और सीवर का उच्च प्रबंधन है। जबकि शहरों के बड़े हिस्से इन सुविधाओं से वंचित है। यही कारण है कि नागरिक सुविधाओं के नजरिये से देश के बड़े शहर बहुत बड़ी आबादी के लिए खौफ के वायस हैं। इन शहरों का पर्यावरणीय संकट भी विकट है, क्योंकि शहरों में कामगारों की भारी मांग के कारण बेतरतीब कालोनियों का जो जंगल खड़ा हुआ है, वे जंगल में शहर के इर्दगिर्द की हरियाली का लील गये हैं। पिछले दो दशकों में लाखों की तादाद में पेड़ काटे गये हैं। बस्तियों के बीच मौजूद तालाब, नाले आदि सब पाट दिए गए हैं। शहरों के बीच से बहने वाली नदियों को सीवर में तब्दील कर दिया गया है। यही कारण है कि देश के बड़े शहर, वायु प्रदूषण, जल भराव, हीट वेव और घटते भू-जल स्तर की समस्याओं से दो चार हैं।

घर नहीं ये दड़बों के शहर हैं

यूं तो हर शहर में कुछ चमचमाती हुई गगनचुंबी इमारते हैं। कुछ हैसियत का झंडा बुलंद करते बड़े बड़े बंगले हैं। लेकिन शहरों के 70 से 75 फीसदी हिस्से घरों नहीं, छोटे छोटे दड़बों का जंगल हैं। मध्यम और निम्न वर्ग के लिए सस्ते घरों में गरिमामय आवास की कल्पना नहीं की जा सकता। मुंबई में तो 250 से 300 फीट के एक कमरे वाले फ्लैट भी हैसियत का जरिया हैं। उनके भी विज्ञापन बड़े बड़े अखबारों के चिकने पेजों में आते हैं, क्योंकि ये छोटे छोटे दड़बे भी 50 से 60 लाख रुपये के हैं। भारत के सभी बड़े शहरों में प्राइवेट फ्लैट और कालोनियों की भरमार है, जहां रहने के लिए आवास को गरिमामय बनाने का कोई मापदंड नहीं है। यहां झुग्गियां, किराये के लिए मकान और अनाधिकृत कालोनियों की अंतहीन श्रृंखलाएं हैं। दिल्ली में 80 से 90 लाख लोग अनाधिकृत कालोनियों में और 30 से 35 लाख लोग झुग्गी बस्तियों में रहते हैं। जहां लोगों को न तो भावनात्मक सुरक्षा है और न ही मनोवैज्ञानिक निजता। देश के बड़े शहरों में बढ़ती जनसंख्या के कारण आवास एक खौफनाक अनुभव बन गया।

जीवन की गुणवत्ता में गिरावट और तनाव

देश के शहरों में आम लोगों का जीवन जिंदगी की गुणवत्ता से जंग कर रहा है। बहुसंख्यक शहरी लोगों के जीवन में मजबूत सामाजिक संबंध नहीं रहे। समय और जगह की कमी है। मानसिक बीमारियों का रेला है और खालीपन व असुरक्षा का लगातार घेरा बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण लोगों के आम जीवन में जबर्दस्त सामाजिक तनाव और असमानता व्याप्त है। शहरों में अमीर, गरीब के बीच की खाईं लगातार गहरी हो रही है। जहां एक तरफ गेटेड सोसायटीज और एयरकंडीशंड मॉल्स हैं, तो दूसरी तरफ झुग्गी-झोपड़ियों का विशाल समुद्र, कचरे में खेलते बच्चे और फुटपाथ पर चल रही गाड़ियां देखना बहुत आम है। कुल मिलाकर भारत में पिछले चार दशकों में जनसंख्या का जो तेज शहरीकरण हुआ है, उसके कारण हमारे शहरों की नागरिक सुविधाएं चरमरा गई हैं और शायद ही अब कोई विद्वान कहे, 'नगर वसंते देवानाम'।

-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

बारिश में संक्रमण से बचाव का रामबाण है कच्ची हल्दी

रेखा देशराज

कच्ची हल्दी या फ्रैश टर्मरिक रूट एक अत्यंत प्रभावी और पारंपरिक हर्बल औषधि है, विशेषकर बरसात के मौसम में जब संक्रमण, अपच और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। कच्ची हल्दी का औषधि के रूप में भारत में सदियों से इस्तेमाल किया जाता रहा है और इसे हमेशा बहुत लाभकारी पाया गया है। आइये देखते हैं कि मानसून के मौसम में कच्ची हल्दी के स्वास्थ्य संबंधी फायदे क्या हैं?

मानसून में संक्रमण से बचाव करती है : कच्ची हल्दी में मौजूद कर्क्यूमिन एक शक्तिशाली एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल तत्व होता है। यह कर्क्यूमिन मौसम बदलने के समय होने वाली जुकाम, खांसी, गले की खरास और बुखार आदि से रक्षा करता है। बरसात के मौसम में लोगों का अकसर पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। इन दिनों कच्ची हल्दी का इस्तेमाल पाचन संबंधी सक्रियता बढ़ाती है। क्योंकि यह सभी पाचन रसों को सक्रिय करती है। कच्ची हल्दी के इस्तेमाल से गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याएं नहीं होती।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है : कच्ची हल्दी एक प्राकृतिक इम्यूनिटी बूस्टर है। मानसून में जब रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, तब यह कच्ची हल्दी इसे पुन:सक्रिय करने में मददगार साबित होती है। मानसून में कच्ची हल्दी का इस्तेमाल हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। यह त्वचा के संक्रमण और फंगल रोगों से भी बचाव करती है। बारिश में त्वचा पर फोड़े, फुंसी, खुजली, एथलीट फुट जैसी समस्याएं होती हैं, कच्ची हल्दी इन समस्याओं का आसानी से निवारण कर देती है। इसके लिए कच्ची हल्दी का पेस्ट या रस इन परेशानियों में इस्तेमाल करने की जरूर होती है। कच्ची हल्दी का बारिश के दिनों में एक और जबर्दस्त फायदा है। यह गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत देती है। बारिश के दिनों में नमी के कारण जोड़ों में दर्द बढ़ जाता है। क्योंकि हल्दी में सूजनरोधी गुण होता है। इसलिए इसका इस्तेमाल जोड़ों के दर्द से राहत देता है।

कच्ची हल्दी इस्तेमाल के तरीके : मानसून के दिनों में कच्ची हल्दी को दूध में आसानी से लिया जा सकता है। इसके लिए एक से दो इंच कद्दूकस की हुई कच्ची हल्दी को एक कप गर्म दूध में डालें और रात में पीएं। इसे शहद में भी लिया जा सकता है। इसका तरीका यह होगा कि एक चम्मच कद्दूकस की हुई कच्ची हल्दी में एक चम्मच शुद्ध शहद मिलाकर सुबह खाली पेट लें। एक अन्य तरीका है कि कच्ची हल्दी वाली चाय या काढ़ा पीया जाए। इसके लिए अदरक, काली मिर्च, तुलसी और कच्ची हल्दी डालकर गर्म काढ़ा बनाकर पीने से यह फायदेमंद होती है। कच्ची हल्दी लेने का एक तरीका त्वचा पर लेप करना भी है, अगर बारिश में मौसम में फंगल संक्रमण या खुजली से पीड़ित हैं तो इसका पेस्ट बनाकर फंगल संक्रमण या खुजली वाली जगह पर लगाएं, तुरंत राहत मिलती है। बारिश के दिनों में कच्ची हल्दी को सब्जी और चटनी में इस्तेमाल किया जाए तो भी यह फायदेमंद है। इसे अदरक या धनिया के साथ चटनी में पीसकर खाया जाए तो बारिश में होने वाले तमाम तरह के संक्रमणों से बचाव होता है।

कुछ सावधानियां भी बरतें : एक बार में कभी भी तीन या चार इंच से ज्यादा कच्ची हल्दी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे गैस या जलन हो सकती है। जिन लोगों को पित्त की समस्या हो, उन लोगों को कच्ची हल्दी का इस्तेमाल करते हुए संयम बरतना चाहिए। यदि आप ब्लड थिनर या शुगर की दवाएं ले रहे हैं, तो कच्ची हल्दी का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना न करें। इस तरह कच्ची हल्दी जो कि एक बेहतरीन प्राकृतिक औषधि है और हमें मानसून के दिनों में होने वाले कई तरह के संक्रमणों से बचाती है। क्योंकि इसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की शक्ति होती है और यह पाचन भी सुधारती है। जिस कारण बरसात के मौसम में स्वस्थ और ऊर्जावान रहने के लिए कच्ची हल्दी का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है।

-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बौद्ध धर्मगुरु श्री दलाई लामा को जन्म वर्षगांठ की बधाई दी

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नोबल पुरस्कार से सम्मनित, बौद्ध धर्मगुरु श्री दलाई लामा को उनकी जन्म वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम पूज्य श्री दलाई लामा ने आध्यात्मिक चिंतन, मानवता के कल्याण और सेवा के माध्यम से विश्व शांति का जो मार्गदर्शन दिया, उसे आत्मसात करने के लिए हम संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से श्री दलाई लामा को दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव 2025 कालिंदी गोल्ड कॉलोनी, उज्जैन रोड इंदौर में

इंदौर, (विनय उजाला)। स्वामी दयानंद सेवा मंडल ट्रस्ट, श्री अवधूत दत्त मंदिर व आश्रम कालिंदी गोल्ड कॉलोनी, उज्जैन रोड़, इन्दौर के तत्वावधान में दिनांक 9 - 10 व 11 जुलाई 2025 को श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव 2025 श्रीमद् सद्गुरु श्री तेलंग स्वामी महाराज के मार्गदर्शन, आशीर्वाद व सानिध्य में कालिंदी गोल्ड दत्त मंदिर में मनाया जायेगा। उक्त उत्सव में दीप प्रज्वल व सरस्वती वंदना के पश्चात् वेदमूर्ति आचार्य श्री विनायक दुराफे गुरुजी एवं अन्य ब्रह्मवृन्दों द्वारा मंत्रजागर का कार्यक्रम एवं पुणे की प्रसिद्ध कीर्तनकार ह.भ.प. सौ. संज्योत केतकर के कीर्तनों की प्रस्तुति होगी। श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव 2025 के उपलक्ष में श्रीजी का पंचसूक्त पवमान से अभिषेक, श्री सत्यदत्त पूजा, श्री सत्यदत्त कथा तथा होमहवन (दत्तयाग) आदि होंगे। उसके पश्चात् रात्रि स्वामी दत्तानंद सेवामंडल ट्रस्ट की वार्षिक बैठक तथा प.पू. श्री तेलंग स्वामी महाराज के आध्यात्मिक सत्संग के पश्चात् रात्रि भक्तों द्वारा भजनों की प्रस्तुति होगी । उत्सव के अंतिम दिन दिनांक 11.07.2025 को भावगंधा संगीत संस्था लोकमान्य नगर, इन्दौर द्वारा राग मंजिरी भक्तिसंगीत की प्रस्तुति प्रात: 10 से 12 बजे तक होगी। अन्य धार्मिक आयोजनों के उपरान्त श्री जी की महाआरती व महाप्रसादी के साथ ही त्रिदिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का समापन होगा।

बिना भाव के भोले

पापों की मन भर गठरी ले,
कितना कुछ चल पाओगे,
जप लो नाम प्रभु भोले का,
जीवन में तर जाओगे।
पापों की मन .....
भाव बिना नहीं मिलते भोले,
भले दिखावा कर लो तुम,
प्रीत बांध ली जो भोले से,
सब-कुछ पा जाओगे तुम।
पापों की मन ....
जीवन में जो-जो पाया है,
धरा यही देने वाली,
सत्कर्मों से नाता जोड़ो,
आ जाएगी हर खुशहाली।
पापों की मन ...
आशा और निराशा ही है,
जीवन को पथ देने वाली,
संग भोले का मिल जाए तो,
खुशियों से भर जाए झोली।

पापों की मन .....
भोले भक्ति के तार छेड़ दो,
जीवन में रंग भर जाएंगे,
भोले तो इतने भोले हैं,
बिना भाव बिक जाएंगे।
पापों की मन ....
(221/276 वां मनका)
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी
(राम)
गांधीनगर, इन्दौर (म.प्र.)

दैनिक विनय उजाला

बातों-बातों में मिली जानकारी को युवा ने आईडिया में बदला, आज उसी आईडिया से 9 लाख तक होने लगी कमाई

मत्स्य विभाग ने पीएम संपदा योजना में बिजनेस विस्तार के लिए बना दिया प्रस्ताव

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। कोई एक आईडिया ही आपके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। इसकी नायाब मिसाल इंदौर सम्भाग के कसरावद तहसील में डेडगांव के रहने वाले युवा किसान अखिलेश ने पेश की है। उनका कहना है कि आज से करीब 4 वर्ष पहले गांव के तालाब पर ठहलते हुए मत्स्य निरीक्षक श्री नयन महाले ने मछली पालन की तरकीबें और योजना बताई। उसी समय अखिलेश ने उनकी बातों को आईडिया में बदला और विकसित करने का मन बना लिया। इसकी शुरुआत उन्होंने 2021 में खुद के व्यय से शुरू की। इसके लिए उन्होंने अपने खेत में तालाब बनाकर की। जब मुनाफा हुआ तो अपने आईडिया को बड़े सपने में बदल दिया। आज अखिलेश अपने तीन तालाबों से साल में 9 लाख रुपये मछली पालन से ही करने में सफल हुए है।

अखिलेश बताते है कि मत्स्य अधिकारी श्री महाले ने मछली पालन के तरीके बताए तो प्रभावित होकर काम शुरू किया। इसके बाद वे हर 15 दिनों में तकनीकी तौर पर जानकारी देने के लिए आते रहें। अखिलेश ने मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन में 1 एकड़ जमीन पर 3 तालाबों से हाई डेंसिटी तकनीक से मछली पालन का व्यवसाय खड़ा कर लिया। अखिलेश ने बताया कि उन्होंने शुरू में आंध्रप्रदेश से फंगस नामक प्रजाति की मछली के बीज लेकर आये। इसके लिए नर्सरी बनवाई। फिर जब बड़ी हुई तो बड़े पौंड में उनका पालन करते है। मछली की देखरेख के लिए विशेष प्रकार का दाना देकर पालन करते है। जब 800 ग्राम से 1 किलो की मछली हो जाती है तो बेंचने की तैयारी करते है। उनके पौंड की मछलियां इंदौर, उज्जैन, खंडवा, धार सहित स्थानीय बाजारों में भी खूब बिकती है। अखिलेश को हुए मुनाफे और उनकी इस अनोखी पहल से गांव के दो अन्य युवक प्रेरित हुए है। उन्होंने भी मछली पालन का काम स्थानीय स्तर पर प्रारम्भ किया है। मत्स्य विभाग ने अखिलेश के लगन को देखते हुए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का प्रस्ताव तैयार किया है। जिससे उन्हें अपने इस व्यवसाय को उद्योग का नया स्वरूप दिया जा सकेगा।

भगवा पार्टी की तैयारी अब लगभग अंतिम चरण में...

3 महिला और 3 पुरुष की भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की रेस में दावेदारी मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जल्द ही नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 के समाप्त होते ही कई नामों की चर्चा चल रही है। भगवा पार्टी की तैयारी अब लगभग अंतिम चरण में है।

मौजूदा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन चुनावों को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यकाल को जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। अब, भाजपा नए अध्यक्ष की नियुक्ति की तरफ आगे बढ़ रही है। दिलचस्प बात यह है कि इस बार चर्चा है कि पार्टी अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। हालांकि, अब तक दावेदारों में 6 नेताओं के नाम सामने आ चुके हैं। उनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं।

निर्मला सीतारमण : प्रशासनिक दक्षता और पार्टी नेतृत्व से करीबी

देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण न केवल भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत का मजबूत प्रतिनिधित्व करती रही हैं। वे तमिलनाडु से आती हैं, जहां भाजपा अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। उनकी प्रशासनिक दक्षता और पार्टी नेतृत्व से करीबी उनकी उम्मीदवारी को मजबूत बनाती है।

वनाथी श्रीनिवासन : तमिल महिला नेता

कोयंबटूर दक्षिण से विधायक वानाथी श्रीनिवासन भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं। 1993 से पार्टी से जुड़ी श्रीनिवासन को 2022 में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति में जगह मिली थी। ऐसा करने वाली पहली तमिल महिला नेता बनीं। वे जमीनी कार्यकर्ता और संगठन की नब्ज समझने वाली नेता मानी जाती हैं।

डी. पुरंदेश्वरी : आंध्र प्रदेश भाजपा प्रमुख रही

पूर्व केंद्रीय मंत्री और एनटी रामाराव की बेटी डी. पुरंदेश्वरी हाल ही में आंध्र प्रदेश भाजपा प्रमुख रही हैं। वे पार्टी के ऑपरेशन सिंदूर जैसे कूटनीतिक मिशन का हिस्सा भी रह चुकी हैं। उनकी बहुभाषीयता और राजनीतिक विरासत उन्हें एक प्रभावशाली दक्षिण भारतीय चेहरा बनाती है।

मनोहर लाल खट्टर : संघ से निकटता

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर अब केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। उनकी प्रशासनिक साख और संघ से निकटता उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उपयुक्त बनाती है। वे पार्टी के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अनुशासन और कार्यसंस्कृति पर विशेष बल देता है।

धर्मेंद्र प्रधान : भाजपा के कुशल रणनीतिकार

ओडिशा से आने वाले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भाजपा का कुशल रणनीतिकार माना जाता है। वे ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं और पार्टी के आंतरिक हलकों में गहरी पैठ रखते हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई चुनावी मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन किया है।

शिवराज सिंह चौहान : लोकप्रिय जननेताओं में पहचान

'मामा' के नाम से लोकप्रिय शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अब केंद्र में मंत्री हैं। वे भाजपा के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में गिने जाते हैं। उनकी सहजता, सादगी और ग्रामीण भारत में पकड़ उन्हें पार्टी का एक जन-चेहरा बनाती है।

भाजपा अध्यक्ष चुनते समय तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रख रही

सूत्रों के अनुसार, भाजपा अगला अध्यक्ष चुनते समय तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रख रही है। उनमें संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन और जातीय समीकरण। महिला नेतृत्व की संभावना इसलिए भी मजबूत मानी जा रही है क्योंकि भाजपा ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पास कराया था। इसके अलावा, हालिया चुनावों में महिला वोटर्स ने भाजपा को निर्णायक समर्थन दिया है। एक महिला अध्यक्ष पार्टी को सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा संदेश देने में मदद कर सकती है। भाजपा जल्द ही एक केंद्रीय निर्वाचन समिति का गठन करेगी, जो राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराएगी। नामांकन, जांच और मतदान यदि आवश्यक हुआ तो उसी के अधीन होगा।

विपक्ष की भी नजर

कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और विपक्षी दल भाजपा की इस रणनीतिक नियुक्ति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। 2026 के विधानसभा चुनाव और 2029 के आम चुनाव से पहले नया अध्यक्ष भाजपा के भविष्य की दिशा तय करेगा। इसलिए यह केवल एक पद भर नहीं, बल्कि भाजपा के राजनीतिक भविष्य की नींव भी है।

संक्षिप्त समाचार

हमको भी नया डॉक्यूमेंट बनवाना पड़ेगा... तेजस्वी यादव को पत्नी का वोटर लिस्ट से नाम कटने की चिंता

पटना, एजेंसी। बिहार में जारी वोटर लिस्ट रिवीजन पर सियासी घमासान मचा हुआ है। इस सिलसिले में महागठबंधन के नेताओं ने टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। विपक्ष चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर हमलावर है। इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक और चिंता में घिरे हुए हैं। उनको अब अपनी पत्नी राजश्री का दोबारा वोटर कार्ड बनवाना पड़ेगा। जिसकी जानकारी उन्होंने खुद दी। तेजस्वी ने बताया कि हमारी हमारी धर्मपत्नी दिल्ली की रहने वाली हैं। दो-तीन महीने पहले ही हमने उनका वोटर आईडी बनवाया है। उनका मतदाता कार्ड बनवाने में आधार कार्ड लगा था। 3 महीने पहले मेरी पत्नी ने आधार कार्ड देकर वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज करा लिया, क्योंकि उस समय आधार मान्य दस्तावेज था। अब मुझे सोचना पड़ रहा है। उन्होने बताय कि क्योंकि उनका (राजश्री) जो भी एड्रेस रहा है, वो बाहर का रहा है, बिहार का नहीं रहा। ऐसे में हमको भी सोचना पड़ रहा है कि कौन सा डॉक्यूमेंट चलेगा, कौन नहीं। फिर हमें उनके लिए नया डॉक्यूमेंट बनवाना पड़ेगा। जो (राजश्री) दो महीने पहले वोटर बनी हैं, उन्हें फिर वोटर बनाना पड़ेगा। ये स्थिति हमारी है। तेजस्वी ने कहा कि क्या आयोग को केवल 11 दस्तावेज मांगने का ही अधिकार है? संविधान का अनुच्छेद 326, व्यस्क मताधिकार का आधार तय करता है। आधार कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड आदि मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में अस्वीकार्य क्यों है।

लोग कह रहे थे मत लड़ो... अवध ओझा ने माना सिसोदिया वाली सीट पर खराब थी आप की हालत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के कई महीनों बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और मशहूर कोचिंग टीचर अवध ओझा ने पटपड़गंज सीट से अपनी हार को लेकर कई बड़ी बातें कही हैं। ओझा ने यह भी माना कि आप के लिए परिस्थिति ठीक नहीं थी। मनीष सिसोदिया की छोड़ी सीट पर लड़े ओझा ने कहा कि लोग उन्हें यहां से लड़ने को मना कर रहे थे और उनसे कहते थे कि 500 वोट आएंगे। अवध ओझा ने हाल ही में एक कोचिंग क्लास के दौरान विधानसभा चुनाव में अपनी लड़ाई का जिक्र किया। वह क्लास में यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि हार-जीत की चिंता छोड़कर लड़ना जरूरी है, क्योंकि लड़ने वालों का ही नाम होता है। विधानसभा चुनाव के दौरान आप में शामिल होकर अवध ओझा दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की सीट पर लड़े पर उन्हें भाजपा उम्मीदवार रविंद्र सिंह नेगी उर्फ रवि नेगी से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। नेगी ने 2020 के चुनाव में सिसोदिया को भी कड़ी टक्कर दी थी। ओझा ने कहा कि लोग उन्हें पटपड़गंज से लड़ने को मना कर रहे थे। पटपड़गंज के लोग भी उन्हें बता रहे थे कि स्थिति खराब है। उन्होंने कहा, मुझसे बहुत लोगों ने कहा मास्टर... मैंने कहा चुप लड़ना है। लड़ गए। ऐसी पार्टी से लड़े जहां ऑड सिजुएशन थी। ईवन वाले से भी लड़ सकते थे। जितने लोग इस क्षेत्र में थे कह रहे थे कि 500 वोट मिलेगा। मैंने कहा कोई बात नहीं उतरें तो, बल्ला-वल्ला उठाने दो, पैड पहनने दो, ग्राउंड पर तो उतरें तो। लोग बोले बहुत खतरनाक बॉलर है पूरा ओपर योरकर मारता है।

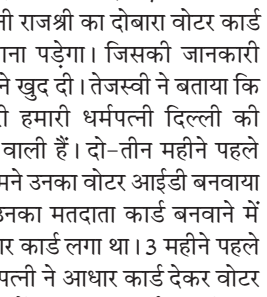

गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार पर बरसे राहुल... भाजपा-नीतीश ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पटना में बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि नीतीश कुमार और भाजपा की गठबंधन सरकार ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। इससे पहले तेजस्वी यादव ने गोपाल खेमका की हत्या पर सरकार को निशाने पर लेते हुए बिहार में जंगलराज होने का आरोप लगा दिया था। राहुल गांधी ने लिखा कि आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है और सरकार पूरी तरह नाकाम। बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। राहुल गांधी ने कहा कि अब वक्त नए बिहार का है। उन्होंने लिखा कि हर हत्या, हर लूट, हर गोली – एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का, जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार देर रात बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना पटना के गांधी मैदान थाना इलाके में हुई। गोपाल खेमका पटना के जाने-माने व्यवसायी थे। गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की हत्या भी छह वर्ष पूर्व वैशाली के औद्योगिक थाना इलाके में कर दी गई थी। उस समय भी काफी हंगामा हुआ था।

भाजपा के पितृ पुरुष की जयंती मनाई

मुखर्जी न होते तो कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं बन पाता : शाह

अहमदाबाद, एजेंसी

देश की राजनीति और कश्मीर के मुद्दे पर बड़ा बयान देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया। गुजरात के आणंद में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि अगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी न होते तो आज कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा न बन पाता। उन्होंने मुखर्जी के बलिदान और राष्ट्र के लिए उनके योगदान को याद किया।

अमित शाह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर को दी गई विशेष स्थिति का जोरदार विरोध किया था। उन्होंने एक देश में दो प्रधान, दो निशान और दो विधान नहीं चलेंगे का नारा दिया। शाह ने कहा कि मुखर्जी ने कश्मीर की एकता के लिए खुद को बलिदान कर दिया, तभी जाकर आज जम्मू-कश्मीर भारत का पूरा हिस्सा है।

मुखर्जी के योगदान से मजबूत हुआ देश का औद्योगिक ढांचा

अमित शाह ने कहा कि मुखर्जी केवल राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि एक शिक्षाविद्, देशभक्त और दूरदर्शी भी थे। उनके पिता अशुतोष मुखर्जी ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर और हाई कोर्ट के जज रहते देश की शिक्षा और न्याय व्यवस्था को मजबूत किया। मुखर्जी ने भी शिक्षा, उद्योग और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी।

बंगाल और भारत की एकता में भी अहम भूमिका

गृह मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने में भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने स्वामी प्रणवानंद के साथ मिलकर बंगाल की भारत में एकता सुनिश्चित की। शाह ने कहा कि जिस पार्टी की शुरुआत मुखर्जी ने सिर्फ 10 लोगों के साथ की थी, आज वही भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।

नेहरू सरकार से इस्तीफा देकर बनाई थी जनसंघ.. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के बाद नेहरू मंत्रिमंडल में शामिल होकर देश की औद्योगिक नीति बनाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने चित्तरंजन लोकोमोटिव फैक्ट्री, सिंदरी फर्टिलाइजर और हिंदुस्तान जैसी कई संस्थाओं की नींव रखी। लेकिन बाद में नेहरू सरकार की तुष्टीकरण नीति से असहमति जताते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया और 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

गिरफ्तारी और बलिदान ने देश को झकझोरा

श्यामा प्रसाद मुखर्जी 1953 में जम्मू-कश्मीर दौरे पर गए थे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान ही 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। शाह ने कहा कि उनके इस बलिदान ने देश को झकझोर दिया और कश्मीर की एकता का मुद्दा देश की राजनीति का अहम हिस्सा बन गया।

भाजपा ने मुखर्जी को बताया राष्ट्र निर्माता

कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने भी मुखर्जी को याद किया। पार्टी की वेबसाइट पर उनके योगदान का जिक्र करते हुए लिखा गया कि उन्होंने देश की अखंडता, शिक्षा, उद्योग और राष्ट्रवाद के लिए जो काम किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। अमित शाह ने कहा कि आज जब देश विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहा है, तब मुखर्जी जैसे नेताओं का बलिदान याद रखना जरूरी है।

तेलंगाना... नेताओं में ओबीसी आरक्षण का श्रेय लेने की मची होड़

हैदराबाद, एजेंसी

तेलंगाना में सभी राजनीतिक पार्टियां स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर लाभ लेने के लिए एक दूसरे से होड़ कर रही हैं। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को तीन महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। ऐसे में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भाजपा तीनों ही पार्टियां आरक्षण के मुद्दे का फायदा उठाना चाहती हैं।

कांग्रेस और बीआरएस, भाजपा पर दबाव बना रही हैं कि वे केंद्र सरकार से आरक्षण विधेयक को मंजूर कराएं। राज्य विधानसभा से तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का विधेयक पारित हो गया है। वहीं भाजपा का आरोप है कि ओबीसी आरक्षण लागू करना राज्य सरकार के हाथ में है।

बीआरएस एमएलसी के कविता ने तो इस मुद्दे पर 17 जुलाई को रेल रोको अभियान का आह्वान किया है ताकि केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सके। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी पत्र लिखा है, जिसमें राज्य सरकार को निर्देश देने की मांग है कि 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने के बाद ही राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव होने चाहिए। के कविता ने ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसद और विधायक मेरे संपर्क में

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के वरिष्ठ भाजपा नेता और मंत्री गिरीश महाजन ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं, क्योंकि लोगों को अब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रह गया है। रविवार को सोलापुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए महाजन ने कहा, आज भी उद्धव ठाकरे गुट के कई विधायक और सांसद मेरे संपर्क में हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर आपको यकीन नहीं है, तो आप बहुत जल्द इसे अपनी आंखों से देख लेंगे। महाजन ने उद्धव ठाकरे को पलटीबहादुर औ अपरिपक्व भी कहा।

26/11 के हीरो का राज ठाकरे से सवाल

मैं यूपी का, महाराष्ट्र के लिए खून बहाया, तब आपके योद्धा कहां थे?

मुंबई। महाराष्ट्र में भाषा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच कमांडो फोर्स के एक पूर्व जवान ने राज ठाकरे से सवाल किया है। उन्होंने पूछा है कि मुंबई पर आतंकी हमलों के दौरान आपके योद्धा कहां थे? इस जवान का नाम प्रवीण कुमार तेवतिया है।

प्रवीण ने 26/11 को हुए मुंबई हमले के दौरान तमाम लोगों की जान बचाई थी। उन्होंने ताज होटल में 150 लोगों को बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। अब इस जवान ने राज ठाकरे से कहा है कि मैं यूपी का रहने वाला हूं। मैंने महाराष्ट्र के लिए अपना खून बहाया है। भाषा के नाम पर देश को मत बांटिए। प्रवीण कुमार तेवतिया मरीन कमांडो फोर्स (मार्कोस) में रह चुके हैं। तेवतिया ने अपनी एक फोटो भी पोस्ट की है। इसमें वह यूनिफॉर्म पहने हुए हैं और मुस्कुरा रहे हैं।

150 लोगों को बचाया था

प्रवीण कुमार ने मुंबई पर आतंकी हमले के दौरान अपनी टीम का नेतृत्व किया था। इस दौरान उनकी टीम ताज होटल में फंसे लोगों को निकालने के अभियान में लगी थी। इस अभियान के दौरान प्रवीण को कई चोटें लगीं। वहीं, उन्हें चार गोलियां भी लगी थीं। लेकिन उनकी त्वरित कार्रवाई के चलते कम से कम 150 लोगों की जान बच गई थी।

ठाकरे बंधुओं पर बरसे गायकवाड़, बोले-संभाजी महाराज ने सीखी थीं 16 भाषाएं

मुंबई, एजेंसी। हिंदी और मराठी को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच महाराष्ट्र के बुलढाणा से एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने शनिवार को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने छत्रपति संभाजी महाराज का उदाहरण देते हुए कहा कि क्या वे मूर्ख थे जो उन्होंने 16 भाषाएं सीखी थीं? संजय गायकवाड़ ने कहा, छत्रपति संभाजी महाराज ने 16 भाषाओं में ज्ञान हासिल किया था। क्या वे मूर्ख थे? तारा बाई और जिजाबाई ने भी कई भाषाएं सीखी थीं, जिनमें हिंदी भी शामिल है। क्या वे भी मूर्ख थीं? उन्होंने यह बयान उस समय दिया जब उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने शनिवार को मुंबई में एक संयुक्त रैली की थी।

भाषा के मुद्दे पर राजनीति करना गलत- संजय

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय गायकवाड़ ने कहा, हमें जितनी ज्यादा भाषाएं आती हों, उतना अच्छा है। भाषा के मुद्दे पर राजनीति करना गलत है। अगर हमें आतंकवाद रोकना है तो हमें उर्दू भी सीखनी चाहिए। मैंने यह बात कई बार कही है। इतिहासकारों के अनुसार, छत्रपति संभाजी महाराज एक अत्यंत विद्वान और बहुभाषी शासक थे। उन्हें संस्कृत, मराठी और हिंदुस्तानी समेत कई भाषाओं में गहरी पकड़ थी। उनकी रचनाएं आज भी विद्वानों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

स्थानीय चुनाव में वापसी को बेताब

महाराष्ट्र में फिर अकेले मैदान में उतर सकती है कांग्रेस

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति में कांग्रेस बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। राज्य में इस साल के आखिर में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस में चर्चा तेज हो गई है कि पार्टी अकेले चुनाव मैदान में उतरे।

पार्टी के कई नेता मानते हैं कि इन चुनावों के जरिए कांग्रेस को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का मौका मिल सकता है। खासकर तब, जब भाजपा राज्य के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। कांग्रेस इस समय शिवसेना (उद्धव गुट) और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) के साथ महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा है। लेकिन हाल ही में शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) की नजदीकियों ने राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। इसी वजह से कांग्रेस के भीतर एक बड़ा वर्ग चाहता है कि स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी अकेले मैदान में उतरे, ताकि अपनी असली ताकत परख सके।

संगठन को मजबूत करने का मौका मान रही कांग्रेस

पुराने नेताओं की वापसी से मिला हौसला... इस बीच, कांग्रेस के लिए अच्छी खबर यह रही कि विदर्भ के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राजेंद्र मुलक ने पार्टी में वापसी की है। मुलक पहले पार्टी छोड़कर निर्दलीय चुनाव लड़े थे, जिस पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी हुई थी। लेकिन अब उनके लौटने से नागपुर और आसपास के इलाकों में कांग्रेस को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पार्टी इसे स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा मान रही है। आगामी चुनावों के लिए कांग्रेस अब पूरी तैयारी में जुट गई है।

कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मानते हैं कि स्थानीय चुनाव संगठन को मजबूत करने का सबसे अच्छा तरीका हैं। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि गांव से लेकर शहर तक पार्टी की जड़ें मजबूत करने के लिए स्थानीय निकाय चुनाव जरूरी हैं। पार्टी नेता शिवाजीराव मोघे के मुताबिक, ये चुनाव जमीनी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और बड़े चुनावों में उनकी भागीदारी बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

भाजपा के बढ़ते दबदबे से चिंता में कांग्रेस

2017-18 के स्थानीय चुनावों में भाजपा ने महाराष्ट्र के कई अहम नगर निगमों पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। कई पुराने विधायक और नेता भी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस मान रही है कि अगर उसने अपना मजबूत जिला-स्तरीय अभियान नहीं चलाया तो आने वाले चुनावों में उसे और नुकसान हो सकता है।

जिला स्तर पर रणनीति बनाने की तैयारी

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि हर जिले की अलग रणनीति होनी चाहिए। स्थानीय मुद्दों जैसे पानी की समस्या, स्वास्थ्य सेवाएं और आरक्षण पर फोकस करके कांग्रेस भाजपा के विकास के दावों को चुनौती दे सकती है। मुंबई, नागपुर, पुणे और नासिक जैसे बड़े शहरों में पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ने पर विचार कर रही है। हालांकि, अंतिम फैसला पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा।

संक्षिप्त समाचार

खंडवा रोड पर नालों के निर्माण का हुआ भूमिपूजन

खरगोन निप्र। खण्डवा रोड़ पर वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगरपालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमला कोल, लोक निर्माण के सभापति धीरेन्द्र चाहान, पार्षदों में चन्द्रपालसिंह तोमर, श्रीमती तृप्ति राजेश रावत और जगन्नाथ सांवले, पार्षद प्रतिनिधियों में दिनेश पाटीदार, अरविन्द पाटीदार, कान्हा राठौर, राजेश रावत और जितेन्द्र चोपड़ा, सहायक यंत्री मनीष महाजन, उपयंत्री जितेन्द्र मेढ़ा, समयपाल राजेन्द्र जोशी, ठेकेदार रोहित गुप्ता और अन्य कर्मचारी के साथ साथ कॉलोनियों के रहवासीयों की मौजूदगी में 40 - 40 लाख के दो नालों का भूमिपूजन किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमला कोल ने बताया कि खण्डवा रोड़ पर बरसात के पानी की उचित निकासी न होने के कारण आसपास की कई कॉलोनियों में जलभराव की समस्या रहती थी, जिससे रहवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा ऑन लाईन टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से होटल प्रेसिडेंट से अजाक्स थाना तक तथा अजाक्स थाना से आदर्श नगर तक दो नालों के निर्माण के लिए कुल 80 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। खण्डवा रोड़ पर स्थित कॉलानीवासियों द्वारा नालों के निर्माण के कारण वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने से हर्ष व्यक्त किया गया।

जुलवानिया में लगाए पौधे

राजपुर/बड़वानी,निप्र। जुलवानिया में मोक्ष मुक्तिधाम ग्यारस पर समिति के सदस्यों द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया पौधारोपण में सरपंच पति सुखलाल आमले अखिलेश साहू श्री कृष्ण साहू रविकांत महाजन हेमंत यादव सचिन नगर अनोखी लाल महाजन सुमित श्रीवास रवि महाजन उपस्थित रहे।

कपास की काठी मे बैठे सांप ने महिला की उंगली मे डसा, मौत

कसरावद,निप्र। कसरावद क्षेत्र के ग्राम बड़गाव में खेत में मजदूरी कर घर लोटी महिला खाना बनाने चूल्हा जलाने के लिए कपास की काठी निकालने मे हाथ डाला

महिला को हाथ मे सांप ने काटा। सामुदायिक अस्पताल से खरगोन रेफर किया जहां जिला अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई है। गांव के समाज सेवी ताराचंद यादव ने बताया स्थानीय निवासी मजदूर परिवार की लीला बाई पति विकास आदिवासी उम्र 35 वर्ष मजदूरी से आने के बाद खाना बनाने के लिए घर के पास रखी कपास की काठी निकालते समय सांप ने उंगली मे डस लिया, अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पीएम कर शव परिजनों को सौंपा परिजनों ने अंतिम संस्कार किया।

नवाचार : एफएलऐन किट फ्लोर गेम्स के माध्यम से सीख रहे विद्यार्थी

पलसूद, निप्र। नगर के जनशिक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या पलसूद विकासखंड राजपुर जिला बड़वानी में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा प्रत्येक प्राथमिक विद्यालयों हेतु प्रदाय किए गए एफएलऐन किट जिला शिक्षा, जनपद शिक्षा केंद्र के माध्यम से जनशिक्षक सुरेशचंद्र राठौड़ एवं अरुणा

अजरावनिया द्वारा प्रत्येक प्राथमिक विद्यालयो को 1 जुलाई को पहुंचाकर विद्यालयों प्रबंधन द्वारा उपयोग करना प्रारंभ कर दिया गया है। इस फ्लोर गेम्स एफएलऐन कीट में 6 प्रकार की सामग्री है जिसमें सांप सीढ़ी, जंबू ज़ेजबी गेम, एडवेंचर टूर, चंगा आष्टा, लूडो, क्रिकेट शामिल है उक्त सभी फोल्डर लर्निंग बेस्ड है जिससे विद्यार्थियों में विवेक का उपयोग कर आगे रहने की प्रतिस्पर्धा के साथ उन्हें बहुत इंटरस्टिंग लगता है और विद्यार्थी ऐक्टिविटी के माध्यम से सीखते है प्रतिदिन गेम्स को पीरियड में शामिल करने से विद्यार्थियों को प्रतिदिन नवाचार के रूप में भयमुक्त वातावरण में एक्टिविटीज करने के अवसर प्रदान करने से से निश्चित ही उन्हें सफलता मिलती है स्कूलों में सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण हो चुके है और विद्यालयों में पढ़ाई प्रारंभ कर दी गई है भारत सरकार के निपुण भारत के लक्ष्य को राज्य सरकार द्वारा मिशन अंकूर की गतिविधियों के माध्यम से 2027 तक सफलता प्राप्त की जाएगी स्कूल प्रावि कन्या पलसूद प्रधानपाठक हमीदा कुरैशी, नेहा राठौड़, प्रावि सीदडी से वर्षारानी सोलंकी, हर्षिता राठौड़ ने फ्लोर गेम्स करने की जानकारी दी गई।

हजरत इमाम हुसैन की याद में निकला ताजियों का जुलूस

35 से अधिक छोटे-बड़े ताज़िए कंधे पर लेकर निकले मुस्लिम समाजजन

विनय उजाला

बड़वाह,निप्र। हजरत इमाम हुसैन की याद में मोहर्रम की दसवीं तारीख को मुस्लिम समाजजनों ने नगर में ताजियों का जुलूस निकाला। सुबह करीब 9 बजे योम-ए-आशुरे की नमाज के बाद सभी ताजिए इकबाल चौक पर एकत्रित होना शुरू हुए। जहा से दोपहर 12 बजे ताजियों को नगर भ्रमण करवाने के सिलसिला शुरू हुआ।

इस दौरान सबसे आगे मुस्लिम अंजुमन कमेटी का ताजिया निकाला गया। उसके पीछे-पीछे करीब 35 से अधिक छोटे,बड़े ताजिए कतारबद्ध निकाले गए। ताज़िए निकलने के दौरान सभी समाजजनों ने लोभान दिया। ताजियों का दीदार करने के लिए कई मन्नतधारी भी इकबाल चौक पहुंचे।उल्लेखनीय है कि इकबाल

चौक से ताज़िए उठाने के बाद काफिला मौलाना आजाद मार्ग, जाट मोहल्ला होते हुए इंदौर-खंडवा मार्ग पहुंचा।जहा सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल देखने को मिली जगह-जगह विभिन्न राजनीतिक दलों, स्वयंसेवी संस्थाओं सहित सामाजिक संगठनों ने ताजियों पर पुष्प वर्षा कर मुस्लिम अंजुमन कमेटी सदर शेख आयाज का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। जिसके बाद ताज़िए का काफिला एमजी रोड होकर वापस इकबाल चौक पहुंचा। इस दौरान बड़े शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में ताजिए नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरे।

पूरे मार्ग पर प्रशासनिक अधिकारी अपने पूरे दल बल के साथ तैनात नजर आए। रात करीब दस बजे एक बार फिर कृत्रिम रोशनी में ताजिए शहर में निकाले जाएंगे।जबकि सोमवार को ताजियों का विसर्जन रुद्राक्ष रेस्ट हाउस के पीछे कर्बला स्थित नदी में होगा। इस दौरान एसडीएम सत्यनारायण दर्रो, एसडीओपी अर्चना रावत, टीआई बलराम सिंह राठौर, तहसीलदार शिवराम कनासे सहित पूरा प्रशासनिक अमला मार्ग पर मुस्तैद नजर आया। करीब 50 से अधिक पुलिसकर्मी, नगर सुरक्षा समिति सदस्य, कोटवार, पटवारी व्यवस्थाओं में जुटे हुए नजर आए।

कसरावद नगर और बड़गांव में ताजिये पर चला मन्नतों का दौर

विनय उजाला

कसरावद,निप्र। इमाम हुसैन की याद में मनाए जा रहे मोहरर्म के दौरान शहर कसरावद एवं ग्राम बड़गांव में मन्नतों का वाला ताजियां आस्था का केंद्र बना हुआ है। यह ताजिया हिंदू.मुस्लिम एकता का प्रतीक होकर मोहरर्म के दौरान सैंकड़ों लोग इस पर मन्नतें उतारते हैं। रविवार को यहां सुबह से देरशाम तक मन्नतें उतारने का दौर चला। शाम को मन्नत वाले ताजिये का चल समारोह भी निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

मोहर्रम कमेटी से मिली जानकारी अनुसार रविवार को कसरावद शहर के सभी ताजिए

सराफा बाजार में शाम को पहुंचते हैं और पूरी रात वहीं रुकते हैं वही सभी अखाड़े अपना कर्तव्य सराफा बाजार में दिखाते हैं।

मोहर्रम पर ताजियों के साथ निकला भव्य जुलूस

राहुल गुप्ता

राजपुर,निप्र। नगर में रविवार को मोहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा मोहर्रम जुलूस निकाला गया। जुलूस में 6000 से अधिक समाजजन शामिल हुए। सुबह से ही नगर में तीन प्रमुख ताजिए सजाए गए। लश्कर-ए-मदीना, 24 चौकड़ी अखाड़ा और किंग अखाड़ा द्वारा 24 चौकड़ी रूपी ताजिए बनाए गए। जुलूस में 20 ताजिए और 20 ताशे शामिल रहे। अखाड़ों ने नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण किया। जुलूस हाथी गेट, इमलीपुरा, गुजरी चौक, झंडा चौक होते हुए पंचायती वाड़ा स्थित मस्जिद पहुंचा। वहां जुलूस का

समापन हुआ।

मुस्लिम जमात सदर स्माइल शेख व अस्पाक कुरेशी ने बताया कि मोहर्रम करबला के मैदान में हसन-हुसैन की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। जुलूस में या हुसैन के नारे लगे। नगर के प्रमुख चौराहों पर नगाड़े बजाए गए। समाज के प्रमुख चेहरों ने जुलूस का स्वागत किया। शाम 7 बजे से मस्जिद के सामने ताजिया मैदान में सभी ताजिए दर्शन के लिए रखे गए। वहां मेला लगा। हिन्दू और मुस्लिम दोनों समाज के लोग ताजियों के दर्शन करने पहुंचे। ताजियों पर चढ़ोतरी चढ़ाई गई। लोगों ने मन्नत पूरी होने की कामना करते हुए ताजियों के नीचे से निकलकर सौभाग्य की प्रार्थना की।

सूरत और पानसेमल सैंधवा मालेगांव के तासे रहे आकर्षण का केंद्र : जुलूस में आकर्षण का केंद्र अन्य राज्यों से आए बाजे रहे जिनकी आवाज पर मुस्लिम समाज जन उत्साह में थिरकते नजर आए हजारों की संख्या युवा बाजे की थाप पर नाचते नजर आए।

पुलिस प्रशाशन ने मुस्तैदी से नगर में जुलूस के लिए व्यस्था लगाई : पुलिस प्रशाशन के द्वारा नगर में चेहरों पर ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया युवाओं को चेहराहो से आगे बढ़ाते हुए व्यवस्था बनाई गई पुलिस प्रशाशन की नगर में मुस्तैदी शांति व्यवस्था बनी रही

ऊंचाई तालाब में होगा ताजा का विसर्जन : अगले दिन सुबह ताजियों का विसर्जन ऊँचाई तालाब में किया जाएगा। जिसमें ताजो की इबादत कर दुआ मांग कर ताजियों का विसर्जन किया गया

जुलूस में उपस्थित रहे : नावेद कुरेशी सरफराज खान, बट्टू खान, जावेद कुरैशी, सहजाद खान, अरशद खान, फारूक कुरैशी, समीर मंसूरी, जावेद मंसूरी, भाइयू कुरैशी, लादेन खान, मोनू खान, सलमान मंसूरी, जुनैद, भइयू खलील शेख, लालू, सोहेल, इरफान मंसूरी, शाहबाज मंसूरी नाज मोहम्मद मंसूरी एम सादिक मंसूरी हासिम मोसिन स्वामी सहित हजारों की संख्या में समाज जन शामिल रहे।

2 क्विंटल गुलाब के फूलों से महकेगा मंदिर परिसर

श्री साई मंदिर स्थापना दिवस भंडारे में 10 गांवों के श्रद्धालु होंगे शामिल

विनय उजाला

कसरावद,निप्र। श्री साई मंदिर स्थापना दिवस के अवसर पर आज धार्मिक अनुष्ठान मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगा। भंडारे में 10 गांवों के श्रद्धालु शामिल होगे। नुकती प्रसादी व भंडारे की प्रसादी तैयार हो चुकी है। श्री साई मंदिर सेवा समिति सदस्यों ने बताया आज प्रात: बाबा का पूजन अभिषेक, के पश्चात दोपहर 12 बजे की महाआरती होगी। इसके बाद भंडारे की शुरुआत होगी। 12 हजार की संख्या में श्रद्धालु धार्मिक आयोजन मे शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करेगे। नगर सहित आसपास के गांवों से श्रद्धालुओं बड़ी संख्या में पहुचेगे। गौरतलब है कि शनिवार को पालकी यात्रा नगर मे निकाली गई थी। मंदिर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में यहां श्री साईनाथ महाराज जी का मंदिर, भगवान शिव जी का मंदिर, श्री पंचमुखी नाग देवता का मंदिर स्थित है। इनके

अतिरिक्त नवनिर्मित श्री पंचमुखी हनुमान जी महाराज का भव्य मंदिर निर्माण हो चुका है। सभी मंदिर विभिन्न रंग बिरंगी रोशनी से जगमग हो उठे। मंदिर परिसर में चारो ओर आकर्षक रूप से विशेष सजावट की गई। 2 क्विंटल गुलाब के फूलों से महकेगा मंदिर परिसर आकर्षक रूप से रंगोली भी सजाई जाएगी। श्री साई सेवा समिति सदस्यों ने सभी समस्त श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में पधारने का आग्रह किया है।

अवैध गांजा तस्करी पर बड़ी कार्यवाही

पुलिस ने 15 किलो से अधिक मादक पदार्थ किया जब्त

विनय उजाला

कसरावद,निप्र। क्षेत्र की बलकवाड़ा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 किलो 434 ग्राम अवैध गांजा और बिना नंबर की मोटरसाइकिल जब्त की है। यह कार्रवाई बलकवाड़ा थाना अंतर्गत खलटाका चौकी क्षेत्र में की गई, जिसमें एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन अनुराग एवं डीआईजी निमाड़ रेंज सिद्धार्थ बहुगुणा के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शकुंतला रूहल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

शनिवार को खलटाका चौकी पर मुखबिर से सूचना मिली कि एबी रोड किनारे, सांई दरबार स्कुल की ओर जाने वाला रास्ता, ग्राम मुकुन्दपुरा में एक संदिग्ध

व्यक्ति लाल-काले रंग की डीलक्स मोटरसाइकिल (बिना नंबर) से सफेद बोरी और नीले बैग में गांजा बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए बलकवाड़ा थाना प्रभारी रितेश यादव एवं खलटाका चौकी प्रभारी अजय दुबे के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई। मुखबिर द्वारा बताए हुलिए का व्यक्ति मौके पर संदिग्ध अवस्था में मिला जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सुरेश निवासी बोरमली पोस्ट आम्बे, तालुका शिरपुर जिला धुले (महाराष्ट्र) का होना बताया। टीम के द्वारा मोटर साइकल की टंकी पर रखी थैली को चेक करने पर उसमे 15 किलो 434 ग्राम अवैध गांजा मिला।जिसे रखने के संबंध में वैध दस्तावेज व लाइसेंस के होने का पूछने पर उसने कोई दस्तावेज नहीं होना बताया। पुलिस टीम ने मौके पर आरोपी से कुल 15 किलो 434 ग्राम गांजा कीमत लगभग 2,30,000/-रुपये व बिना नंबर एच. एफ. डिलक्स मोटर साइकल कीमती लगभग 50,000/- रुपये को नियमानुसार विधिवत जप्त कर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत अपराध क्रमांक 196/25 पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ कर दी है।

पुलिस ने किया हत्या का खुलासा

हत्या और हत्या में सहयोग करने वाले आरोपी हैलापड़ावा पुलिस की गिरफ्त में

विनय उजाला

खरगोन निप्र। हत्या और हत्या में सहयोग करने वाले आरोपितों 1- सावंत उर्फ रितेश पिता रामभाऊ पाटिल मराठा उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम नसीराबाद पोस्ट बसाड तहसील नेपानगर जिला बुरहानपुर हाल तानाजी गेट प्रतापपुरा बुरहानपुर 2 - चन्दन पिता भिका जमरे 34 वर्ष निवासी झांझर हाल दवाटिया थाना निम्बोला जिला बुरहानपुर 3- खुमसिंग पिता गमला तडोले उम्र 32 वर्ष निवासी झांझर थाना निम्बोला जिला बुरहानपुर और 4 - संजय पिता जगन डावर उम 26 वर्ष निवासी पलोना तहसील झिरन्या जिला खरगोन को हैलापड़ावा चौकी पुलिस ने पकड़ा।

हेलापड़ावा चौकी पर पुलिस को ग्राम पनोला के वन विभाग के बांस वृक्षारोपण क्षेत्र में एक व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की खबर पर क्रमांक 32/25 धारा 194 का पंजीबद्ध प्रकरण कर जांच में शुरू की गई।

घटनास्थल पर पुलिस एक मोबाईल और एक मोटर साइकल मिली। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर किसी भी व्यक्ति के द्वारा मृतक की पहचान नहीं हो पा रही थी। पुलिस के द्वारा मृतक के फोटो को सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रसारित किया गया। मौके पर मिले साक्ष्यों के आधार पर मृतक की पहचान चेतन पिता राजेन्द्र आमोदकर उम्र 32 वर्ष निवासी मकान नम्बर 120 नवनीत नगर, अमरावती रोड़ नागपुर हाल अक्षरधाम कॉलोनी बुरहानपुर का

होना पाया गया, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गला घोंट कर हत्या की जाना पाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जिला खरगोन से एफएसएल टीम, फिंगरप्रिन्ट टीम, सायबर सेल टीम और डॉग स्क्वाड के द्वारा भी घटना स्थल पर निरीक्षण कर मत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए।

मृतक बुरहानपुर में एक ट्रैक्टर शोरूम में काम करता है और वहीं काम करने वाली अपनी महिला मित्र के साथ रहता है। पुलिस ने मृतक की महिला मित्र से जानकारी जुटाई गई, जिसमें पता चला कि मृतक चेतन दिनांक 05.05.25 को किसी ग्राहक जिसे ट्रैक्टर खरीदना था उसका फोन आने पर उससे मिलने के लिए गया था, जो वापस नहीं आया है।

पुलिस द्वारा ग्राहक की जानकारी जुटाई गई जिसमें जानकारी मिली कि चंदन नाम का व्यक्ति ही ग्राहक है और मृतक चेतन उसी से मिलने के लिए निकला था। पुलिस ने चंदन की तलाश उसे पकड़ा।

हत्या करने का कारण

घटना का मुख्य मास्टर माईन्ड सावंत उर्फ रितेश ने पुलिस को बताया कि, बुरहानपुर शहर में उसका एक ट्रेक्टर का शोरूम है जिस पर मृतक चेतन और उसकी महिला मित्र काम करते थे। मेरा चेतन की महिला मित्र से प्रेम प्रसंग हो गया था व हम अकेले मे मिलने लगे थे जिसकी जानकारी चेतन को लग गई थी। मुझे लगा कि चेतन मुझे बदनाम कर देगा और समाज में मेरी छवी खराब कर देगा इस कारण मैंने उसकी हत्या करने की योजना बनाई। इस योजना में मैंने मेरी जान पहचान के खुमसिंग और चंदन को शामिल किया और काम हो जाने पर दोनों को 01-01 लाख रुपये देने की बात कही जिसमें दोनों राजी हो गए थे। योजना के अनुसार चंदन ने चेतन को ग्राहक बन कर ग्राम गाडम्बाम के आगे जंगल में बुलाया, मैं अपनी मोटर साइकल से खुमसिंग को साथ लेकर चंदन से मिला और रास्ते मे हमे एक संजय नाम का व्यक्ति मिला जो खुमसिंग का रिश्तेदार था जिसे भी 50 हजार रुपये मे साथ मे शामिल कर लिया। योजना के अनुसार चंदन और संजय एक मोटर साइकल पर चेतन से मिले, चेतन अपनी मोटरसाइकल से आया हुआ था जिसके बाद चंदन और चेतन एक मोटर साइकल से हो गए। पैसे देने के बहाने हम उसे अंदर जंगल में लेकर गए पीछे से मैं और खुमसिंग भी आ गए जिसके बाद हम चारों ने मिलकर चेतन को पकड़ कर उसके ही गमछे से उसका गला दबा कर उसकी हत्या कर दी।

लापता युवक का दूसरे दिन भी नहीं लग पाया पता, गांव के 60 से अधिक युवा तलाश में जुटे

कसरावद,निप्र। शनिवार को नगर के मंडलेश्वर रोड स्थित एक ढाबे पर कार्यरत युवक आचानक लापता हो गया था। उसकी बाइक माकड़खेड़ा स्थित नर्मदा पुल पर मिली थी। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवक श्यामू पिता सूरज निहाल (22 वर्ष), गोपालपुरा निवासी की खोजबीन जारी है। गांव के 60 से अधिक की संख्या में युवा नर्मदा किनारे घाटों पर खोजबीन मे जुटे हुए हैं। फिलहाल रविवार की शाम तक लापता युवक का पता नहीं चल पाया। शनिवार सुबह राहगीरों ने नर्मदा पुल पर खड़ी एक स्कूटी देखी, जिसके पास चप्पल व डिक्की में मोबाइल फोन और ढाबे की चाबी रखी हुई थी। फिलहाल युवक का कहीं कोई सुराग नहीं मिला है।

रोटरी क्लब ने करवाये 1 घंटे में 2 नेत्रदान

बड़वानी,निप्र। धार जिले के नर्मदानगर में झमु बाई का निधन होने पर मंडवाड़ा के इंजीनियर अशोक राठौर ने परिजन को नेत्रदान हेतु तैयार कर एवम डॉ चक्रेश पहाडिया को सूचना दी। डॉ. चक्रेश पहाडिया एवम रोटरी क्लब सचिव ललित जैन नर्मदागर पहुंचे और नेत्रदान सम्पन्न करवाया। रोटरी क्लब की टीम के बड़वानी पहुचने के 1 घण्टे बाद सिंघाना से अनिल गुप्ता की सुचना पर नेत्रदान के लिए पुन: धार जिले के सिंघाना पंहुचकर समाजसेवी शांतिलाल खंडेलवाल काकाजी के निधन पर परिजनों की सहमति से नेत्रदान सम्पन्न करवाया और कॉर्निया निकालकर एम के इंटरनेशनल आई बैंक इंदौर पहुंचाया। नेत्रदान में अग्रणी रहकर जागरूकता का कार्य कर रहे डॉक्टर चक्रेश पहाडिया ने बताया कि धार जिले से भी नेत्रदान की जागरूकता बड़ रही और सूचना मिलते ही दूसरे सभी कार्यो को एक तरफकर नेत्रदान के लिए निकल पड़ते है।

मांडू ने ओढ़ी हरियाली की चादर, रविवार को 20 हजार से ज्यादा पर्यटक पहुंचे

सोमनाथ तिवारी

मौसम हुआ खुशनुमा : पर्यटकों ने जहाजमहल, रानी रूपमती महल, बाजबहादुर महल, अशर्फी महल को निहारा

मांडू,निप्र। पर्यटन नगरी मांडू में आज बारिश के दूसरे रविवार यहां 20 हजार से ज्यादा देश के कई शहरों से आज मांडू की मनोरम वादियों और यहां के ऐतिहासिक महलों का भ्रमण करने पहुंचे। 15 से20 हजार से ज्यादा पर्यटकों ने स्मारकों का भ्रमण किया। एक दिन पूर्व हुई बारिश के बाद से कोहरा छाने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य भी खिल उठा। सुबह काकड़ा खो से शुरू हुई आवाजाही शाम तक रही। सतत आठ दस दिन से हो रही लगातार वर्षा इसबीच दोपहर में तो ऐसा लगा मानो मांडू में पर्यटकों का मेला लगा हो। इंदौर के नवदंपती ने जहाज महल परिसर में घूमकर सेल्फी ली। बच्चे जहाज महल परिसर में लगी प्राचीन तोपों पर मस्ती करते नजर आए।बारिश होते ही वीकेंड पर मांडू में सैलानियों का हुजूम उमड़ने लगा है। सही मायनों में इस रविवार से मांडू में नवीन पर्यटन सत्र की शुरुआत हो गई है। हजारों पर्यटकों ने मांडू के ऐतिहासिक महलों के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का दीदार किया।

मांडू और मानसून का अद्भुत तालमेल है। वर्षा ऋतु के चलते इन दिनों मांडू का मौसम बेहद सुहावना हो गया है। पूरी पर्यटन नगरी मांडू कोहरे के आगोश में है। ऐसे में पर्यटकों ने छातों और रेनकोट का सहारा लिया और उन्हें दिन में अपने वाहनों की लाइट जलानी पड़ी। सभी पर्यटन स्थलों पर सैलानियों का तांता लगा रहा। बारिश की बूंदें जैसे ही मांडू से टकराती हैं, यहां की परिस्थितियां पर्यटन के अनुकूल हो जाती हैं।

शनिवार की तेज बारिश के बाद, अगले दिन रविवार और सोमवार को हजारों की संख्या में पर्यटक मांडू पहुंचे और यहां की हसीन वादियों का आनंद लिया। ऐतिहासिक जहाज महल, हिंडोला महल, चंपा बावड़ी, तवली महल, 56 महल, म्यूज़ियम, नीलकंठ महादेव मंदिर, प्राचीन जैन मंदिर, चतुर्भुज श्री राम मंदिर, जामी मस्जिद, अशर्फी महल, दाई का महल आदि पर्यटन स्थलों पर सैलानी बड़ी संख्या में पहुंचे और दिनभर पर्यटकों का तांता लगा रहा।

मांडू पहुंचे हजारों सैलानियों ने की फोटोग्राफी और बनाई रील

मांडू के सुहावने मौसम को देख सैलानी अपना उत्साह दिखाने से खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने मांडू भ्रमण के साथ यहा मालवा के प्रसिद्ध दाल पानिये बाटी बाफले चूरमे का भी आनंद लिया। ऐतिहासिक महलों के आसपास अपने मित्रों और परिजनों के साथ फोटोग्राफी की और वहां से वीडियो रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल की। कुछ सैलानी संगीत का साज भी साथ लेकर आए थे और गिरते हुए पानी में नृत्य कर मांडू भ्रमण का मजा लिया।

ऐतिहासिक महलों ने ओढ़ी कोहरे की चादर

मांडू का प्राकृतिक सौंदर्य इन दिनों पूरे शबाब पर है। हरियाली की चादर और कोहरे के आगोश में ऐतिहासिक महल और भी खूबसूरत दिख रहे हैं। मांडू के सभी ऐतिहासिक महलों ने कोहरे की चादर ओढ़ी है, जिससे उनका सौंदर्य और भी निखर गया है। आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या और भी बढ़ने की उम्मीद है।

खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा रेस्टोरेंट और भोजनालय की जांच की गई

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। कलेक्टर रौशन सिंह के द्वारा श्रावण मास में श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हाईजेनिक खाद्य पदार्थ की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिये गये है, जिस पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर के आस पास स्थित रेस्टोरेंट, भोजनालय, होटल पर जांच की जा रही है।रविवार को दशभुजा भोजनालय, जैन भोजनालय, माँ चामुण्डा भोजनालय, महाकाल रेस्टोरेंट एण्ड नमकीन भण्डार एवं श्री बडा गणेश भोजनालय की जांच की गई। महाकाल रेस्टोरेंट एण्ड नमकीन भण्डार से दही एवं श्री बडा गणेश भोजनालय से पनीर का नमूना लिया जाकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये एवं महाकाल रेस्टोरेंट एण्ड नमकीन भण्डार पर खाद्य पदार्थ खुले में रखे पाये जाने पर एवं स्वच्छता पर्याप्त नहीं होने पर, कर्मचारियों द्वारा केप एपरिन नहीं पहनना, कर्मचारियों का मेडिकल नहीं पाये जाने, पेस्ट कंट्रोल, श्री बडा गणेश भोजनालय पर खाद्य पदार्थ का रखरखाव सही नहीं होना, कर्मचारियों द्वारा केप एपरिन नहीं पहनना, कर्मचारियों का मेडिकल नहीं पाये जाने, पेस्ट कंट्रोल न पाये जाने से नोटिस जारी किये गये।

मांडू में शर्मनाक घटना : पत्नी को रेबीज का इंजेक्शन लगवाने भटकते रहे पद्मश्री डॉक्टर सुब्रत राय

इंदौर और धार की स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच करने मांडू पहुंची, टीम बोली दोषियों पर कार्रवाई होगी

विनय उजाला

मांडू,निप्र। मांडू पर्यटन स्थल पर स्वास्थ्य विभाग की इतनी बड़ी लापरवाही- पद्मश्री डॉ सुब्रत राय की पत्नी को मांडू भ्रमण के दौरान स्वान ने काटा मांडू स्वास्थ्य केंद्र पर इंजेक्शन होने के बाद मना किया,पर्यटन नगरी मांडू में, स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का शर्मनाक मामला सामने आया, था उसके बाद आज इंदौर और धार की स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम रविवार मांडू पहुंची, पूरे मामले की जांच कर टीम वापस लौटी, इंदौर जेडी ऑफिस के जे एस शर्मा धार स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ राकेश शिंदे और जिला अस्पताल के डॉक्टर मोहन जमरा ने आज शनिवार को हुई रेबीज के इंजेक्शन

की लापरवाही की घटना की जांच की टीम ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवेदन बनाकर विभाग को भेज रहे हैं जल्द लापरवाही करने वाले दोषियों पर कार्रवाई होगी

पद्मश्री अवार्ड डॉ सुब्रत राय की पत्नी को मांडू भ्रमण के दौरान स्वान ने काटा, वह तुरंत मांडू आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे, वहां स्टाफ नर्स से राय ने पूछा की रेबीज का इंजेक्शन लगवाना है मेरी पत्नी को यहां है क्या उसके बाद नर्स बोली इंजेक्शन है आप पहले डॉक्टर मैडम को दिखा दे, उसके बाद राय और उनकी पत्नी मांडू स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ डॉक्टर चांदनी डबरोलिया के पास पहुंचे और उन्हें बताया कि मेरी पत्नी को स्वान ने काटा है इस पर डॉक्टर चांदनी ने बिना जानकारी के लापरवाही भरा तत्काल उन्हें जवाब दिया कि यहां इंजेक्शन नहीं है आप नालछा चले जाएं, इस पर राय ने कहां की अस्पताल की सिस्टर तो कह रही की इंजेक्शन है, आप मना कर रही हैं, मैंने आपको जो बोल दिया, कि आप नालछा चले गए, उसके बाद राय बाहर आए और अस्पताल करने से फिर चर्चा की, उसके बाद फिर वह वापस गए मैडम के चेंबर में, फिर जाकर मैडम बोली में दिखवाती हूं, कुछ देर बाद इंजेक्शन की जानकारी लेकर ओपीडी बनवाई,फिर राय की पत्नी को इंजेक्शन लगा, यह कोई पहला मामला नहीं है मांडू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जब यह पर्यटक इलाज करने पहुंचे तब यहां तैनात डॉक्टर ने उनसे अच्छा बर्ताव नहीं किया उन्हें बिना चेक किया मना कर दिया, बैठने तक का भी नहीं बोला इधर राय का कहना है,कि मांडू पर्यटन स्थल है और यहां स्वास्थ्य विभाग की इतनी बड़ी लापरवाही में आगे पत्र लिखूंगा।

लोगों को त्वरित उपचार दिलाने के लिए सुब्रत राय को पद्मश्री अवार्ड मिला है। मूलत बड़ौदा के निवासी डॉक्टर सुब्रत राय ने 1999 में सड़क हादसे के बाद 6 घंटे तक तक इलाज नहीं मिलने के दर्द को महसूस किया उसके बाद लाइफ लाइन संस्था की स्थापना की उन्होंने 108 एंबुलेंस की नीव रखने में हम भूमिका निभाई।

रोटरी क्लब पेटलावद न्यू का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

अध्यक्ष पद्म मेहता सहित पूरी कार्यकारिणी ने ली सेवा की शपथ

मनोज पुरोहित

पेटलावद,निप्र। रोटरी एक सेवा का प्रकल्प है, इसमें सब की भागीदारी निश्चित ही क्लब को नया आयाम देगी। यह क्लब सबसे युवा क्लब है और जोश से भरा हुआ है। निश्चित ही रोटरी क्लब न्यू पेटलावद नए सत्र और नए अध्यक्ष पदम मेहता व सचिव अल्पित गांधी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक कार्य करेगा।

यह बात पेटलावद रोटरी क्लब न्यू के अधिष्ठापन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से रोटरी 3040 के गवर्नर सुशील मल्होत्रा ने कही। आपने कहा कि में और रोटरी 3040 हर संभव कोशिश करेंगे की पेटलावद में नए सेवा की प्रकल्प किए जाए। जिसका लाभ ठेठ निचले स्तर तक के व्यक्ति को मिले। शपथ अधिकारी के रूप में रतलाम से डीजीई संस्कार कोठारी ने पदम मेहता को अध्यक्ष और अल्पित गांधी को सचिव के साथ सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। श्री कोठारी ने कहा कि रोटरी क्लब न्यू पेटलावद के साथ-साथ डिस्ट्रिक्ट 3040 और रोटरी इंटरनेशनल की विचारधाराओं के साथ समाज सेवा के अच्छे प्रकल्प आयोजित करेंगे। उन्होंने रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया गवर्नर सुशील मल्होत्रा आपके साथ हर पल उपलब्ध रहेंगे।

साथ मिलकर करेंगे सेवा प्रकल्प : कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद सीएमओ श्रीमती आशा भंडारी ने रोटरी के गत वर्ष के किए गए कार्यक्रमों की सराहना की और हर संभव मदद देने की बात कही। विशेष अतिथि रीजन कोऑर्डिनेटर यशवंत भंडारी और सहायक मंडल अध्यक्ष सुशील मंडलेचा उपस्थित थे। कार्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए सार्जेंट राजेश पाटीदार ने घोषणा की कार्यक्रम के प्रारंभ में रोटरी के चतुर्विद मंत्र का वाचन कीर्तिश चाणोदिया ने किया उसके पश्चात सरस्वती माल्यार्पण कर और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया।

सभी का स्वागत किया : रोटरी क्लब के नवनियुक्त अध्यक्ष पदम मेहता ने अपने उद्बोधन में सबसे सहयोग की अपील करते हुए कहा कि में पूरी कोशिश करूंगा कि इस कार्यकाल को सभी के सहयोग से स्वर्णिम बना सकूं। अपने सूरीले अंदाज में पदम मेहता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संस्थापक अध्यक्ष राहुल मुथा ने कहा कि क्लब की स्थापना सन 2017 में मेरे द्वारा की गई थी और आज यह 2025 में 8 वर्ष के पश्चात वटवृक्ष के रूप में कार्य कर रहा है में पूरी टीम का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

चिकित्सा उपकरण भेंट किए

रोटरी क्लब न्यू के रोटरी चिकित्सा उपकरण केंद्र को समाजसेवी जयंतीलाल मेहता की तरफ से फोल्डेबल पलंग, क्लब की तरफ से फोल्डेबल पलंग, समाजसेवी अनिल मेहता की तरफ से व्हीलचेयर भेंट की गई।समारोह में लायंस क्लब के अध्यक्ष गजेंद्र काग सचिव विकास चौहान , लायंस क्लब ग्रेटर के अध्यक्ष जीवन भंडारी समाजसेवी संजय गादिया एवं पत्रकार साथी विशेष रूप से मौजूद रहे।

पदभार ग्रहण करवाया

स्वागत भाषण पूर्व अध्यक्ष संजय मेहता ने दिया। मुख्य अतिथि सुशील मल्होत्रा का परिचय पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन रोहित कटकानी ने दिया। डीजीई संस्कार कोठारी का परिचय रोटेरियन पूर्व अध्यक्ष रवि मेहता ने दिया। पूर्व अध्यक्ष संजय मेहता व पूर्व सचिव अरुण मेहता ने नएअध्यक्ष पदम मेहता व नए सचिव अल्पित गांधी को रोटरी पिन लगाकर पदभार ग्रहण करवाया। उसके साथ ही शुभम मुरार को रोटरी पिन लगाकर सदस्यता ग्रहण करवाई।

इनकी रही गरिमामय उपस्थिति

समारोह में रोटरी क्लब न्यू पेटलावद के अनूप मेहता, संजय बरबेटा, निलेश मेहता, आभास सोलंकी, ओम सोनी, संजय पी लोढ़ा, वीरेंद्र चौहान, मयंक मोदी , नयन भंडारी, राहुल मंडलोई,इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा अनूप मेहता, सचिव पूजा ओम सोनी के साथ पूरी टीम उपस्थित थी।

रोटरी क्लब झाबुआ ने किया सम्मान

साथ ही रोटरी क्लब झाबुआ केवरीष्ट यशवंत भंडारी , एडवोकेट उमंग सक्सेना वर्तमान अध्यक्ष मनोज पाठक ,सचिव अंकित गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे ओर नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया आयोजन का सफल संचालन राहुल मुथा ने किया व आभार अल्पित गांधी ने माना।

साहित्यिक संस्था गज़लांजलि की काव्य गोष्ठी आयोजित

विनय उजाला

उज्जैन,निप्र। नगर की ख्यात साहित्यिक संस्था ग़ज़लांजलि की काव्य-गोष्ठी डॉ. सखा पाहवा के निवास पर आयोजित की गई। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में सर्व प्रथम दीप प्रज्ज्वलित किया गया। वर्षा ऋतु की फुहारों के बीच काव्य पाठ करते हुए, प्रफुल्ल शुक्ला सरकार ने सोशल मिडिया के बढ़ते प्रभाव पर कविता पल-पल स्टेटस पर जाना, सोशल मिडिया पर हर बात बताना, फैशन हो गया है... पढ़ी। रिश्ते वे नहीं जो रिसते हैं, रिश्ते वे भी नहीं जो रीसते हैं... दिलीप जैन ने रिश्तों को परिभाषित करते हुए कविता पढ़ी। मौसम के अनुरूप कविता पढ़ते हुए सत्यनारायण सत्येन्द्र ने कहा आजा साजन सावन बीते, बरसे मेघा, नाचे मनवा, कोयल कुहुके मयूर चहके बादल गरजे आजा... वहीं प्रकृति पर आधारित साँझी बेला दीप प्रज्ज्वलन समक्ष तुलसी वृन्दावन, साँझ तारे का दर्शन कर फिर निशा से आलिंगन... कविता रामदास समर्थ ने पढ़ी। प्रीति से प्रकृति को जोड़ता गीत सरसराती पत्तियों से जोड़कर नाता, प्रीति का लेकर मधुर सुर गीत गाता जा... अशोक रक्ताले ने सुनाया तो वहीं शायर आशीष अश्क ने पता चलता ये जीवन बीतने पर, पता जो है बहुत ही कम पता है... ग़ज़ल पढ़ी। आशाओं पर हैं टँगा हुआ मानव का यह जीवन, मृग मरीचिका में भटके तन डोली पर बैठा मन... गीत डॉ. आर. पी तिवारी ने पढ़ा। डॉ. अखिलेश चौरे ने कभी तो जम के बरस जल भरे बादल की तरह...ग़ज़ल पढ़ी। हमारी पोशाक हमारा आहार बाज़ार तय करता है, अब कैसा हो हमारा संसार बाज़ार तय करता है ... डॉ. विजय सुखवानी की ग़ज़ल से कार्यक्रम समापन हुआ।

अलग-अलग थीम पर निकलेगी भगवान महाकालेश्वर की सवारी

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुरूप इस बार भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी और अधिक भव्य रूप में निकाली जाएगी। आगामी श्रावण-भादो-मास में भगवान श्री महाकालेश्वर की निकलने वाली सवारियों की अलग-अलग थीम होगी और पहली सवारी वैदिक उद्घोष की थीम पर होगी। सावन माह में प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की जाएगी जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भी होगी। प्रथम सवारी में पालकी में श्री मनमहेश, द्वितीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर और हाथी पर श्री मनमहेश, तृतीय सवारी में पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश और गरुड़ रथ पर श्री शिव तांडव, चतुर्थ सवारी में पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर हाथी पर श्री मनमहेश रूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे।

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल
W/623/5/1/NIT **इंजीनियरिंग विभाग - ई-टेंडर नोटिस** Date: 03.07.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कार्यलेखा) रतलाम वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-टेंडर के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	ई-टेंडरिंग क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत	बयाना राशि Rs	कार्य समापन अवधि	Similar type of work	वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि	निवदा खुलने की तिथि
1	RTM 2025-26-64	RATLAM- Providing Boundary wall with ornamental steel jali at top in officers quarters at	As per tender schedule	94,55,540.75	189,100.00	8 Months	Any Civil Engineering Work	02/07/2025	28/07/2025
2	RTM-2025-26-67	Ratlam-Up gradation of Running room by providing 17 additional rooms & other misc work with new facilities /amenities.	As per tender schedule	25,588,301.61	278,000.00	15 Months	Construction of any Building Work	02/07/2025	28/07/2025
3	RTM-2025-26-69	Ratlam- Improvement to railway staff quarters i.e. Leakage treatment ,kitchen, courtyard, let bath & Room flooring in new and old colony Total 77 qtrs.	As per tender schedule	1,69,39,964.44	234,700.00	12 Months	Any Civil Engineering Work	02/07/2025	28/07/2025

विस्तृत निविदा सूचना,अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है- V/118
मंडल रेल प्रबंधक (कार्यलेखा) पश्चिम रेलवे, रतलाम मंडल
लाइक करें: facebook.com/WesternRly

संक्षिप्त समाचार

धार जिले के बूथ लेवल के सात अधिकारियों को नई दिल्ली में प्रशिक्षण दिया

बाकानेर (सैयद रिजवान अली)। भारत निर्वाचन आयोग के तत्वावधान में दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन लेडियम आडिटोरियम द्वारका नई दिल्ली मैं किया गया। जिसमें धार जिले के सातों विधानसभा के बूथ लेवल अधिकारी का प्रशिक्षण दिया गया स्मरण रहे कि मनावर विधानसभा के बाकानेर के प्रकाश वर्मा पप्पू उत्कृष्ट कार्य के लिए जिले में अनेक बार सम्मानित हो चुके हैं। जिसमें क्रमश: धार से श्री पुष्पेश वैघ, बदनावर से श्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी, गंधवानी से श्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी, सरदारपुर से श्री दिलीप चौधरी, धर्मपुरी से श्री राजेंद्र शर्मा कुक्षी से श्री बाबूलाल राठौर एवं मनावर से श्री प्रकाश वर्मा पप्पू उपस्थित हुए एवं उन्होंने लीडियम द्वारका नई दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त किया प्रशिक्षण में बूथ लेवल अधिकारी को क्या-क्या सावधानियां बरतना चाहिए एवं हमारा व्यवहार एवं आचरण मतदाताओं से किस तरह का होना चाहिए इस बारे में गहन एवं विस्तृत विवरण दिया गया और माननीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार जी द्वारा बूथ लेवल अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

समाजसेवी सुनील जायसवाल का जन्मदिन मनाया

बाकानेर, निप्र। बाकानेर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं खेड़ापति सरकार हनुमानजी मंदिर के संस्थापक सदस्य सुनील जायसवाल का जन्मदिन मंदिर समिति के सदस्यों ने केक काटकर धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ जनों ने आशीर्वाद और मित्रों ने शुभकामनाएं बधाई दी, श्री त्रिभुवन कानूनगो, जगदीश जी सोनी, नाथूलाल सिसोदिया, राधेश्याम चौहान, हरगोविंद जी सोनी, अरुण वैष्णव, वीरेन्द्र कानूनगो, कृष्णकांत जी जोशी, रविन्द्र नामदेव, बाबुलाल सिसोदिया, देवेंद्र सोलंकी, मुकेश पागनिस सहित मित्रगण इस अवसर पर उपस्थित रहे।

बरसों की समस्या का विधायक के प्रयासों से हुआ समाधान

दसाई (मनीष चौधरी)। ग्राम पंचायत वार्ड क्रमांक 12 लाबरिया फाटा में बरसों की समस्या 24 घंटे की लाइट नहीं मिल पा रही थी खेत की लाईट से लाईट चल रही थी लेकिन विधायक के प्रयास व ग्राम पंचायत के प्रयास से अब उन्हें 24 घंटे की लाइट मिलेगी साथ ही ग्रामीण ने विधायक प्रताप ग्रेवाल व ग्राम पंचायत सरपंच कन्हैया लाल परमार का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच कन्हैयालाल परमार, बद्रीलाल पाटीदार, ओम प्रकाश कांजीगंगाराम, रूपेश पाटीदार, मनोहर पाटीदार, भगवती लाल पाटीदार, अशोक पाटीदार सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रशिक्षण हमारी क्षमताओं में सुधार लाने का एक माध्यम है : डीपीसी प्रदीप खरे

डही, निप्र। स्थानीय बीआरसी भवन में माध्यमिक विद्यालयों में पदस्थ कक्षा 6 को पढ़ाने वाले शिक्षकों का गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान का प्रशिक्षण इन दिनों चल रहा है। शनिवार को जिला शिक्षा केंद्र धार के डीपीसी प्रदीप खरे ने प्रशिक्षण का अवलोकन करते हुए प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों से कहा कि प्रशिक्षण हमारी क्षमताओं में सुधार लाने का एक माध्यम है। प्रशिक्षण में जो सीख रहे हैं, उसे कक्षा में हमें अनुप्रयोग करना है। डीपीसी खरे ने यहां प्रावि और मावि के प्रधान पाठकों सहित जन शिक्षकों और बीआरसी स्टाफ की बैठक लेते हुए जर्जर शालाओं में कक्षा न लगाने, प्रोफाइल अपडेशन करने, मैपिंग, फ्री टेक्स्ट बुक, साक्षरता सर्वे, एक पेड़ मां के नाम आदि कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीपीसी ने माध्यमिक विद्यालय पड़ियाल में पदस्थ और गत दिनों सेवानिवृत हुए शिक्षक हिम्मत सिंह अलावा का सम्मान भी किया। श्री अलावा ने स्वयं की निधि से ढाई लाख रुपए खर्च कर विद्यालय में साज सज्जा, पानी की मोटर, आरओ फिल्टर, ग्राउंड समतलीकरण आदि कार्य कराए थे। श्री अलावा द्वारा किए गए इन कार्यो को देखने डीपीसी खुद उनके विद्यालय भी पहुंचे हुए। ऑनलाइन एंट्री का अच्छा कार्य करने पर प्रावि खरवट के शिक्षक अनिल चौहान का भी डीपीसी ने सम्मान किया। श्री खरे के साथ एपीसी श्री निगवाल और एफएलएन प्रभारी शुभम वाघ भी साथ थे। श्री वाघ द्वारा एफएलएन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। बीआरसी मनोज दुबे ने सभी शिक्षकों की ओर से आश्वस्त करते हुए कहा कि सारे कार्य व्यवस्थित रूप से समय सीमा में कर लिए जाएंगे। इस दौरान बीएसी हितेंद्र सिंह ठाकुर, साक्षरता प्रभारी रमेश सोलंकी, एमआइएस नितेश चौधरी, लेखापाल अनीता कनौजिया, बीएसी मीनाक्षी ठाकुर, मनीषा ठाकुर आदि मौजूद थे।

डीपीसी ने अच्छे कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया

उड़ीसा के झारसुगुड़ा जिले का बुजुर्ग भटका, जोबट पहुंचा

कैबिनेट मंत्री के निर्देश पर मंत्री-सांसद हेल्पलाइन की मदद से पहुंचा हॉस्पिटल, वीडियो कॉल पर बेटी से बात करते रो दिया बुजुर्ग

विनय उजाला

अलीराजपुर, निप्र। अलीराजपुर जिले के जोबट के एक रेस्टोरेंट पर अचानक एक बुजुर्ग व्यक्ति पहुंचा, जिसकी भाषा सुन रेस्टोरेंट संचालक भी असमंजस में पड़ गया कि आखिर ये बुजुर्ग है कौन और बोलना क्या चाह रहे। तभी रेस्टोरेंट संचालक रणजीत सिंह ने कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान के प्रतिनिधि एवं मंत्री सांसद हेल्पलाइन के प्रभारी गोविंदा गुप्ता से संपर्क किया और स्थिति से अवगत करवाया। जिसके बाद रणजीत ने बुजुर्ग से कोई कागज पास होना पूछा तो बुजुर्ग ने अपने पास से आधार कार्ड की फोटोकॉपी दी, जिस पर कुछ भी समझ पाना मुश्किल है। रणजीत ने आधार कार्ड की फोटो भी विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता को भेजी।

श्री गुप्ता ने पूरे प्रकरण से कैबिनेट मंत्री श्री नागर सिंह जी चौहान को अवगत करवाया। जिसपर मंत्री श्री चौहान ने अपने प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता को तत्काल सहायता करने के निर्देश दिए। इधर मंत्री के निर्देश मिलते ही एवं आधार कार्ड मिलते ही विधायक प्रतिनिधि श्री गुप्ता ने आधार कार्ड में लिखे पिनकोड से गांव और जिले का नाम समझा और ओडिसा के झारसुगुडा जिले के पुलिस अधीक्षक स्मित परषोत्तमदास परमार को संपर्क कर उनके जिले के किसी ग्राम के निवासी बुजुर्ग के अलीराजपुर जिले में होने की सूचना देने के साथ प्राप्त आधारकार्ड भी उन्हें भेजा।

सक्रिय हुई ओडिसा पुलिस

मंत्री सांसद हेल्पलाइन के प्रभारी एवं विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता से सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक श्री परमार ने तत्काल अपने अमले को सक्रिय कर दिया। देर रात में ही ओडिसा के झारसुगुडा जिले के एसपी ऑफिस के वरिष्ठ राजा आनंदकर ने पुन: श्री गुप्ता को कॉल कर पूरी स्थिति वापस से जानी ओर आधार कार्ड बुलवाया। जिसके बाद राजा जी ने पुष्टि करते हुए बताया कि आधार कार्ड पर हमारे जिले के ही लखनपुर थाने के कुंडलोई ग्राम का पता लग रहा है। जिसके बाद लखनपुर थाने की टीम को सक्रिय किया गया और थाने की टीम से कपिलेश्वर नाईक संबंधित ग्राम में पहुंचे और बुजुर्ग का फोटो और आधार कार्ड से उनके घर का पता लगाया ओर घर पहुंच कर उनकी पत्नी एवं परिजनों को अलीराजपुर से श्री गुप्ता द्वारा भेजे फोटो एवं आधार कार्ड दिखा कर पहचान करवाई जिससे पुष्टि हो सकी कि ये उनके ही परिवार से है। जिसके बाद थाना टीम के नाइक ने पुन: श्री गुप्ता से संपर्क कर पुष्टि होने की खबर देते हुए परिजनों को अलीराजपुर भेजने की बात कही।

■ ग्रह जिले में एसपी को दी सूचना, पुलिस हुई सक्रिय, पहुंची संबंधित के घर

स्थानीय व्यवस्थाएं करते हुए अस्पताल में करवाया भर्ती

मंत्री सांसद हेल्पलाइन के प्रभारी एवं विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता ने बुजुर्ग के ग्रह जिले से पुष्टि होने के बाद अलीराजपुर के कलेक्टर श्री अभय बेडेकर एवं पुलिस अधीक्षक राकेश व्यास को भी घटना की सूचना दी। वहीं गुप्ता ने थाना जोबट के एसआई अजय यादव को भी फोन लगा कर संबंधित बुजुर्ग को रेस्टोरेंट से जोबट हॉस्पिटल भिजवाने की व्यवस्था करने की बात कही, वही जोबट के बीएमओ डॉ विजय बघेल एवं ड्यूटी पर तैनात डॉ नरेंद्र मोरी से बात कर संबंधित बुजुर्ग को पुलिस द्वारा लाने पर प्राथमिक जांच करने एवं रात में आराम करने हेतु व्यवस्था करने की बात कही। इधर एसआई यादव ने भी तत्काल थाना मोबाइल भेज कर मौके से बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोबट में भिजवाया, वही डॉ नरेंद्र मोरी ने भी प्राथमिक जांच कर संबंधित बुजुर्ग को आराम करने हेतु आवश्यक व्यवस्था करवाई, जिसके बाद संबंधित ने चेन से नींद निकाली।

दोपहर बाद पहुंचे जिला अस्पताल, चर्चा करते हुए रो दिए बाप-बेटी

रात जोबट अस्पताल में बिताने के बाद विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता ने संबंधित बुजुर्ग को जिला अस्पताल बुलवा लिया, जहां श्री गुप्ता स्वयं पहुंचे और संबंधित से चर्चा कर किस तरह घूम हुए इसकी जानकारी ली। जिसके बाद श्री गुप्ता ने बुजुर्ग की बेटी से इनकी वीडियो कॉल पर बात करवाई। दोनो पिता पुत्री वीडियो कॉल पर बात करते हुए बिलख बिलख कर रो दिए, इस नजारे ने वहा मौजूद सभी की आंखे नम कर दी। अभी बुजुर्ग जिला अस्पताल में ही भर्ती होकर स्वास्थ्य लाभ ले रहा है। परिजन ने बताया कि लगभग 2 दिनों में अलीराजपुर पहुंचेंगे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग द्वारा इंदौर में

अधिवेशन संबंधी बैठक का सफल आयोजन

विनय उजाला

झाबुआ/इंदौर, निप्र। आगामी अधिवेशन की तैयारियों के अंतर्गत राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग द्वारा इंदौर के विजय नगर स्थित कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण एवं गरिमामयी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सचिव डॉ. एन. के. सिंह ने की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य अधिवेशन की रूपरेखा, उसकी तिथि, संभावित स्थान और विषयवस्तु पर विचार करना था। साथ ही संगठनात्मक विस्तार, जनजागरण अभियान, महिला एवं बाल अधिकार संरक्षण हेतु भावी योजनाओं पर बिंदुवार चर्चा की गई। बैठक की शोभा बढ़ाई नगर निगम प्राधिकरण के अधिकारी श्री डामोर तथा समाजसेवा में अग्रणी, लोकप्रिय ह्लह्र ओनर श्रीमती नीतू डामोर ने। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने आयोग की गतिविधियों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. अशोक बलसोरा, प्रदेश अध्यक्ष, डॉ. एम. एल. फुलपगारे प्रदेश अध्यक्ष, सीनियर सिटीजन प्रकोष्ठ, पी. डी. रायपुरिया प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ. कनक पटेरिया प्रदेश सचिव, डॉ. दिनेश चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रिया शर्मा इंदौर संभाग उपाध्यक्ष, प्रीति कनाडिया इंदौर संभाग सचिव, दीपिका शर्मा जिला अध्यक्ष, यूथ सेल, आशा अमलियार तहसील उपाध्यक्ष, झाबुआ, राजीव सिनाम जिला सचिव, ठाकुर सिंह अमलियार, सचिन अमलियार, अवधेश शर्मा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के मुख्य बिंदु अधिवेशन की तिथि, स्थान व विषयवस्तु निर्धारण हेतु विचार-विमर्श, प्रदेश एवं जिला स्तर पर संगठनात्मक विस्तार, महिला, बालक और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा हेतु कार्ययोजना, एनजीओ के सहयोग से जनजागरण अभियान व कार्यशालाओं का आयोजन तथा आयोग की छवि को राष्ट्रीय स्तर पर मज़बूती से प्रस्तुत करने हेतु प्रचार रणनीति थे। यह बैठक न केवल अधिवेशन की तैयारी का चरण थी, बल्कि आयोग की प्रतिबद्धता का प्रमाण भी रही ङ्क कि वह समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय एवं अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सजग है। अंत में डॉ. एन. के. सिंह ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और सभी को आगामी अधिवेशन की सफलता के लिए समर्पणपूर्वक कार्य करने की बात कही।

परिवार के पुरुषों का सकारात्मक दृष्टिकोण महिलाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है : शशि दीप

इनर व्हील क्लब ऑफ बॉम्बे कांदिवली का वार्षिक इंस्टालेशन सेरेमनी सम्पन्न

विनय उजाला

बाकानेर/मुंबई, निप्र। इनर व्हील क्लब ऑफ बॉम्बे कांदिवली का वार्षिक इंस्टालेशन/चेंजओवर समारोह विगत शनिवार 28 जून 2025 को मुंबई कांदिवली (पूर्व) के वैली ऑफ फ्लावर्स, ठाकुर विलेज में आयोजित किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती लक्ष्मी वी सिंह, विशिष्ट अतिथि रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे कांदिवली के निर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत मिश्रा रहे तथा जानी-मानी लेखिका, प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स की राष्ट्रीय प्रवक्ता शशि दीप बतौर विशेष अतिथि उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता 2025 की ढ्ढख्रष्ट अध्यक्ष सुनीता भदादा ने किया और सबसे पहले सुनीता भदादा द्वारा निष्पादित सामाजिक कार्यों की अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी और इनर व्हील के साथ जुड़ी भावनायें व्यक्त करते हुए भावुक हो गयी। और फिर नए सत्र के होने वाले प्रेसिडेंट श्रीमती चित्रा टी आर को कॉलर, चार्टर और शपथ सौंपकर उनका अभिनंदन किया। सभी पदाधिकारियों को भी इनर व्हील पिन प्रदान किया गया और उपस्थित दर्शकों से उनका परिचय कराया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष चित्रा टी आर ने अपना प्रथम उद्बोधन प्रस्तुत किया और सभी पदाधिकारियों का नयी ऊर्जा के साथ अभिनन्दन किया। इस गरिमामय समारोह में विशेष अतिथि शशि दीप का अभिनंदन किया गया व शशि दीप ने नवनिर्वाचित कमिटी को अपने सारगर्भित उद्बोधन से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने महिलाओं की चुनौतियों और परिवार के पुरुषों विशेष रूप से पार्टनर के सहयोग और समर्थन की भूमिका पर जोर दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती सिंह ने विस्तार से अपनी भावनाएं व कार्यों का विवरण दिया। साथ ही रोटरी क्लब ऑफ बॉम्बे कांदिवली 25-26 के नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत मिश्रा ने भी प्रभावशाली उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शहर की जानी-मानी सशक्त महिला उद्यमियों और महिला टीम लीडर्स का जमावड़ा रहा जिसमें माँ टू मॉम की फाउंडर ज्योति अग्रवाल, वॉव की फाउंडर बिंदु प्रदीप, प्रणति, दीपा केडिया, आंटरप्रेनियोर अनुभा गोयल, हर्षा खन्ना, हेमल महेश प्रमुख थे। क्लब की नव निर्वाचित टीम 1 जुलाई से कार्यभार संभाल कर सत्र की सभी परियोजनाओं के क्रियान्वयन प्रारंभ कर चुकी है। कार्यक्रम के संयोजन में पूर्व अध्यक्ष ढ्ढख्रष्ट बॉम्बे कांदीवली स्वाति बनर्जी व कर्मठ की खासी भूमिका रही, धन्यवाद ज्ञापन अनीता पंडित ने किया संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन शीतल जी ने किया।

इनरव्हील क्लब पेटलावद राइस ने किया पौधारोपण

मनोज पुरोहित

पेटलावद, निप्र। पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए एवं प्रधानमंत्रीजी के अभियान % एक पेड़ मां के नाम % में इनरव्हील क्लब पेटलावद राइस द्वारा पौधारोपण किया गया।

यह जानकारी देते हुए क्लब की अध्यक्ष वर्षा अनूप मेहता ने बताया कि इस दिन को अधिक यादगार बनाने के लिए क्लब द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें डॉ. रूपल वोरा, डॉ. हितेश नायक, डॉ. शैल मेहरोत्रा एवं डॉ. अक्षय अखाड़े का सम्मान कर उनकी सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सेवाओं का सम्मान : क्लब अध्यक्ष वर्षा मेहता, जया मेहता, सारिका मुणत, स्वीटी भंडारी, प्रीति पटवा और खुशबू कटकानी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा को सराहा। स्वीटी भंडारी और मोना मेहता ने डॉक्टरों को स्मृति चिन्ह ओर क्लब द्वारा डॉक्टरों को उपयोगी सामग्री वाला एक विशेष हैम्पर भेंट किया गया।

इनकी मौजूदगी रही : इस आयोजन में क्लब की सचिव पूजा सोनी, अलका गांधी, रिकंन बरबेटा, श्रुति सोलंकी, प्रीती मेहता, मोना मुरार, अनिता भंडारी, दुर्गा चौहान, निर्मला भाटोदरा, नेहा लोढ़ा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। बाद में सभी सदस्यों ने पौधा रोपण भी किया।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में जोड़ों से डालीं आहुतियां

आकाश पांडेय

सिंघाना, निप्र। सिंघाना अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा सिंघाना में चल रहे चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत प्रात: पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ हुआ जिसमें ग्रामीणों ने जोड़ों से आहुतियां डाली।

दोपहर में कन्या कौशल एवं किशोर कौशल कार्यक्रम मे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादाई उद्बोधन हुए। मुख्य वक्ता के रूप में रामलाल पटेल कसरावद एवम् सौरभ मोरे खरगोन ने उद्बोधन दिया। नगर के सदगुरू गजानन गुरुकुल, प्रियदर्शिनी ज्ञान मंदिर, श्री अंबिका स्कूल, एवम् शासकीय विद्यालयों के बच्चों ने सहभागिता निभाई। आमंत्रित गायत्री परिजनों ने अपने उद्बोधन में बताया कि, भारत युवाओं का देश है और ऊर्जावान बनकर फिर से राष्ट्र को विश्व गुरु बनाना है। गायत्री परिवार के गुरुदेव पंडित आचार्य श्री राम शर्मा ने कहा है कि हमारे 18 संकल्प सूत्रों को एक दिन पूरा विश्व मानेगा। रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मी बाई, खुदीराम बोस, स्वामी विवेकानंद, मां भक्त वीर शिवाजी जैसे अवतारों की आज पुन: आवश्यकता है इसलिए इनके जैसे बने। झांसी कि रानी लक्ष्मी बाई 23वर्ष की आयु में अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। भक्त प्रहलाद, ध्रुव, भरत, आदि ने बचपन में ही अपनी योग्यता दुनिया का दिखा दी थी। संगति पर विशेष व्याख्यान देते हुए कहा कि कंस नहीं कृष्ण बने, रावण नहीं राम बने, पाण्डु पुत्र दानवीर कर्ण को दुर्योधन की गलत संगति के कारण ही मरना पड़ा। गुलामी के समय मातृ दश प्रतिशत लोग पूर्ण रूप से आशान्वित थे कि आजादी मिलेगी ही और आजादी मिली। प्रात: जल्दी उठकर योग प्राणायाम जरूर करें। प्रात: काल उठ के रघुनाथा, मात पिता गुरु नावऊं माथा। गुरुजनों की आज्ञा पालन से अच्छे शिष्य बनते है नहीं तो केवल चेले बनकर रह जाते हैं। भाग्य का निर्माण कर्म से होता है। इसलिए मेहनत से घबराए नहीं। कभी मायूस नहीं होना चाहिए। हिम्मत साहस से हर मुश्किल को जीता जा सकता है। रात्रि कालीन ऋषि संदेश में आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी विषय पर व्याख्यान हुआ।

पुलिस महकमा रहा सक्रिय, हर चौराहे पर तैनात थे पुलिस के जवान

रात्रि में निकला ताजियों का कारवां, सुबह निकला शैरो का अखाड़ा

विनय उजाला

बाग, निप्र। नगर मे मुस्लिम समाज द्वारा पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत मे मनाए जाने वाले दस दिवसीय पर्व मोहरम की नव तारीख को कत्ल की रात भी कहा जाता है नव तारीख शनिवार को कत्ल की रात मे रात्रि को मातमी जुलुस के साथ ताजियो का कारवा अपने अपने मुकाम से उठकर सदर बाजार पहुचै जहा से सब एकृतित होकर पंचायत के सामने बैठक कर के वापस अपने अपने मुकाम पर पहुचे मातमी धुन कै साथ तह जुलूस मे या हूसेन के नारो से नगर गुंजता रहा। इस दौरान अखाडे के उस्तादौ ने अपने अपने हेरत अंगेज करतब भी दिखाऐ। देर रात्रि तक चलता रहा जूलुस। जगह जगह शरबत और छबील सभी को पिलाया गया।

रविवार सुबह दस दिवसीय मोहरम पर्व की 10 तारीख को शैरो का अखाडा निकाला गया। जिसमे मोहम्मदी मोहल्ला ओर मेवाती मोहल्ले कै युवको को शैरौ कै रुप मे रंगा इसमै कुछ बच्चे जो मन्नत के शेर बनते है। सभी शैरो को खूब अखाडा खीलाकर मुस्लिम समाज के शहर सदर लखानी मेव, पुर्व मुस्लिम समाज शहर सदर सलाम खान पठान, हुसेनी लश्कर अखाडे के उस्ताद बरकत अली शाह, मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव जाफर खान मेव, हारुन खत्री आदि ने शैरो का इस्तकबाल किया। यह जूलूस दोपहर तक चलता रहा जहा शैरो ने हर अखाडे के ताजियो पर जाकर सलामी दी। जुलुस का लोहार फल्या मे समापन किया गया। पुरे समय बाग पुलिस मुस्तेद रही।

जुलुस पर रही पेनी नजर, फ्लेग मार्च निकला

इस दौरान बाग पुलिस महकमा पुरे समय सक्रिय रहा जुलुस के पहले शाम को बाग थाना प्रभारी कैलाश चौहान ने जवानो को लेकर नगर मे फ्लेग मार्च किया। रात्रि ताजियो के जुलुस के पहले मुख्य चोराहो पर जवानो की तेनाती की गई। ताकि कोई त्योहार मे बाधा उत्पन्न ना हो खतरनाक मोड़, माता दरवाजा, सदर बाजार, लोहार फल्या, आदि मुख्य स्थानो पर जवान पुरी मुस्तेदि से तेनात होकर अपनी पेनि नजर जुलुस पर जमाए हुऐ थे।

संक्षिप्त समाचार

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ, जुलाई माह में चलेगा अभियान

देवास,निप्र। नगर में स्वच्छता को लेकर नगर निगम द्वारा अभियान चलाया जा रहा है इसी के अंतर्गत साईनाथ हायर सेकंडरी स्कूल एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय महाकाल कॉलोनी में विद्यार्थियों को सफाई एवं स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 1 जुलाई से 31 जुलाई तक सफाई अपनाओ बीमारी को दूर भगाओ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को नगर निगम देवास की सहयोगी संस्था बेसिक्स मुनसिपल वेस्ट वेंचर टीम द्वारा शासकीय और अशासकीय स्कूलों में ये अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत स्कूल के सभी विद्यार्थियों को हाथ किस प्रकार से धोना चाहिए सभी विद्यार्थियों को हाथ धोने के 6 प्रकार के बारे में बताया गया कि हाथ किस प्रकार धोए जाते हैं इस अभियान में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर महेश सोनी, साईनाथ हायर सेकंडरी स्कूल संचालक शकील कादरी, संस्था बेसिक्स मुनसिपल वेस्ट वेंचर टीम के सुपरवाइजर संदीप माने, शाहनवाज शेख और अभिषेक पंवार व आईसी टीम मेंबर गोकुल राठौर और जतिन चौहान उपस्थित रहे। सभी बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

विद्यार्थियों को स्वच्छता के लिए किया जागरूक

अचार, पापड़ एवं मसाला पाउडर मेकिंग प्रशिक्षण का समापन

बड़वानी,निप्र। स्टार ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी में 5 जुलाई को अचार पापड़ एवं मसाला पाउडर मेकिंग प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें 35 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया संस्थान के निदेशक श्री संजू बरवरे, एसेसर श्रीमती योगिता पाटीदार एवं जगदीश गुप्ता के द्वारा सभी महिलाओं की परीक्षा पूर्ण की गई एवं सर्टिफिक्रेट प्रदान किए गए। जीवन ज्योति बीमा योजना जीवन सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में अपने बीमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया । इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य श्री यश सेठी एवं दुर्गा खोटे उपस्थित रहे।

सहकारिता विभाग द्वारा मनाया जा रहा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष, रौपे पौधे

बडवानी,निप्र। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित खरगोन शाखा बड़वानी मे केन्द्र सरकार मे सहकारिता मंत्रालय के 04 वर्ष पुर्ण होने के उपलक्ष्य पर सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं म0प्र0 राज्य के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग के निर्देश पर वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप मे मनाया जा रहा है । बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमति संध्या रोकडे के निर्देश पर 01 जुलाई 2025 से 06 जुलाई 2025 तक बैंक मे लोन मेला/नवीन कृषको को केसीसी कार्ड सुविधा/स्वच्छता अभियान/वृक्षारोपण कर उत्साह एवं उल्लास के साथ कार्यक्रम आयेजित करने के निर्देश जारी किये गये है । खरगोन बडवानी दोनो जिलो की 69 शाखाओ एवं 182 बी पेक्स मे अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पुरे हर्षोउल्लास के साथ मनाया जा रहा है । इसी तारतम्य मे जिला सहकारी केंन्द्रीय बैंक मर्यादित खरगोन शाखा बडवानी मे बडवानी जिले के सहायक आयुक्त सुरेश सांवले, जिला नोडल अधिकारी संजय शर्मा द्धारा शाखा परिसर मे पौधा रोपण किये गये। बहुउद्देशीय साख सहकारी समिति मर्यादित बडवानी मे सहायक आयुक्त जिला नोडल अधिकारी की उपस्थिति मे समिति प्रबंधक जगदीश मुकाती द्धारा किसानो को समिति का सदस्य बनाकर केसीसी कार्ड जारी किये गये ।

सरकार संवेदनशीलता के साथ आपके साथ खड़ी है

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने ग्राम खिवनिखुर्द में प्रभावित परिवारों से की मुलाकात

विनय उजाला

देवास,निप्र। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को खातेगांव विधानसभा के ग्राम खिवनिखुर्द पहुंचे और अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने ट्रैक्टर में बैठकर प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे और अजब सिंह के घर भोजन भी किया। इस दौरान उन्होंने संभव मदद का आश्वासन दिया. केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार संवेदनशीलता के साथ आपके साथ खड़ी है। सभी प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद की जाएगी। किसी को अपनी भूमि से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। विधायक एवं प्रशासन से जो सहायता मिली है उसके अलावा सांसद निधि से भी आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों का हक उन्हें मिलना चाहिए। कही पर भी नवीन कब्जा नहीं होने देंगे, लेकिन पुराना कब्जा होगा उसे पर खेती करने का हक होगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्र को लोगों को धरती आबा योजना का लाभ दिलाए। उन्होंने कहा कि घर-घर में नल के माध्यम से पानी मिलेगा, ऐसा प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है। प्रत्येक गांव में युवाओं की एक टीम बनाएं जो पात्र ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाए कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार की मंशा गांव मंजरे टोले को सड़क से जोड़ने की है। किसी भी गांव में कच्ची सड़क नहीं रहेगी। कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा सभी को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देकर पक्के मकान बनाए जाएंगे। प्रत्येक गांव में स्व सहायता समूह बनाकर महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री के लखपति दीदी के सपनों को साकार करने का पूरे ईमानदारी से प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी पात्र महिलाओं को उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाया जाए. इस दौरान खातेगांव विधायक आशीष शर्मा, निर्मला बालेरा, प्रेम सिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर ऋतुराज सिंह, पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत, डीएफओ अमित सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मोहर्रम पर सतवास में पांच पीढ़ियों की परंपरा कायम

हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक हाथी ताजिया निकला

विनय उजाला

सतवास,निप्र। मराठा परिवार के निखिल मराठा ने बताया की सतवास में मोहर्रम पर हिंदू मराठा परिवार द्वारा लगभग,चार पांच पीढ़ियों से मोहर्रम पर हाथी का निर्माण किया जा रहा हैं जो कि लोगों के द्वारा मन्नत पूरी होने पर बनवाया जाता हैं ईद के बाद से बनाने का काम शुरू होता है जिसे बनाने में करीबन बीस से पच्चीस दिन लगते है और इसके निर्माण में 21 हजार रुपए की लागत लगती हैं इसमें बास और बल्लियों वाटर प्रूफ कागज़ का उपयोग करते हैं अभी भी लगभग 15वर्ष तक के मन्नत वालो के नंबर लगे हुए हैं मोहर्रम की सात तारीख मेहंदी की रात को और कत्ल की रात को और मोहर्रम की 10तारीख अंग्रेजी 6तारीख को दोपहर में निकाला गया हाथी ताजियों के आगे आगे ढोल नगाड़े की थाप पर आकर्षक नृत्य करता है जिसे दो लोगों द्वारा उठाया जाता हैं हाथी का वजन एक क्विंटल से ज्यादा होता हैं।

वही सतवास के कय्यूम मियाजी ने बताया की हमारे परिवार द्वारा होलकर स्टेट से पहले से लगभग पांच पीढ़ियों से सरकारी ताज़िए का निर्माण किया जाता हैं उसके कागज़ों की आकर्षक कटिंग करने में तीन माह पहले से तैयारी करना पड़ती हैं इसे कचहरी का ताजिया कहा जाता हैं क्योंकि जहां पर ताजिया बनाया जाता वहां पहले होलकर स्टेट के समय कचहरी (कोर्ट) हुआ करती थीं इस लिए कचहरी का ताजिया कहा जाता है बाद में यहभवन स्कूल में तब्दील हो गया परन्तु सरकारी ताज़िए का निर्माण अभी भी उसी स्थान पर किया जाता हैं दस तारीख को शाम को सभी ताजिया और हाथी को भारी मन के साथ घूड़िया दतुनी नदी करबाला में विसर्जन किया जाएगा हैं सतवास की मुस्लिम बस्तियों में त्यौहार को लेकर काफी उत्साह है बस्तियों को लाईट सीरीज झंडे से सजाया गया है। वही त्योहारों को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा प्रति दिन फ्लैग मार्च निकाला गया हैं और अमन चैने से त्योहार मनाने की बात कही गई है।

जिले में प्रदर्शन, धरना, सभा, रैली, जुलूस आदि सक्षम अधिकारी से पूर्वानुमति के बिना आयोजित ना किया जाए

विनय उजाला

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने देवास जिले में धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए

देवास,निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने आगामी आने वाले धार्मिक त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए देवास जिले की संवेदनशीलता और कानून व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख कर आमजन की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने की दृष्टि से सपूर्ण देवास जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है।

कलेक्टर श्री सिंह ने पुलिस अधीक्षक, देवास द्वारा प्रस्तुत उपरोक्त प्रतिवेदन का अवलोकन कर एवं तत्संबंध में विभिन्न स्त्रोतों से चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। विचारोपरान्त यह स्पष्ट है कि वर्तमान में जिले में चल रही विभिन्न गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए जन सामान्य के हित व जानमाल की सुरक्षा, लोकशांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए संपूर्ण जिला देवास में विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए है। अत: जन सामान्य के हित/जानमाल की सुरक्षा तथा लोकशांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1), (2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला देवास के संपूर्ण क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने आदेश जारी किए हैं कि विभिन्न मुद्दों को लेकर विभिन्न संगठनों के प्रदर्शन, धरना, सभा, रैली, जुलूस आदि सक्षम अधिकारी से पूर्वानुमति के बिना आयोजित ना किया जाए। ध्वनि विस्तार यंत्रों का प्रयोग निहित शर्तों के अधीन सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना नहीं किया जाए।

रोटरी क्लब सोनकच्छ ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया

विनय उजाला

सोनकच्छ,निप्र। स्थानीय रोटरी क्लब सोनकच्छ द्वारा 50 वें स्वर्ण वर्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन 6जुलाई रविवार को सिविल अस्पताल सोनकच्छ में आयोजित किया गया जिसमें जिला चिकित्सालय की बल्ड बैक टीम द्वारा रक्तदान सम्पन्न किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी मंडल 3040 के बल्ड डोनेशन चेयरमैन अनील गुप्ता व श्री मति गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि पी डी जी सत्यनारायण लाठी, पी डी जी डॉ जामिन हुसैन, विशेष अतिथि सहायक मंडलाध्यक्ष दिनेश कारपेंटर, प्रोजेक्ट चेयरमैन राजेश यादव, अध्यक्ष दिनेश राठौर, सचिव महेश चन्द्र राठौर, सोनकच्छ सिविल अस्पताल के प्रभारी डॉ राजेंद्र गुजराती, डॉ आदर्श नानेरिया , बल्ड बैक प्रभारी अनुप सिंह डाबी द्वारा मां सरस्वती एवं रोटरी जनक पॉल हैरिस के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तत्पश्चात 72 महिला एवं पुरुषों ने रक्तदान किया जिन्हें रोटरी क्लब एवं ब्लड बैक टीम द्वारा प्रशंसी पत्र भेंट किए गए ये शिविर तहसील लेवल पर मंडल का सबसे बड़ा रक्तदान कार्यक्रम इस वर्ष का है इस अवसर पर मुख्य अतिथि रोटे अनील गुप्ता ने कहा कि उन्हें रोटरी क्लब सोनकच्छ पर गर्व है जो 50 वर्षों से निरंतर सेवा करते हुए मंडल में प्रति वर्ष सेवा के नए आयाम रच रहा हैं और इस स्वर्णिम वर्ष में मानव सेवा मेत्री व सहयोग के कई कार्य कर के इस क्लब को मंडल में सर्वोत्तम क्लब साबित करेगा। इस अवसर पर पुर्व अध्यक्ष सत्यनारायण गजेश्वर, हुकमचंद अग्रवाल, संजय सेठी डॉ बुरहानुद्दीन, सौभाग सिंह ठाकुर, सुरेश चंद्र यादव, मोहन सिंह बघेल, सुभाष गुप्ता, शंकर लाल शर्मा, आशीष अकोतीया, कमल नागर, ईश्वर सिंह जाधव, अमर सिंह मालवीय, सदस्य जितेंद्र सिंह बघेल, लाखन सिंह सेंधव, मनोज परमार, सतीश चंद्र तिवारी डॉ अरविंद धाकड़, अरुण शर्मा मनीष सोनी आदि उपस्थित थे आर सी सी मंडल प्रति निधि अखिलेश राठौर, कृष्णपाल मकवाना, मानसिंह,धीरज सिंह, धर्मेंद्र टेलर, राकेश राठौर, आरसीसी तालोद, छायन मैना, जामगोद, खेड़ा खजुरिया, रलायती, सांवेर एवं सोनकच्छ नगर के लोगों का सहयोग रहा कार्यक्रम का संचालन महेश सिसोदिया ने किया व आभार महेश चन्द्र राठौर ने किया।

बगैर मेहनत के मिली सफलता कभी भी स्थाई नहीं होती : खनूजा

विनय उजाला

जिला स्तरीय बैडमिंटन चौम्पियनशिप संपन्न

देवास,निप्र। बगैर मेहनत के मिली सफलता कभी भी स्थाई नही होती है. इसीलिए मेहनत और समर्पण से अपने खेल की ओर ध्यान दे, सफलता अवश्य मिलेगी। उक्त बातें स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में स्थित बैडमिंटन हॉल में खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरस्कार वितरण समारोह में प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी अमरजीत सिंह खनूजा ने बतौर मुख्य अतिथि कही। अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच दिलीप महाजन ने खिलाडियों को बैडमिंटन खेल के गुर सिखाए और सतत् प्रशिक्षण पर जोर दिया। विशेष अतिथि के रूप में वेदप्रकाश ठाकुर समाजसेवी, अच्यूत मालाकार सी.ए., देवास जिला शतरंज एसो. के अध्यक्ष सुधीर पंडित, खेल विभाग के जावेद पठान, मनीष मूंदड़ा, सुरेश परवाल,यश सोनी मंचासीन रहे। सभापति नगर निगम रवि जैन के मार्गदर्शन में हो रही इस प्रतियोगिता में जिले के करीब 100 खिलाडियों ने बढ चढकर भाग लिया। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत रोहित गुप्ता, अक्षय गुप्ता, रॉबिन राजपाल,नरेन्द्र सोनी, रोहित क्षेत्री, राजवीर ठाकुर आदि ने किया। तत्पश्चात् अतिथियों द्वारा विजेता उपविजेता खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया व अक्षय गुप्ता,नरेन्द्र सोनी द्वारा अतिथियों को प्रतीक चिह्न भेट किए. कार्यक्रम का सफल संचालन यशवंत डागोरा ने किया एवं आभार रोहित गुप्ता ने माना।

परिणाम इस प्रकार रहे

अंडर-11 बालिका वर्ग में अर्सिका पंजवानी विजेता, मिहिका पवार उपविजेता। अंडर-11 बालक वर्ग में अनय परवाल विजेता, राजा शेख उपविजेता। अंडर-13 बालिका वर्ग में अनवेषिका दुबे विजेता, सान्वी ठाकुर उपविजेता। अंडर-13 बालक वग में मोहित इजारदार विजेता, अनिरुद्ध माहोर उपविजेता। अंडर-15 बालिका वग में प्रियांशी थपलियाल विजेता, अन्वेषिका दुबे उपविजेता। अंडर-15 बालक वर्ग में सीरियल दास विजेता तथा रनक शास्त्री उपविजेता रहे।

मालवा-निमाड़ से हजारों लोग पहुंचे आयोजन में, सवारी की शुरुआत में संकेत स्वरूप आकाशीय गोला छोड़ा गया

बड़े साहब को कंधा देने से पहले लगी दौड़, डबडबाईं आंखें

विनय उजाला

सोनकच्छ,निप्र। नगर में मालवा के प्रसिद्ध मोहर्रम पर्व पर जुलूस निकला। चमन बाजार से इमाम हुसैन की सवारी को कंधा देने बड़ी तादाद में हजारों जायरीन जमा हुए थे। तड़के फजर की नमाज के बाद चमन बाजार पर बड़े साहब के यहां जियारत का दौर शुरू हुआ। दोपहर पौने दो बजे एक आकाशीय गोला छोड़ा गया। यही वह संकेत था कि सवारियों को उठाने के लिए हुसैनी लश्कर दौड़ कर आने वाला है। रास्ता खाली कर दिया जाए। यहां 400 से अधिक साल पहले से सवारी निकल रही है।

सोनकच्छ में निकले बड़े की सवारी

कंधा देने वाले जायरीनों के हाल छुड़ाए गए : मालवा-निमाड़ में मशहूर इस जुलूस को देखने दूरदराज से लोग पहुंचे थे। तकिया स्थित इमामबाड़े से दोपहर दो बजे से दौड़ शुरू हुई। सभी समाज के युवा वर्ग ने भाग लिया। चमन बाजार स्थित हुसैनी चौक पहुंच कर फातिहा पढ़ी।उधर बड़े साहब को चौराहे से निकालने में बाजार स्थित चबूतरे से सवारी को निकालने में बीस मिनट लगे। उसके बाद चौराहे से निकालने में करीब 30 मिनट लग गए। चौराहे से सवारी कालीसिंध मार्ग से होकर कालीसिंध नदी स्थित अलावे पहुंचे। यहां फेरे की रस्म अदा की गई। जुलूस हाथीथान पहुंचा। जहां कांधा देने वाले जायरीनों के हाल छुड़ाए गए। सवारी को कांधा देते समय समाजजनों की आंखें छलक पड़ी। हाथीथान से फिर तमाम सवारियों को इकट्ठा कर जुलूस निकाला गया। इसमें ताजिये भी शामिल थे। जुलूस में धार्मिक अलम सहित तिरंगा लहराया जा रहा था। नगर के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि सवारी जमीन से मात्र एक इंच उपर रही हो इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने फोटो वीडिओ लेने वालों के मोबाइल बंद करवाएं। यह दृश्य कब्रिस्तान के यहां घटित हुआ।

जैसी जगह मिली, वही से किया बड़े साहब का दीदार-

सवारियों को देखने आए जायरीनों ने कहीं दीवार पर तो कहीं चार पहिया वाहनों पर खड़े होकर बड़े साहब का दीदार किया। बुजुर्गों की मानें तो बड़े साहब की सवारी करीब 400 वर्ष से भी अधिक पुरानी है। जिसे देखने के लिए व मान-मन्नतों का दौर वर्षों से भारी भीड़ की शक्ल में यहां आता है। इस वर्ष बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के साथ अन्य समाजों ने जियारत की। सुरक्षा की दृष्टि से एसडीओपी दीपा मांडवे, टीआई आशीषसिंह राजपूत के साथ बड़ी संख्या में दल बल मौजूद था।

बुराइयों से बचने के लिए युवाओं और बच्चों को ग्रंथ शास्त्र का स्वाध्याय करना चाहिए : पंडित पवन दीवान

विनय उजाला

सोनकच्छ,निप्र। जिस प्रकार मां अपने बच्चे की पहली गुरु होती हे उसी प्रकार जैन धर्म में मां जिनवाणी (आगम ग्रन्थ) का प्रमुख स्थान है । समुद्र की गहराई को मापा जा सकता लेकिन मां के ममत्व को नहीं मापा जा सकता है। मां ममता की मूरत होती हैं। लेकिन ग्रस्त जीवन में मां स्वार्थी होती हैं और जिनधर्म की मां जिनवाणी निस्वार्थी होती है। ग्रस्त जीवन मां अपने काम काज निपटाने के लिए उसे थपकार के सुला देती है उसी के विपरीत मां जिनवाणी निस्वार्थ भाव से सोते हुए को जगा देती हे। इस लिए प्रतिदिन ज्यादा नहीं तो 24 घंटे दस मिनिट ग्रंथों शास्त्रों का स्वाध्याय करे यह बात स्थानीय श्री महावीर जिनालय में चल रहे आठ दिवसीय अष्टानिका पर्व के तीसरे दिन प्रतिष्ठाचार्य पंडित पवन दीवान सागर ने उपस्थित भक्तों से कही उन्होंन कहा कि आज युवाओं ओर बच्चों को स्वाध्याय ग्रन्थ को पढ़ने की रुचि को बढ़ाना होगा। क्योंकि ग्रन्थ शास्त्र या पुराण अपनी भारतीय संस्कृति पहचान हैं । आप अपने जीवन में धर्म ग्रंथों को आत्मसात करोगे तो जीवन में घटित होने वाली अनेक बुराइयों से बच जाओगे।

प्रवक्ता रोमिल जैन ने बताया कि प्रवचन भैयाजी द्वारा श्री सिद्धचक्र विधान में आने वाले दोहे का वर्णन कर उनका अर्थ भी समझाया जा रहा है। इसी के साथ धर्म ज्ञान में वृद्धि के उद्देश्य से प्रश्नमंच के माध्यम से ग्रंथों के रचयिता,लेखक व संतो के नाम व पूजा में आने वाले छंद ,दोहे , सूक्तियां का अर्थ पूछा जा हे ।

एजबेस्टन टेस्ट में भारत ने रच दिया इतिहास... खत्म हुआ 58 साल का सूखा, इंग्लैंड को रौंदकर सीरीज में की बराबरी

टीम इंडिया ने किया बर्मिंघम किला फतेह

बर्मिंघम, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 336 रनों से जीत हासिल की। मुकाबले में इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा करते हुए उसकी पूरी टीम पांचवें दिन के दूसरे सेशन में 271 रनों पर ऑलआउट हो गई।

इंग्लैंड की दूसरी पारी में आकाश दीप ने 6 विकेट झटके। शुभमन गिल की कप्तान में ये भारत की पहली जीत रही। इस जीत के साथ ही भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। सीरीज का तीसरा मुकाबला 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। देखा जाए तो भारत ने पहली बार बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर टेस्ट जीत हासिल की है। इससे पहले जो उसने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले थे, उसमें से सात में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। जबकि एक मुकाबला ड्रॉ पर छूटा। भारतीय टीम ने इस मैदान पर पहला टेस्ट जुलाई 1967 में खेला था, जिसमें उसे 132 रनों से पराजय का मुंह देखना पड़ा था। अब भारत ने 58 साल का सूखा खत्म किया है। बता दें कि भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी 427/6 के स्कोर पर घोषित की थी। मुकाबले में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 587 और इंग्लैंड ने अपनी पहली इनिंग्स में 407 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर भारत को 180 रनों की बड़ी लीड मिली थी।

भारत की जीत के तीन सबसे बड़े हीरो

शुभमन गिल ने बनाए 430 रन... भारतीय कप्तान शुभमन गिल के लिए यह एक ड्रीम सीरीज साबित हो रही है। गिल ने दो टेस्ट मैचों में ही 585 रन बनाए दिए हैं। दूसरे टेस्ट में गिल के सामने सभी इंग्लिश गेंदबाज बेबस नजर आए। गिल ने पहली पारी में 387 गेंदों पर 269 रन बनाए। इस पारी में गिल ने 8 घंटे, 29 मिनट क्रीज पर बिताए। दूसरी पारी में उन्होंने और भी आक्रामक बल्लेबाजी की और 162 गेंदों पर 161 रन बना दिए। गिल ने मैच में 43 चौके और 11 छक्के जमाए।

आकाश दीप ने लिए 10 विकेट... आकाश दीप को पहले मैच में प्लेइंग-11 में मौका नहीं मिला था। इस बार बुमराह की गैरहाजिरी में वे खेले। उन्होंने दोनों पारियों में बेहतरीन गेंदबाजी की। पहली पारी में आकाशदीप ने 88 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं, दूसरी पारी में उन्होंने 99 रन देकर 6 विकेट लिए। आकाशदीप ने अपनी सीम मूवमेंट से पूरे मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान रखा।

मोहम्मद सिराज ने लिए 6 विकेट... बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग साबित हुई इस पिच पर सिराज ने इंग्लैंड की पहली पारी में 70 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में भी एक विकेट निकाला। टीम के स्ट्राइक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेल रहे थे। ऐसे में सिराज ने लीड गेंदबाज की भूमिका बखूबी निभाई।

ग्रेनेडा टेस्ट-तीसरे दिन का खेल खत्म

वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 254 रन

ग्रेनेडा, (हि.स.)

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में सात विकेट खोकर 221 रन बना लिए हैं।

एलेक्स केरी 26 और कप्तान पैट कमिंस 4 बना कर क्रीज पर हैं। टीम की बढ़त 254 रन की हो गई है। दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 12 रन

के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को नाथन लियोन के रूप में पहला छटका लगा। लियोन 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम के लिए कैमरून ग्रीन और स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैमरून ग्रीन ने 123 गेंद पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाए, वहीं स्मिथ ने 119 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 71 रन जड़े। इसके अलावा ट्रेविस हेड ने 60 गेंद पर 39 रन बनाए। ब्यू वेबस्टर मात्र 2 रन बना पाए।

वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में अब तक जायडेन सील्स, शमर जोसेफ, जस्टिन ग्रीव्स ने 2-2 विकेट और अल्जारी जोसेफ ने एक विकेट चटकाया। इससे पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रन प सिमट गई थी। इस तरह दूसरी पारी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की लीड मिली थी। अब दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 221 रन बनाने के साथ टीम की कुल बढ़त 254 रन हो गई है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया था। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

विंबलडन-नोवाक जोकोविच की 100वीं सिंगल्स जीत

नई दल्ली, एजेंसी। विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर नोवाक जोकोविच ने अपने करियर की 100वीं विंबलडन सिंगल्स जीत दर्ज की। उन्होंने सर्बिया के ही मियोमिर केकमानोविच पर 6-3,6-0, 6-4 से जीत दर्ज की। वहीं स्टेडियम में मौजूद उनकी 7 साल की बेटी तारा जोकोविच ने डांस करके सभी का दिल जीत लिया। मैच के बाद जब जोकोविच ऑन-कोर्ट इंटरव्यू दे रहे थे, तो उनसे इस डांस के बारे में पूछा गया। इस पर जोकोविच ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ये डांस मेरी बेटी तारा और बेटे के साथ हमारी एक फैमिली ट्रेडिशन बन चुका है। इस गाने का नाम है पंप इट अप।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लंदन के इंडिया हाउस में हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों पांच मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड में हैं। दोनों टीमों के बीच पहले टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसमें भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही है। दोनों टीम के बीच चौथा टी20 मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा। इस बीच हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का लंदन के इंडिया हाउस में एक समारोह में भव्य स्वागत किया गया। मुख्य कोच अमोल

मजूमदार के नेतृत्व में भारतीय टीम और सहयोगी स्टाफ शनिवार शाम को भारतीय उच्चायोग के प्रांगण में आयोजित समारोह में शामिल हुए। यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने उनका स्वागत किया।

अपनी रिकॉर्ड तोड़ पारी के लिए वैभव ने गिल को दिया श्रेय

वॉर्सेस्टर, एजेंसी

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं।

सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा वनडे मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए। सूर्यवंशी ने

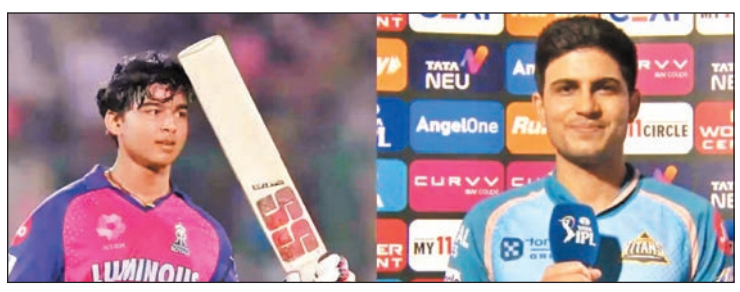

बीसीसीआई के एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे। गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा

सूर्यवंशी ने कहा, मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा। सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।

व्यापार

भारत कर रहा मजबूती से बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत इस समय 12 से अधिक देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) को लेकर सक्रिय बातचीत कर रहा है। इनमें सऊदी अरब, कतर, इस्त्राइल, ओमान, यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड, रूस और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। इसके अलावा ताजिकिस्तान, कंबोडिया, उरुग्वे, मालदीव और कुवैत के साथ भी चर्चा चल रही है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आने वाले तीन से छह महीनों के भीतर कुछ देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि समझौते को अंतिम रूप देकर उसकी घोषणा की जा सकती है। द्विपक्षीय निवेश संधि यानी दो देशों के बीच ऐसा समझौता होता है, जो एक-दूसरे के देशों में किए गए निवेश की सुरक्षा और प्रोत्साहन की गारंटी देता है। इससे विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ता है और निवेश में तेजी आती है।

12 से अधिक देशों के साथ भारत की जल्द होगी निवेश संधि

निवेश को लेकर भारत की सोच

सरकार का मानना है कि स्थानीय उपायों को अपनाना और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का विकल्प देना, दोनों पक्षों के लिए संतुलन कायम करता है। इससे सरकार को लम्बी कानूनी लड़ाइयों से बचने में मदद मिलती है और निवेशकों को भी विवाद सुलझाने का विकल्प मिलता है। एक अन्य अधिकारी के मुताबिक, भारत का मकसद ऐसा निवेश ढांचा बनाना है जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो, लेकिन साथ ही घरेलू नीतिगत स्वतंत्रता भी बरकरार रखे। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि ये द्विपक्षीय निवेश संधियां भारत के लिए एक खास मौका हैं जिससे वो हर देश के साथ अलग-अलग रणनीतिक साझेदारी कर सके। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय समझौतों की तुलना में द्विपक्षीय संधियाँ ज्यादा लचीलापन देती हैं और यह भारत को उसकी आर्थिक ताकत और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने का मौका देती हैं।

भारत की नई नीति और हालिया प्रगति

भारत सरकार ने हाल ही में मौजूदा बीआईटी मॉडल में सुधार करने की घोषणा की है ताकि वह निवेशक-हितैषी बन सके और अधिक विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया जा सके। 2024 में भारत ने यूएई और उज्बेकिस्तान के साथ दो द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। यूएई के साथ हालिया बीआईटी में विवाद की स्थिति में स्थानीय कानूनी उपायों की अवधि को 5 साल से घटाकर 3 साल कर दिया गया है। यह कदम निवेशकों और सरकार दोनों के हित में माना जा रहा है।

भारत में विदेशी निवेश की स्थिति

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, भारत को और अधिक एफडीआई आकर्षित करने के लिए टैक्स प्रणाली में स्थिरता और स्पष्टता लाने की जरूरत है। अप्रैल 2000 से मार्च 2025 तक, भारत में कुल एफडीआई प्रवाह 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 81 बिलियन डॉलर रहा।

एफडीआई में सबसे अधिक योगदान देने वाले देश : मॉरीशस - 25%, सिंगापुर - 24%, अमेरिका - 10%, नीदरलैंड - 7%, जापान - 6%, यूके - 5%, यूएई - 3%, जर्मनी, साइप्रस और केमैन आइलैंड्स - 2%

निवेश पाने वाले प्रमुख सेक्टर : सेवा क्षेत्र, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, टेलीकॉम, ट्रेडिंग, निर्माण क्षेत्र, ऑटोमोबाइल, रसायन और फार्मा

अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ भारत को जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से भारतीय ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ लगाने के खिलाफ भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। लेकिन एक सरकारी अधिकारी ने साफ किया है कि यह एक प्रक्रिया से जुड़ा कदम है और इसका भारत-अमेरिका व्यापार समझौते (बीटीए) पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत ने विश्व व्यापार संगठन के तहत अमेरिका पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिका ने 26 मार्च 2025 को सेफगार्ड उपायों के तहत भारत सहित कई देशों से आने वाले ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था। इसे भारत ने डब्ल्यूटीओ के सेफगार्ड समझौते के तहत चुनौती दी थी।

जोमैटो के फूड और डिलीवरी बिजनेस के सीईओ बने आदित्य मंगला

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी कंपनी एटर्नल (पूर्व में जोमैटो) ने आदित्य मंगला को अपने फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी बिजनेस का नया चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) और सीनियर मैनेजमेंट प्रोफेशनल नियुक्त किया है।

कंपनी ने रविवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। कंपनी ने बताया कि मंगला की नियुक्ति 6 जुलाई 2025 को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मंजूरी के बाद दो साल के लिए की गई है। आदित्य मंगला राकेश रंजन की जगह लेंगे, जिनके कंपनी छोड़ने की खबर अप्रैल में आई थी।

एटर्नल ने बताया कि राकेश रंजन ने फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी बिजनेस के सीईओ के रूप में दो साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है और वे 6 जुलाई 2025 से सीनियर मैनेजमेंट प्रोफेशनल के रूप में अपनी भूमिका से भी हट जाएंगे।

एटर्नल के अनुसार, आदित्य मंगला वर्तमान में कंपनी में फूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी के प्रोडक्ट हेड हैं। मार्च 2021 में एटर्नल से जुड़ने के बाद उन्होंने फूड डिलीवरी बिजनेस में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं, जिनमें हेड ऑफ सप्लाई और हेड ऑफ कस्टमर एक्सपीरियंस शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने रेस्टोरेंट पार्टनर सिस्टम को बेहतर बनाने और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कस्टमर सेटिस्फेक्शन बढ़ाने पर फोकस किया।

मस्क की पॉलिटिक्स में एंट्री का शेयर बाजार पर असर

मुंबई, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की राजनीति में एंट्री का असर शेयर बाजार पर भी दिखा रहा है। अमेरिका की इनवेस्टमेंट फर्म अजोरिया पार्टनर्स ने टेस्ला पर आधारित अपना नया ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) लॉन्च करने की योजना फिलहाल टाल दी है।

अजोरिया पार्टनर्स अगले हफ्ते अजोरिया टेस्ला कन्वेक्सिटी श्वज्ञस्न लॉन्च करने वाली थी, जिसमें टेस्ला के शेयर और ऑप्शंस में निवेश किया जाता। मस्क के नए राजनीतिक पार्टी के ऐलान के बाद अजोरिया के

सीईओ जेम्स फिशबैक ने सोशल मीडिया पर मस्क की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राजनीति से टेस्ला के सीईओ के तौर पर उनकी जिम्मेदारी पर असर पड़ सकता है। फिशबैक ने कहा कि मैं टेस्ला के बोर्ड से अपील करता हूं कि वे तुरंत बैठक करें और मस्क से साफ-साफ पूछें कि उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं टेस्ला के सीईओ के रोल के साथ मेल खाती हैं या नहीं।

वैश्विक खाद्य कीमतों में हलचल

जून में अनाज सस्ते, पर दूध-तेल की महंगाई ने बढ़ाया बोझ

नई दिल्ली, एजेंसी

जून 2025 में वैश्विक खाद्य महंगाई को लेकर एक मिश्रित तस्वीर सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जहां अनाज और चीनी जैसी बुनियादी चीजों के दामों में गिरावट से उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, वहीं दूध, वनस्पति तेल और मांस जैसे जरूरी उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने थाली को महंगा कर दिया है।

इस बीच वैश्विक स्तर पर अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जगी है, लेकिन गर्मी और

सूखे जैसे जलवायु जोखिमों ने भविष्य को लेकर चिंताएं गहरा दी हैं। एफएओ के फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार जून में खाद्य कीमतों में कुल मिलाकर 0.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जिससे सूचकांक 128 अंकों पर पहुंच गया। यह वृद्धि भले मामूली हो, लेकिन मार्च 2022 के शिखर से यह अभी भी 20.1 प्रतिशत नीचे है। जून में जहां अनाज और चीनी के दाम गिरे वहीं डेयरी, मांस और तेल की महंगाई ने महंगाई को ऊपर की ओर खींचा। जून में अनाज मूल्य सूचकांक 107.4 अंक पर दर्ज किया गया जो मई के मुकाबले 1.5 प्रतिशत कम है। मक्का, जौ और ज्वार के दामों में गिरावट अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे उत्पादक देशों की आपूर्ति के कारण आई। हालांकि गेहूं महंगा हुआ क्योंकि यूरोप, रूस और अमेरिका में खराब मौसम की आशंकाओं ने कीमतों को ऊपर खींचा। एफएओ का अनुमान है कि वर्ष 2025 में वैश्विक अनाज उत्पादन 292.5 करोड़ टन तक पहुंच सकता है जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा।

तेल की महंगाई ने ऊपर खींचा सूचकांक

जून में वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक 2.3% चढ़कर 155.7 अंक पर पहुंच गया। पाम, सोया और रेपसीड तेल की कीमतों में तेजी आई, जबकि सूरजमुखी तेल सस्ता हुआ। पाम तेल की कीमत में लगभग 5% की वृद्धि हुई, क्योंकि वैश्विक मांग तेज रही। वहीं, सोया तेल की कीमतें अमेरिका और ब्राजील में बायोफ्यूल मांग के चलते बढ़ीं। रेपसीड तेल की कीमतें भी वैश्विक आपूर्ति की चिंता के कारण बढ़ीं।

दूध और मक्खन फिर महंगे, एशिया से बढ़ी मांग

डेयरी मूल्य सूचकांक में जून में 0.5% की वृद्धि हुई और यह 154.4 अंक पर पहुंच गया। मक्खन की कीमतों में 2.8% की छलांग के साथ यह 225 अंकों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस तेजी के पीछे ओशिनिया और यूरोपीय देशों में उत्पादन में कमी और पश्चिम एशिया से मांग में वृद्धि रही। न्यूजीलैंड में खराब मौसम और यूरोप में पर्यावरण नियमों के चलते पशुधन में कटौती ने आपूर्ति को प्रभावित किया। इसके अलावा अमेरिका में स्टॉक घटने से कीमतें और बढ़ीं।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल ने गाजा पर फिर बरसाए बम नौसेना कमांडर समेत तीन ढेर

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है. इसी क्रम में इजरायली सेना (आईडीएफ) ने हमास के नौसेना बल के कमांडर रमज़ी रमज़ान अब्द अली सालेह को मार गिराया है. ये कार्रवाई गाज़ा सिटी में की गई, जहां आईडीएफ ने हमास के लड़ाकों को निशाना बनाकर हवाई हमला किया। इज़रायली सेना के अनुसार सालेह हमास के भीतर एक अहम रणनीतिक व्यक्ति था और हाल के हफ्तों में वह गाज़ा में तैनात इज़रायली सैनिकों के खिलाफ समुद्री हमलों की योजना और उन्हें अंजाम देने में शामिल था। आईडीएफ ने इस हमले में हमास के दो और लड़ाकों के मारे जाने की भी पुष्टि की है। इनमें हिशाम अयमान अतिया मंसूर शामिल है, जो हमास की मोर्टार शेल यूनिट का डिप्टी हेड बताया गया है। वहीं, नसीम मोहम्मद सुलेमान अबू सब्हा भी इस हमले में मारा गया है, जो हमास की उसी मोर्टार यूनिट से जुड़ा हुआ था। इज़रायली सेना ने इस कार्रवाई को गाज़ा में सक्रिय आतंकवादियों की क्षमताओं को कमजोर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। इस ऑपरेशन का मकसद हमास के सैन्य ढांचे को तोड़ना और इज़रायली सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इजरायली सेना के अनुसार, सालेह हमास की समुद्री हमलावर क्षमताओं का प्रमुख चेहरा था और हाल के दिनों में इजरायली सैनिकों के खिलाफ समुद्री हमलों की योजना बना रहा था। उसे गाजा सिटी की एक बिल्डिंग में निशाना बनाया गया, जहां वह अन्य हमास लड़ाकों के साथ बैठक कर रहा था।

राम मंदिर के161 फीट ऊंचे शिखर पर होगा ध्वजारोहण

अयोध्या, एजेंसी। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्व भर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा। ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश-विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। अयोध्या में मेहमानों की आगवानी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट और प्रशासनिक तंत्र ने कमरे बुक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख होटल, धर्मशालाएं और गेस्ट हाउसों में आवास की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद किया जा रहा है। नवंबर में समारोह के लिए शुभ मुहूर्त भी ज्योतिषियों से निकलवाया जा रहा है। 16 नवंबर व 25 नवंबर दो शुभ तिथियों में से किसी एक तिथि के चयन पर विमर्श हो रहा है। राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर रामध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के अन्य सभी मंदिरों के शिखर पर ध्वज फहराया जाएगा।

हिमाचल में कार खाई में गिरी, 4 मौतें, अब तक 82 की जान गई

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में मनाली-रोहतांग दर्रे के पास अल्टो कार सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। घटना में 4 लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति घायल है। राज्य में अब तक 82 लोगों की मौत बारिश से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। 50 लोगों की मौत लैंडस्लाइड-बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं में हुई। 32 लोगों की जान सड़क हादसों में हुई है। लैंडस्लाइड के कारण राज्य की 269 सड़कों पर यातायात बंद हैं। चंबा-मंडी जिले में आज बादल फटने की घटना में 5 पुल बह गए। वहीं यूपी के वाराणसी में गंगा उफान पर है। गंगा में हर घंटे पानी बढ़ रहा है। गंगा 62.62 मीटर पर बह रही है। खतरे का निशान 71.262 मीटर है। महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पानी में डूबा है, इसके कारण चिताएं छत पर जलाई जा रही हैं।

भारतीयों को अब आसानी से मिल सकेगा यूएई का गोल्डन वीजा

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार ने एक नया प्रकार का गोल्डन वीजा शुरू किया है, जो कुछ शर्तों के साथ नामांकन पर आधारित होगा, जो अब तक की संपत्ति या कारोबार में बड़ी मात्रा में निवेश करने की प्रथा से अलग है। अब तक भारत से दुबई का गोल्डन वीजा पाने का एक तरीका यह था कि संपत्ति में कम से कम दो मिलियन दिरहम (लगभग 4.66 करोड़ रुपये) का निवेश किया जाए या देश में व्यवसाय में बड़ी रकम लगाई जाए। नई नामांकन आधारित वीजा नीति के तहत भारतीय अब 1,00,000 दिरहम (करीब 23.30 लाख रुपये) की फीस देकर यूएई का गोल्डन वीजा जीवनभर के लिए प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी लाभार्थियों और इस प्रक्रिया में जुड़े लोगों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दी। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में 5,000 से अधिक भारतीय इस नामांकन आधारित वीजा के लिए आवेदन करेंगे। भारत और बांग्लादेश को इस वीजा के पहले परीक्षण चरण के लिए चुना गया है और रायद ग्रुप नाम की एक कंसल्टेंसी को भारत में इस नामांकन आधारित गोल्डन वीजा के प्रारंभिक परीक्षण के लिए चुना गया है। रायद ग्रुप के प्रबंध निदेशक रायद कमाल अयूब ने कहा कि यह भारतीयों के लिए यूएई का गोल्डन वीजा प्राप्त करने का सुनहरा मौका है।

निरहुआ ने उद्धव और राज ठाकरे को दे दी चुनौती, मैं भोजपुरी बोलता हूं, हिम्मत है तो महाराष्ट्र से निकालकर दिखाए

मुंबई, एजेंसी। मराठी को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) कार्यकर्ताओं के सड़क पर उतरकर मारपीट करने के बाद 'निरहुआ' के नाम से मशहूर अभिनेता और गायक दिनेश लाल यादव ने ठाकरे बंधुओं (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) को चुनौती दी है कि यदि उनमें हिम्मत है तो वे भोजपुरी बोलने के कारण उनको महाराष्ट्र से बाहर निकालकर दिखाएं। पलटवार करते हुए एमएनएस के एक नेता ने कहा कि अगर यादव में हिम्मत है तो उन्हें महाराष्ट्र का दौरा करना चाहिए। यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) के धर्मेंद्र यादव के खिलाफ आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र से 2024 का चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यादव ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं खुली चुनौती दे रहा हूं। मैं मराठी नहीं बोलता। मैं भोजपुरी बोलता हूं और महाराष्ट्र में ही रहूंगा। आप गरीब लोगों को क्यों निकाल रहे हैं? अगर आपमें हिम्मत है तो मुझे बाहर निकालिए। मैं आपको चुनौती दे रहा हूं, मुंबई में भी।

फ्रांसीसी खुफिया रिपोर्ट में दावा

राफेल लड़ाकू विमान को लेकर दुष्प्रचार कर रहा चीन

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस की सैन्य और खुफिया एजेंसियों ने अपनी एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि चीन अपने दूतावासों के जरिए फ्रांस के लड़ाकू विमान राफेल फाइटर जेट के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है और फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों की क्षमता पर संदेह पैदा करने की कोशिश कर रहा है। खासकर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के बाद इस दुष्प्रचार में तेजी आई है। चीन, राफेल लड़ाकू विमानों के मुकाबले अपने लड़ाकू विमानों को बेहतर बनाकर पेश कर रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन के दूतावासों में तैनात डिफेंस अताशे विभिन्न देशों को राफेल लड़ाकू जेट नहीं खरीदने पर जोर दे रहे हैं। खासकर इंडोनेशिया को मनाने की कोशिश हो रही है, जो राफेल जेट खरीदने पर विचार कर रहा है। इतना ही नहीं चीन अपने लड़ाकू विमानों का प्रचार कर रहा है और विभिन्न देशों पर उन्हें खरीदने के लिए जोर डाल रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई में भारत और पाकिस्तान के बीच भीषण संघर्ष हुआ था, जिसमें मिसाइलों और लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया। सैन्य विशेषज्ञ अब इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि पाकिस्तान के चीन में निर्मित हथियारों खासकर लड़ाकू विमानों ने भारत के फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के खिलाफ कैसा प्रदर्शन किया। पाकिस्तान का दावा है कि उसने भारत के पांच लड़ाकू विमान गिराए, जिनमें तीन राफेल जेट भी शामिल हैं। हालांकि फ्रांस के वायुसेना प्रमुख जनरल जेरोम बेलेंजर ने कहा कि भारत ने संभवत: तीन लड़ाकू विमान खोए, जिनमें एक राफेल, एक सुखोई और एक मिराज 2000 शामिल है।

फ्रांस के रक्षा निर्यात में राफेल अहम

फ्रांस ने अभी तक जितने भी देशों को राफेल लड़ाकू जेट बेचे हैं, उनमें पहली बार राफेल के निशाना बनने की बात सामने आई है। बेलेंजर ने कहा कि लड़ाकू विमान अगर गिरा है, तो इस बारे में उस देश से सवाल पूछा जाना चाहिए। फ्रांस के हथियार निर्यात में बड़ा हिस्सा राफेल और उससे जुड़े उपकरण हैं। यह फ्रांस का विभिन्न देशों से संबंध बेहतर करने का भी प्रमुख जरिया है। खासकर एशिया में, जहां चीन अपना दबदबा बढ़ा रहा है। हालांकि इन दिनों फ्रांस को चीन के दुष्प्रचार से जूझना पड़ रहा है। जिसमें पाकिस्तान और चीन दोनों शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर चल रहा दुष्प्रचार

इसके तहत सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल की जा रही हैं, जिनमें फर्जी तस्वीरों के जरिए राफेल के मलबे को दिखाया जा रहा है। साथ ही एआई जेनरेट कंटेंट और वीडियो गेम की क्लिप दिखाकर राफेल को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बाद एक हजार से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट बनाए गए, जो चीन की सैन्य तकनीक को बेहतर बताने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी ये पता नहीं चला है कि सोशल मीडिया पर इस दुष्प्रचार में चीन की सरकार शामिल है या नहीं।

सीतारमण ने तीन देशों के समकक्षों से की वार्ता

भारत-चीन निभा सकते हैं वैश्विक विकास में बड़ी भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक के दौरान रूस, ब्राजील और चीन के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। यह जानकारी वित्त मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर साझा की है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि रूसी वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ अपनी बैठक में सीतारमण ने भारत-रूस की दीर्घकालिक साझेदारी को दोहराया और पहलगाम में हालिया आतंकी हमले के बाद समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आभार जताया। उन्होंने विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की मजबूती को रेखांकित किया। बैठक में वित्तीय सहयोग,न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) और ब्रिक्स के नए कदमों पर चर्चा हुई। उन्होंने 2024 में रूस की सफल ब्रिक्स अध्यक्षता की भी सराहना की और दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था लेकर की ब्राजील की कोशिशों की सराहना... वहीं, वित्त मंत्री सीतारमण ने ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच वैश्विक दक्षिण की आवाज बुलंद करने, सीओपी30 से पहले जलवायु वित्त, यूएन, जी20, डब्ल्यूटीओ, ब्रिक्स और आईबीएसए जैसे वैश्विक मंचों पर एक साथ काम करने और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की। उन्होंने बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में ब्राजील की कोशिशों की सराहना की और 2026 में भारत के ब्रिक्स अध्यक्ष बनने पर व्यावहारिक सहयोग का आश्वासन दिया। सीतारमण ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की तारीफ भी की।

चीनी वित्त मंत्री लैन फोआन के साथ भी वार्ता

इस दौरान चीनी वित्त मंत्री लैन फोआन के साथ बैठक में सीतारमण ने सितंबर 2024 में समरकंद में एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक(एआईआईबी) बैठक के दौरान हुई पिछली मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत और चीन, दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं और समावेशी वैश्विक विकास में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों और आर्थिक प्रभाव को आधार बनाकर वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने और विकासशील देशों के हितों को प्रतिबिंबित करने वाले वैश्विक विमर्श गढ़ने की जरूरत बताई।

लाल सागर में यमन के पास जहाज पर हमला, गोलीबारी और रॉकेट दागे गए

दुबई, एजेंसी

यमन के तट के पास लाल सागर में एक जहाज पर रविवार को हमला हुआ। ब्रिटेन की निगरानी एजेंसी यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार संचालन (यूकेएमटीओ) ने बताया कि कुछ हथियारबंद लोगों ने जहाज पर गोलियां चलाईं और रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) से हमला किया। अभी तक यह साफ नहीं है कि इस हमले के पीछे कौन है, लेकिन यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पूरा मध्य पूर्व पहले से ही तनाव में है- जैसे इस्राइल-हमास युद्ध, ईरान-इस्राइल संघर्ष और अमेरिका की तरफ से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हवाई हमला। इस मामले में यूकेएमटीओ ने बताया कि जहाज पर तैनात सुरक्षा बलों ने जवाबी फायरिंग की है और स्थिति अभी भी नियंत्रण में नहीं है। यमन के हूती विद्रोही पिछले कई महीनों से इस क्षेत्र में वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उनका दावा है कि वे गाजा में इस्राइल के हमले के विरोध में ऐसा कर रहे हैं।

बिलावल ने पाक की बेइज्जती कर दी

हाफिज-मसूद को भारत सौंपने वाले बयान पर भड़का सईद का बेटा

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ज़रदारी के बयान ने देश में राजनीतिक भूचाल ला दिया है।

बिलावल ने क़तर में अल जज़ीरा को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि यदि भारत सहयोग करे, तो हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकियों को प्रत्यर्पण के तहत भारत को सौंपने पर विचार कर सकता है।बिलावल के इस बयान को लेकर पाकिस्तान में ही कड़ा विरोध देखने को मिला, खासकर हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद ने इसे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती करार दिया।

हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद ने बिलावल के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, ऐसे बयान से पाकिस्तान की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल होती है। हमारा परिवार और देश के कई लोग भारत को प्रत्यर्पण के खिलाफ हैं। तल्हा ने यह भी दावा किया कि बिलावल जैसे नेता, राजनीतिक फायदे के लिए पाकिस्तान की संप्रभुता से समझौता कर रहे हैं।

गुजरात के आम आदमी पार्टी विधायक चैतर वसावा गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात में आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी हत्या के एक मामले में हुई है। वसावा पर हत्या की कोशिश का आरोप लगा है। वहीं आप विधायक को हिरासत में लिए जाने के बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि विसावदर उपचुनाव में आप के हाथों हार के बाद भाजपा बौखला गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुजरात के नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा प्रांत ऑफिस में अपनो तालुको, वाइब्रेंट तालुको का बैठक के दौरान विधायक चैतर वसावा और तालुका पंचायत प्रमुख संजय वसावा के बीच तीखी नोकझोंक हो गई और इस दौरान कथित तौर पर हाथापाई हुई।

अमेरिका के टेक्सास में तबाही का सैलाब!

भीषण बाढ़ में अब तक 50 लोगों की मौत, 27 लापता

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के दक्षिण मध्य क्षेत्र में स्थित टेक्सास राज्य केर काउंटी में भारी बारिश की वजह से आई फ्लैश फ्लड की वजह से हाहाकार मचा दिया है। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 50 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं दर्जनों लोग घायल हैं, जिनमें कैंप के ली गईं 27 बच्चियां भी शामिल हैं। बड़े स्तर पर प्रशासन द्वारा लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा अभी लापता लोगों की संख्या जारी नहीं की गई है।

फ्लैश फ्लड की वजह से केर काउंटी में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, गाड़ियां पलट गईं और कई इमारत को भी नुक़सान पहुंचा है। चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ दिख रहा है। रेस्क्यू में शामिल दलों को कीचड़ से भरे इलाकों में लगातार तलाश कर रहे हैं। जब ये प्लैश फ्लड आया तो उस इलाके में एक ईसाई समर कैंप %कैंप मिस्टिक का आयोजन हो रहा था। इसमें कई लड़कियों ने हिस्सा लिया था। इस आयोजन में शामिल 27 बच्चियां अभी भी लापता हैं।

8 मीटर ऊंची लहरों में बह गए घर और गाड़ियां

भारी बारिश की वजह से ग्वाडालूप नदी में उफान आ गया। नदी का जलस्तर लगभग 26 फ़ीट तक बढ़ गया, जिससे कई वाहन और घर बह गए। मौसम अभी शांत होता नहीं दिख रहा है। बारिश अभी भी जारी है। सैन एंटोनियो के आसपास के इलाकों में फ्लैश फ्लड जैसे हालात बने हुए हैं। रेस्क्यू अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन और नावों का इस्तेमाल कर लापता लोगों का पता लगाया जा रहा है। लोगों को पेड़ों और छोटे टापुओं से भी बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक 850 से ज्यादा लापता लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

कांग्रेस का मोदी सरकार पर आरोप

केंद्र ने तोड़-मरोड़ कर पेश की विश्व बैंक की रिपोर्ट, भारत में बढ़ रही असमानता

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने रविवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने भारत के लिए विश्व बैंक की पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ की रिपोर्ट को तोड़-मरोड़ कर पेश किया।

उन्होंने कहा कि गरीबी और असमानता अभी भी गंभीर चिंता का विषय हैं, जिसमें 28.1 फीसदी भारतीय गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार समर्थक अब विश्व बैंक के आंकड़ों को इस तरह से पेश कर रहे हैं कि भारत दुनिया के सबसे समान समाजों में से एक है। इसे उन्होंने हकीकत से विपरीत बताया। कांग्रेस ने एक्स पर पत्र का एक अंश साझा करते हुए लिखा, विश्व बैंक ने अप्रैल 2025 में भारत के लिए अपनी गरीबी और समानता पर रिपोर्ट जारी की थी। इसके तीन महीने बाद मोदी सरकार के समर्थक इस रिपोर्ट के आंकड़ों को तोड़-मरोड़कर यह दावा करने लगे हैं कि भारत दुनिया के सबसे बराबरी वाले समाजों में से एक है — जो कि हकीकत से बिल्कुल विपरीत है और गलत दावा है। हमने 27 अप्रैल 2025 को अपने बयान में विश्व बैंक की रिपोर्ट में उठाई गई कुछ अहम चिंताओं को उजागर किया था। ये चिंताएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं और इस रिपोर्ट को गंभीरता से समझे बिना कोई भी चर्चा अधूरी होगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश ने भारत में बढ़ती असमानता को लेकर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि 2023-24 में देश के शीर्ष 10 फीसदी आय वालों की कमाई सबसे निचले 10 फीसदी लोगों की तुलना में 13 गुना ज्यादा थी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सरकारी आंकड़ों की खामियां गरीबी और असमानता की असली तस्वीर छिपा सकती हैं, जो नए गरीबी मानकों के इस्तेमाल पर और भी ज्यादा गंभीर साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, भारत में वेतन असमानता बहुत अधिक है। 2023-24 में शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों की औसत कमाई सबसे निचले 10 फीसदी लोगों की तुलना में 13 गुना ज्यादा थी।

भारत में गरीबी मापने के लिए सही दर 3.65 अमेरिकी डॉलर प्रति दिन है

इसमें आगे कहा गया, घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 में प्रश्नावली डिजाइन, सर्वेक्षण क्रियान्वयन और सैंपलिंग में बदलाव के कारण समय के साथ तुलना करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। यह ध्यान देने योग्य है कि ये कई बदलाव उस समय किए गए, जब सरकार ने पिछले सर्वेक्षण (2017-18 में किया गया) को रद्द कर दिया था, क्योंकि उसमें ग्रामीण क्षेत्रों में खपत में गिरावट दिखाई दी थी। एक निम्न-मध्य आय वाले देश के रूप में भारत में गरीबी मापने के लिए सही दर 3.65 अमेरिकी डॉलर प्रति दिन है। इस मापदंड के अनुसार, भारत में 2022 की गरीबी दर काफी अधिक है, जो 28.1 फीसदी है। पत्र में आगे कहा गया है कि उन्होंने सरकार पर सीमित और अविश्वसनीय डाटा के साथ-साथ चुने हुए मानकों का उपयोग करके झूठा दावा करने का आरोप लगाया कि भारत दुनिया के सबसे बराबरी वाले समाजों में से एक है।

सरकार वनवासियों के साथ है, यह भावना जन जन तक जानी चाहिए

वनवासियों के कल्याण के लिए करें सभी प्रबंध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पेसा मोबालाईजर की नियुक्ति के अधिकार अब ग्राम सभाओं को देगी सरकार

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्नेह का बंधन एकतरफा नहीं होना चाहिए। राज्य सरकार हर पल वनवासियों के साथ खड़ी है, यह बात पूरी शिद्दत से उन तक पहुंचनी चाहिए।

सभी वनवासियों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें और उनके जीवन में विकास का प्रकाश लाने की दिशा में काम करें। वनवासियों के कल्याण के लिए हरसंभव प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत एवं रोजगार कर रहे बच्चों का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीड-बैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकार की योजनाएं तथा सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के लिए गठित की गई राज्य-स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष समिति तथा इसी विषय के लिए गठित कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय कार्य एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को वनाधिकार के व्यक्तिगत और सामुदायिक दावों का तेजी से निराकरण कर 31 दिसंबर 2025 तक पेंडेसी जीरो करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबालाईजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबालाईजर्स की अपने काम पर उपस्थिति और उच्च कोटि का कार्य प्रदर्शन फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबालाईजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है।इस निर्णय से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबालाईजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वनवासियों की बेहतरी के लिए संकल्पित है। उनके सभी हितों की रक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन विभाग का मैदानी अमला यह सुनिश्चित करे कि वन भूमि पर अब कोई भी नये अतिक्रमण कदापि न होने पाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए महाराष्ट्र सरकार के जलयुक्त शिविर अभियान की तरह समन्वय पर आधारित मॉडल मध्यप्रदेश में भी अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों द्वारा इस अधिनियम के अमल के लिए की जा रही कार्यवाही के सभी पहलुओं का अध्ययन कर लें और जो सबसे उपयुक्त है उसी मॉडल पर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए विधायकों द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है। वनाधिकार अधिनियम और पेसा कानून के अमल के लिए समुचित प्रावधान भी इसी विजन डॉक्यूमेंट में शामिल कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार क्रमबद्ध रूप से विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूहों और अन्य जनजातीय बहुल गांव, मजरों-टोलों तक सड़कों का निर्माण कर रही है। ग्राम पंचायत विकास कार्ययोजना में पेसा कोष की राशि खर्च करने का अधिकार भी संबंधित पेसा ग्राम सभा को दिया जा रहा है। बैठक में समिति के सदस्य एवं पूर्व विधायक श्री भगत सिंह नेताम ने बताया कि वनाधिकार अधिनियम के प्रभावी अमल के लिए बालाघाट जिले में पुलिस विभाग द्वारा सभी पुलिस चौकियों में एकल सुविधा केन्द्र स्थापित कर इसके जरिए कैम्प लगाकर जनजातियों को लाभान्वित किया जा रहा है। अब तक 450 वनाधिकार दावे भरवाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस नवाचार की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदेश के सभी 88 जनजातीय विकासखंडों वाले जिलों के कलेक्टर को बालाघाट मॉडल भेजकर इसी अनुरूप कार्यवाही करने के लिए कहा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र के सभी गांवों के विकास के लिए प्रस्ताव दिए जाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य एक्शन प्लान बनाकर किया जाए। उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर 2025 तक सभी गांवों के दावे प्राप्त कर लें और इसी दौरान इनका निराकरण भी कर लें। वन अधिकारियों की ट्रेनिंग का काम 15 अगस्त तक पूरा कर लिया जाए।

सामुदायिक आजीविका पर करें फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आजीविका सबसे पहली जरूरत होती है। सामुदायिक आजीविका के साधनों पर फोकस कर जनजातियों की नकद आय के साधन बढ़ाने की दिशा में उन्हें दुग्ध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्हें शासन की योजना के तहत अधिक से अधिक दुधारू पशु (मुख्यतः गाय, भैंस) उपलब्ध कराए जाएं। इससे वे आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातियों को कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की रोजगारमूलक योजनाओं से भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि चूंकि वनवासी वनोपजों पर विशेष रूप से आश्रित रहते हैं। इसलिए लघु वनोपजों के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन गतिविधियों में जनजातीय समुदायों को लाभ का बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए, इससे उनका जीवन स्तर सुधरेगा। औषधीय पौधों की खेती पर विशेष जोर दिया जाए ताकि जनजातीय वर्ग के उत्पाद सीधे बाजार से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्गों की स्थायी आजीविका विकास के लिए मूल्य संवर्धन केंद्र भी विकसित किए जाएं, जिससे जनजातियां रोजगार की तलाश में बाहर न जाएं और युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिल जाए।

अब तक 2.89 लाख से अधिक दावे मान्य किए गए

बैठक में प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य ने बताया कि वर्ष 2008 से 2023 तक कुल 2 लाख 89 हजार 461 वनाधिकार दावे मान्य किए गए हैं। लंबित दावों के निराकरण केलिए कार्यवाही की जा रही है। वन मित्रा पोर्टल के अनुसार जिलों द्वारा पूर्व में मान्य किए गए दावों के सत्यापन के उपरांत अपात्र पाए गए हितग्राहियों के वनाधिकार दावे अमान्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुन-परीक्षण के लिए 87 हजार 283 और एक लाख 86 हजार 224 नए प्राप्त दावे इस प्रकार कुल 2 लाख 73 हजार 457 दावे अभी लंबित स्थिति में है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के बड़वानी, धार, खरगोन, मंडला, बैतूल, छिंदवाड़ा, शहडोल, खंडवा, सिंगरौली, रायसेन, डिण्डौरी, अलीराजपुर, बुरहानपुर, सिवनी, उमरिया और बालाघाट जिले में 7-7 हजार से भी अधिक वनाधिकार दावे मान्य किए गए हैं।

वनांचल विकास केन्द्र को करें और अधिक सक्रिय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातियों के पारम्परिक ज्ञान को उनके विकास के लिए बनाई जा रही नीति निर्माण में भी शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं को और भी सशक्त बनाने, सामुदायिक वन संसाधनों के समुचित प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण और वन एवं वनोपज संसाधनों के न्यायसंगत वितरण के लिए वन/वनांचल विकास केन्द्रों को और अधिक भी सक्रिय कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि ये केंद्र वन अनुसंधान, प्रशिक्षण, मार्केट लिंकेज और कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व-सीएसआर/कैम्पा जैसे वित्त स्रोतों के समन्वय में महत्त्वपूर्ण भूमिका भी अदा करें।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया शुरू

भोपाल, निप्र। प्रदेश में केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्रालय नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये आवेदन और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला कलेक्टर्स एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। आवेदन एवं नामांकन वेब पोर्टल http://nationalawardstoteachers.education.gov.in पर 13 जुलाई तक स्वीकार किये जायेंगे। प्रदेश में जिन शिक्षकों द्वारा 13 जुलाई तक नामांकन कर दिया जायेगा उनके अभिलेख, ऑडियो, वीडियो 15 जुलाई तक पोर्टल पर अपलोड किये जा सकेंगे। शिक्षक द्वारा किये गये नामांकन की प्रथम स्तर पर स्कूटनी के लिये जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। समिति में राज्य शासन का प्रतिनिधित्व जिले के डाइट प्राचार्य और कलेक्टर द्वारा नामांकित प्रतिष्ठित शिक्षाविद् सदस्य के रूप में करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार एवं सम्मान के लिये राज्य स्तर पर भी समिति होगी। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग अध्यक्ष होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में केन्द्र सरकार के नामांकित प्रतिनिधि, संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ आयुक्त लोक शिक्षण सदस्य सचिव के रूप में शामिल होंगे। राज्य चयन समिति द्वारा विशेष श्रेणी सहित अधिकतम 6 अनुशंसाएं केन्द्र सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर अग्रेषित की जा सकेंगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की ऑनलाइन प्रक्रिया के निष्पादन की समय सारणी निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन 13 जुलाई 2025 तक स्वीकार किये जायेंगे।

मध्य प्रदेश में मोहर्रम पर कई शहरों में निकाले जा रहे मातमी जुलूस

भोपाल, (हि.स.)। पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मुस्लिम समाज द्वारा रविवार को मोहर्रम का पर्व मनाया जा रहा है। मध्य प्रदेश में भी इस मौके पर राजधानी भोपाल, उज्जैन, बुरहानपुर समेत कई शहरों में मातमी जुलूस निकाले जा रहे हैं। सभी जगह हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग इमामबाड़ों में एकत्रित हुए और धार्मिक विधियों के तहत मातम मनाया।

भोपाल में मुख्य जुलूस की शुरुआत फतेहगढ़ से हुई। इस जुलूस में ताजिए, बुर्राक, सवारियां, परचम, अखाड़े और ढोल-ताशे शामिल थे, जो वीआईपी रोड होते हुए करबला मैदान पहुंचे। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी की गई। इस मौके पर मौलाना डॉ. रजी-उल-हसन हैदरी ने कहा कि इमाम हुसैन ने हमें पैगाम दिया कि अगर कोई जालिम, बेगुनाहों और मासूमों पर जुल्म कर रहा है तो आवाज उठाना हमारा धर्म और प्राथमिकता होनी चाहिए। इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

वहीं, उज्जैन में भी सुबह 5 बजे से ही मोहर्रम का जुलूस शुरू हुआ। शहरभर में %या हुसैन% के नारों के साथ माहौल गूंज उठा। एएसपी नीतेश भार्गव ने बताया कि जुलूस की सुरक्षा के लिए 650 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। पुलिस ने ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की। जुलूस सुबह 10 बजे करबला मैदान में समाप्त हुआ।

इधर, बुरहानपुर में रविवार को शिया समाज की ओर से मातमी जुलूस निकाला गया। इसमें कुछ युवा हाथ में तिरंगा झंडा लेकर शामिल हुए। यहां लोग अलम के बीच मातम करते हुए नजर आए। जुलूस सिंधी बस्ती स्थित शिया समाज के इमामबाड़े से निकला। यह रोशन चौक, इकबाल चौक, गांधी चौक, फव्वारा चौक, सिटी कोतवाली रोड, मंडी क्षेत्र से बुधवारा होते हुए वापस समाज के इमामबाड़ा पहुंचकर समाप्त हुआ।

वहीं, इंदौर में भी इमामबाड़ा से सरकारी ताजिए के साथ जुलूस निकाला जा रहा है। यह जुलूस दोपहर 2 बजे शुरू हुआ, जो विभिन्न मार्गों से आगे बढ़ रहा है। इसी तरह मुरैना में भी मोहर्रम पर ताजिए निकालने का सिलसिला शुरू हो चुका है।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सबनानी ने किये श्रद्धासुमन अर्पित

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर रविवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 29 के बूथ 29 पर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सबनानी ने कहा कि आज उस पुण्य आत्मा की जयंती है, जिनके एक विचार ने जनसंघ से लेकर आज तक भारतीय जनता पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाया, और संगठित होकर हम हर असंभव कार्य को संभव कर सकते हैं, यह गुरु मंत्र भी हमें डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के द्वारा ही प्राप्त हुआ है, और जिन्होंने अखंड भारत के लिए अपना बलिदान दिया। मैं उनके श्री चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सबनानी ने पौधारोपण किया, और सभी से इस वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधारोपण कर उसकी देखभाल करने की अपील की। इस अवसर पर माता शबरी मंडल के अध्यक्ष हेमंत बड़गैया बूथ अध्यक्ष हरि मालवीय सत्येंद्र नेगी पंकज त्रिपाठी रंजीत पटेल कमलेश बड़गैंया सुधा सिंह सुमन वर्मा मुन्ना पुरी संतोष गुप्ता आशीष सिंगौर शुभम तिवारी अर्जुन यादव आलोक श्रीवास्तव मनाजी वर्मा मोनिका शुक्ला,विनोद बाथम बलवंत पटेल सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। और पूरा वातावरण डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी अमर रहे, अमर रहे, अमर रहे के नारों से गूंज उठा।

पूर्व सांसद डीपी यादव से महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज की मुलाकात

लक्षचंडी यज्ञ के आगामी आयोजन को लेकर हुई विशेष चर्चा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। पंचायती श्रीनिरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने रविवार को वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व सांसद डी.पी. यादव से उनके नई दिल्ली स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों के बीच आगामी प्रस्तावित लक्षचंडी महायज्ञ की तैयारियों को लेकर विशेष चर्चा हुई। महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने श्री यादव को यज्ञ के महत्व, उद्देश्य एवं उसमें आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आयोजन को भव्य और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक और सामाजिक सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद

डी.पी. यादव ने महाराजश्री को आश्वस्त किया कि वे आयोजन को सफल बनाने में हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक अनुष्ठानों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी समरसता का संचार होता है। जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित लक्षचंडी यज्ञ में देशभर से साधु-संत, विद्वान आचार्य और हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और जल्द ही तारीख एवं स्थल की औपचारिक घोषणा भी की जाएगी।

राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन उज्जैन में 10 जुलाई को होगा

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राष्ट्रीय मछुआ दिवस पर 10 जुलाई को राज्य स्तरीय निषाद राज सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर उज्जैन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 22.65 करोड़ रूपये की लागत के 453 स्मार्ट फिश पार्लर, 40 करोड रूपये लागत से बन रहे अत्याधुनिक अन्डर वाटर टनल सहित एक्वापार्क और 91.80 करोड़ रूपये की लागत से इंदिरा सागर जलाशय में 3060 केजेस के माध्यम से मत्स्य उत्पादन से वृद्धि एवं रोजगार सृजन का वर्चुअली भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 430 मोटर साइकिल विद आइस बॉक्स के स्वीकृति पत्र एवं 100 यूनिटस का वितरण, 396 केज के स्वीकृति पत्र का प्रदाय, फीडमील के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र का प्रदाय एवं उत्कृष्ट कार्य कर रहे मछुआरों एवं मत्स्य सहकारी समितियों को पुरस्कार वितरण करेंगे।

जनजातीय संग्रहालय में संभावना गतिविधि में कलाकारों ने दी नृत्य प्रस्तुतियां

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रविवार को कमलेश नामदेव एवं साथी, नरसिंहपुर द्वारा अहिराई नृत्य एवं लेखपाल धुर्वे एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय नृत्य गुदुमबाजा की प्रस्तुति दी गई।

गतिविधि में कमलेश नामदेव एवं साथी, नरसिंहपुर द्वारा अहिराई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। अहिराई नृत्य अहीर समुदाय द्वारा किया जाने वाला पुरुष प्रधान नृत्य है। दीपावली के दूसरे दिन यदुवंशी अहीर जाति के लोग अपने घर में गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर पूजा करते हैं। इसी दौरान पुरुष अपने अस्त्र-शस्त्र लाठी, फरसे आदि की पूजा करते हैं। नृत्य के दौरान दोहे, कहावतों की लम्बी टेर लगाकर गाते हैं और नर्तक दल प संचालन के साथ नृत्य की शुरूआत करते हैं।

वहीं, लेखपाल धुर्वे एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय नृत्य गुदुमबाजा की प्रस्तुति दी गई। गोण्ड की उपजाति ढुलिया का पारम्परिक नृत्य है। गुदुम, ढफ, मंजीरा, शहनाई, टिमकी आदि वाद्यों के साथ गीतों की धुनों पर वादन एवं नर्तन किया जाता है। विशेषकर विवाह एवं आनुष्ठानिक अवसरों पर इस नृत्य के कलाकारों अनिवार्य रूप से आमंत्रित करते हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जन्मदिवस पर

मप्र भाजपा अध्यक्ष बोले- राष्ट्र, एक संविधान के महान सेनानी थे

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह कहना है मध्य प्रदेश के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल का । वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिवस पर अपने विचारों को अभिव्यक्त कर रहे थे।

उन्होंने कहा, देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गईं थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब

उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की %परमिट प्रणाली% के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है।

2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनसंघ से भाजपा तक की राजनीति का मूल राष्ट्रवाद रहा है, जिसने देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा को भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक ज्ञान प्राप्त कर सके। आज नई शिक्षा नीति में भी उनके विचारों की परछाई मिलती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा मृणाल पब्लिकेशंस, 13, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इन्दौर से मुद्रित एवं 37/1, महादजी मार्ग, कार्तिक चौक, उज्जैन से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - पराग पांचाल *,
फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, 0734-4011949, मो. 9425910888, 9424515199, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2016/68363.